हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

# सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित




Page 11 खेल

**यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज, नाबालिगा ने जयपु में दर्ज करवाई एफआईआर**



Page 09 देश

**चुनाव से पहले भाषा युद्ध की बात कर माहौल बनाने लगी ममता बनर्जी**


मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, अश्लेषा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • शनिवार • 26 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 225 • पृष्ठ 12


## सोना चांदी



| सोना | चांदी |
|---|---|
| 10 ग्राम 22 कैरेट | 1 किलो चांदी |
| ₹ 1,00,480 | ₹ 1,18,000 |

## आज का इतिहास

**1885 :** आधुनिक भारत के दिग्गज हिंदी कवि और लेखकों में से एक भारतेंदु हरिश्चंद्र का निधन हुआ।

**1947 :** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन का विभाजन स्वीकार किया।

## न्यूज बाइट्स

### उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरु

**नई दिल्ली (ए.) ।** चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव प्रमोद चंद्र मोदी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है और उनकी सहायता के लिए राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाया है। आयोग ने इस संबंध में गजट अधिसूचना शुक्रवार को जारी की। आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत विधि एवं न्याय मंत्रालय के साथ परामर्श करके इस चुनाव के संबंध में निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। गौरतलब है कि श्री जगदीप धनखड़ के गत सोमवार को त्यागपत्र देने के कारण उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराया जा रहा है। इस चुनाव में संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को मताधिकार होता है।

### अतिथि शिक्षकों ने बहाल करने की मांग की

**पटना (नि.सं.) ।** विभिन्न जिलों के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अतिथि शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे 4257 अतिथि शिक्षकों ने फिर से सेवा में बहाल करने की मांग की है। इस मामाले को लेकर पिछले चार दिनों से सेवा मुक्त किए गए अतिथि शिक्षक पटना के गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य के विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 2018 से अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जा रही थी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक के 30 मार्च 2024 के पत्र के आधार पर अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गई थी। यह मामला उच्च न्यायालय में गया। शिक्षा समिति ने भी इन्हें बहाल करने की अनुशंसा की, लेकिन सेवा नहीं ली जा रही है। विधान पार्षद जीवन कुमार ने भी अतिथि शिक्षकों की सेवा बहाल करने के लिए निवेदन किया।

### अवैध दवा दुकान पर छापा, 43 प्रकार की दवाएं जब्त

**पटना (नि.सं.) ।** खगड़िया। डीएम के निर्देश पर गुरुवार को सहायक औषधि नियंत्रक, खगड़िया पंकज कुमार वर्मा के नेतृत्व में औषधि नियंत्रण व प्रशासन की टीम ने दवा दुकानों में छापेमारी की। जिससे दवा दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। टीम ने परबत्ता प्रखंड के मड़ैया, फकीर गली रोड नंबर 14 स्थित शुभम कुमार, द्वारा संचालित अवैध दवा दुकान में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कुल 43 प्रकार की दवाओं को ड्रग्स एंड कास्मेटिक एक्ट के तहत जब्त किया गया। जो अवैध रूप से बेची जा रही थी। मामले में संबंधित दवा दुकान के संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

विधानसभा और विधान परिषद में पक्ष और विपक्ष के बीच वोटर लिस्ट रिवीजन के मुद्दे पर भारी हंगामा

# हंगामे की भेंट चढ़ा मॉनसून सत्र, विधानसभा मॉनसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

- विधान परिषद में 57,946 करोड़ रुपये का विनियोग विधेयक (संख्या-3), 2025 पारित किया गया।
- विधानसभा की कार्यवाही मात्र 13 मिनट 43 सेकंड में स्थगित कर दी गई।
- राजद विधायक काले कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे तो जेडीयू-बीजेपी विधायक हेलमेट पहनकर सदन में दाखिल हुए।



### स्वतंत्रता दिवस पर मेट्रो की सौगात देने की तैयारी

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। उससे पहले सरकार पटनावासियों को मेट्रो की सौगात देने की तैयारी में है। कहा जा रहा है कि सरकार स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को राजधानीवासियों को मेट्रो की सौगात देगी, जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। यह मेट्रो परियोजना न केवल राजधानी की आवागमन को आसान बनाएगी, बल्कि यह शहर की ट्रैफिक समस्या को बहुत हद तक नियंत्रित करने में भी कामयाब होगी। इतना ही नहीं, मेट्रो की यह सौगात स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। यह परियोजना भविष्य में पटना के तीव्र गति से विकास की नई आधारशिला रखने वाली है।

### राबड़ी बोलीं, तेजस्वी को जान का खतरा है

विधान परिषद् परिसर में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सत्ता पक्ष पर बड़ा आरोप लगा दिया। कहा कि तेजस्वी यादव को जान का खतरा है। उनपर अब तक चार बार जानलेवा हमला हो चुका हैं। यह हमले भाजपा और जदयू वाले करवा रहे हैं। यह लोग नाली के कीड़े हैं।

**निज संवाददाता | पटना**

बिहार विधानमंडल का मॉनसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। पांच दिन के इस सत्र में वोटर लिस्ट रिवीजन के विरोध में विपक्ष ने खूब हंगामा किया। आरजेडी विधायक काले कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे। वहीं, राजद पर सदन में जंगलराज लाने का आरोप लगाकर जेडीयू और बीजेपी के विधायक हेलमेट लगाकर विधानसभा आए। हंगामे के बीच कुछ विधेयक भी पास हुए। बता दें कि यह मौजूदा सरकार का विदाई सत्र है। इसके बाद नेता सीधे चुनावी मैदान में उतरेंगे। फिर नवंबर में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा का सत्र चलेगा। बिहार विधानसभा के मॉनसून का समापन हो गया है। आखिरी दिन विपक्ष के हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। 17वीं विधानसभा का यह अंतिम सत्र था। बिहार गीत के साथ कार्यवाही संपन्न हुई।

बिहार विधान परिषद में विपक्ष के वेल में आकर नारेबाजी किये जाने के बीच 57,946 करोड़ रुपये का बिहार विनियोग (संख्या-3) विधेयक,2025 पारित कर दिया गया। इस विधेयक को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पेश किया। इसके पूर्व विपक्षी सदस्य वेल में आकर बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग को लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी की। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने मानसून सत्र के अंतिम दिन होने और विपक्षी सदस्यों को सीट पर जाने को कहा लेकिन वे नहीं माने। सभापति ने इस सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के संचालन को लेकर मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री सहित सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। सदन की कार्यवाही मात्र 13 मिनट 43 सेकेंड में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

बिहार विधानसभा में मॉनसून सत्र के आखिरी दिन दूसरी पाली में भी विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। कुछ मिनट चलने के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सुबह भी पहली पाली में सिर्फ 5 मिनट सदन चल पाया था। बिहार विधानसभा की कार्यवाही लंच के बाद फिर से शुरू हो गई है। सुबह पहली पाली में विपक्ष के हंगामे के चलते 5 मिनट ही सदन चल पाया था। बिहार विधानसभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष पर जमकर बरसे। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम के सदन में संबोधन का वीडियो ट्वीट किया है।

संविदाकर्मियों को मिला पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

# 13 लाख कर्मियों की सेवा पुस्तिका ऑनलाइन

- मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने सचिवालय सभागार में एंड्रॉयड मोबाइल एप का किया शुभारंभ
- विदा कर्मियों के लिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ हुआ त्रैवार्षिक समझौता



### सेवा में देरी या अस्वीकृति पर अब ऑनलाइन अपील संभव

राज्य सरकार ने आरटीपीएस अपील एंड रिव्यू पोर्टल (https://rtpsappeal.bihar.gov.in) की शुरुआत की है, जो बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम, 2011 के तहत आम नागरिकों को यह सुविधा देगा कि वे किसी सेवा में विलंब या अस्वीकृति की स्थिति में सीधे ऑनलाइन अपील या पुनर्विलोकन दर्ज कर सकें। यह कदम जनहित सेवाओं की पारदर्शिता को नई दिशा देगा।

**निज संवाददाता | पटना**

बिहार में प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 13 लाख से अधिक सरकारी कर्मियों की सेवा पुस्तिका को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया है। इसके साथ ही संविदा पर कार्यरत कर्मियों के लिए पांच लाख रुपये तक के समूह स्वास्थ्य बीमा योजना की भी शुरुआत की गई है। यह दोनों पहलें बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के तत्वावधान में की गई हैं, जिसका औपचारिक शुभारंभ शुक्रवार को सचिवालय स्थित सभागार में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन की भी शुरुआत की, जिसके माध्यम से राज्यकर्मी अब घर बैठे अपनी सेवा पुस्तिका देख सकेंगे, छुट्टी का आवेदन कर सकेंगे, सेवा संबंधी दावे कर सकेंगे और आवश्यक सुधार भी कर पाएंगे। यह सुविधा कार्यालय से बाहर रहते हुए भी ली जा सकती है। फिलहाल यह एप एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जबकि आईओएस संस्करण का विकास जारी है और जल्द ही वह भी सार्वजनिक कर दिया जाएगा। इसी मौके पर बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत ऑनलाइन अपील और पुनरीक्षण पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया। इससे अब नागरिक यदि किसी सेवा के संदर्भ में विभाग से असंतुष्ट होते हैं या उन्हें समय पर सेवा नहीं मिलती, तो वे सीधे इस पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत और पुनरीक्षण दायर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली के दूसरे चरण के डिजिटल मॉड्यूल को भी जारी किया गया। इन मॉड्यूल में कर्मचारियों की स्वयं सेवा, अनुशासनात्मक कार्रवाई, वेतन, पेंशन, बीमा, स्थानांतरण, पदोन्नति, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और सेवा समाप्ति से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं डिजिटाइज की गई हैं। इसके साथ ही इस डिजिटल प्रणाली के बेहतर उपयोग के लिए विस्तृत मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेन्द्र तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. प्रतिमा एस. भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर संविदा कर्मियों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा योजना का भी शुभारंभ हुआ। इस योजना के तहत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ त्रैवार्षिक समझौता किया गया है। योजना के अंतर्गत राज्य के कुल 3560 संविदा कर्मियों को पांच लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवर प्राप्त होगा। बीमा का वार्षिक प्रीमियम पूरी तरह से मिशन कार्यालय द्वारा वहन किया जाएगा।

यह योजना विशेष रूप से इस मायने में लाभकारी है कि इसमें पहले दिन से ही बीमा कवरेज मिलेगा और किसी पूर्व बीमारी के लिए प्रतीक्षा अवधि नहीं होगी। इलाज के लिए देशभर के 17,500 से अधिक अस्पतालों को नेटवर्क में शामिल किया गया है, जिसमें बिहार के 375 और पटना के 185 अस्पताल भी शामिल हैं।

## 55 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला

**निज संवाददाता | पटना**

प्रशासनिक फेरबदल की कड़ी में बिहार सरकार ने विधानसभा सत्र के अंतिम दिन बड़ा निर्णय लेते हुए पुलिस विभाग में डीएसपी स्तर के 55 अधिकारियों का तबादला कर दिया। यह तबादला ऐसे समय में किया गया है जब प्रदेश चुनावी वर्ष में प्रवेश कर चुका है, ऐसे में इस कदम को बेहद रणनीतिक और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पूर्व सरकार ने एक सप्ताह पहले 40 एसडीपीओ का तबादला किया था, और अब डीएसपी रैंक के इतने बड़े पैमाने पर हुए स्थानांतरण से साफ हो गया है कि प्रशासनिक स्तर पर राज्य सरकार कोई कोताही नहीं बरतना चाहती।

गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कई प्रमुख स्थानों पर नए अधिकारियों को पदस्थापित किया गया है। पटना यातायात डीएसपी आलोक कुमार सिंह को अपराध अनुसंधान विभाग में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसी तरह पुलिस मुख्यालय में कार्यरत डीएसपी मनोज कुमार को गया का डीएसपी बनाया गया है।

वहीं, सुधीर कुमार को पटना यातायात डीएसपी के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे इससे पहले पटना पुलिस मुख्यालय में पदस्थापित थे। इन तबादलों से साफ संकेत मिलते हैं कि राज्य सरकार आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस तबादले की सूची में कई अन्य जिलों और विशेष शाखाओं में पदस्थापना के आदेश भी शामिल हैं।

## स्कूल बिल्डिंग गिरी, सात बच्चों की मौत, नौ की हालत गंभीर

**एजेंसी | अकलेरा (राजस्थान)**



राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 28 घायलों में से 9 की हालत गंभीर हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, वहीं 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। उधर, मामले में शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेड मास्टर समेत 5 टीचर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं घटना की जिम्मेदारी के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जिम्मेदार तो मैं ही हूं। गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई और 35 बच्चे दब गए। गांववालों ने बताया कि इस स्कूल में कुल 7 क्लासरूम है। हादसे के दौरान स्कूल के क्लासरूम में 35 बच्चे थे। स्कूल में 2 टीचर भी मौजूद थे, लेकिन छत गिरने के वक्त बिल्डिंग से बाहर थे, वे सुरक्षित हैं।

## भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से बिहार को होगा लाभ : नीतीश मिश्रा

**निज संवाददाता | पटना**

उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से बिहार को बड़ा लाभ मिलेगा। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में पहचान का द्योतक है। इसके तहत भारत के 99 फीसदी निर्यात को यूके में शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण, खिलौना उद्योग जैसे क्षेत्रों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। यह बिहार जैसे श्रम-प्रधान राज्यों के लिए अत्यंत लाभकारी है। मंत्री ने कहा कि बिहार के उभरते हुए खाद्य प्रसंस्करण और टेक्सटाइल क्षेत्र, महिला स्व-सहायता समूहों और एमएसएमई को इस समझौते से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने का अभूतपूर्व अवसर मिलेगा। इससे युवाओं, उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों के लिए नए रोजगार और निर्यात के द्वार खुलेंगे। इसके अंतर्गत आईटी, शिक्षा, वित्त, इंजीनियरिंग और कंसल्टिंग जैसे सेवाओं के क्षेत्रों में भी बड़ा लाभ मिलने जा रहा है।

## रेल किराया छूट की बहाली को लेकर सीनियर सिटीजन संघ तेज करेगा आंदोलन, दो सितंबर को पीएमओ से होगी वार्ता

**निज संवाददाता | पटना**

बिहार में वृद्धापेंशन बढ़ने के बाद अब वरिष्ठ नागरिकों की आवाज एक और महत्वपूर्ण मांग को लेकर बुलंद हो गई है। नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन ने अब केंद्र सरकार से रेल किराया छूट की बहाली को लेकर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। इसी मुद्दे पर पटना के एनिवेसेन्ट रोड स्थित सीएफटीयूआई कार्यालय में संगठन की कोर कमिटी की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माया पांडेय ने की। बैठक में यह तय किया गया कि रेल मंत्रालय द्वारा लगातार नजरअंदाजी किए जाने के बाद अब संगठन निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार है। बैठक में बताया गया कि संगठन की ओर से 7 जुलाई को बारहवीं बार प्रधानमंत्री कार्यालय और रेल मंत्रालय को पत्र भेजा गया था। इसके जवाब में रेल मंत्रालय के पैसेंजर मार्केटिंग निदेशक शिवेंद्र शुक्ला ने पुराना बयान दोहराते हुए कहा कि सभी यात्रियों को पहले से ही 55 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है, इसलिए बुजुर्गों को अतिरिक्त छूट देना संभव नहीं है। इस उत्तर से नाराज सीनियर सिटीजन एसोसिएशन ने अब सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से मुलाकात कर बातचीत करने का फैसला किया है।

दो सितंबर को पीएमओ में एक प्रतिनिधिमंडल की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें रेल किराया छूट की बहाली, 60 से 70 वर्ष की आयु वाले बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने, सीनियर सिटीजन एक्ट को सख्ती से लागू करने और पुलिस थानों में वरिष्ठ नागरिक सेल की स्थापना जैसे मुद्दों पर बात की जाएगी। एसोसिएशन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर केंद्र सरकार से सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला, तो आगामी दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशभर के बुजुर्गों के साथ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

## धान की रोपनी पिछले वर्ष से सात फीसदी अधिक

**पटना (नि.सं.)।** राज्य में इस वर्ष 25 जुलाई तक धान की रोपनी पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। खरीफ मक्का की बुआई में भी 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब तक 17 लाख हेक्टेयर में धान की रोपनी का कार्य तथा 2 लाख हेक्टेयर में मक्का लगाने का कार्य हो चुका है। कृषि विभाग प्रधान सचिव पंकज कुमार ने शुक्रवार को सभी जिला कृषि पदाधिकारियों के साथ धान रोपनी की समीक्षा की। प्रधान सचिव ने धान और मक्का की रोपनी, वर्षापात की स्थिति, बीज वितरण तथा उर्वरकों की आपूर्ति एवं भंडारण की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि रोपनी कार्य पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। इस पर प्रधान सचिव ने कहा कि राज्य में 1 जून से 25 जुलाई तक औसतन 248.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

## बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा आज प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का आयोजन

**निज संवाददाता | पटना**

पटना में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई और सराहनीय पहल करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा 26 जुलाई को "प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ" अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान राज्यभर में आम लोगों को प्लास्टिक के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और उन्हें वैकल्पिक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का आयोजन राजधानी पटना सहित कई स्थानों पर किया जाएगा, जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संगठनों, विद्यार्थियों, सफाईकर्मियों, दुकानदारों और समाज के अन्य जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों पर सफाई, प्लास्टिक कचरे का संग्रह, लोगों को कपड़े या जूट के थैले उपयोग करने के लिए प्रेरित करने जैसी गतिविधियाँ होंगी। इसके साथ ही स्कूल और कॉलेजों में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि बच्चों में शुरू से ही स्वच्छता और हरित जीवनशैली की समझ विकसित की जा सके। पर्षद की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि इस कार्यक्रम की शुरुआत पर्षद के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में होगी और इसमें नगर निगम, स्थानीय प्रशासन एवं अन्य विभागों की भी भागीदारी रहेगी। इस अभियान के माध्यम से न सिर्फ वातावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने की दिशा में कदम उठाया जाएगा, बल्कि लोगों की आदतों में भी स्थायी बदलाव लाने की कोशिश की जाएगी।

बिहार सरकार और प्रदूषण नियंत्रण पर्षद का यह प्रयास राज्य में स्वच्छ और टिकाऊ पर्यावरण निर्माण की ओर एक मजबूत कदम माना जा रहा है। यह अभियान न केवल पर्यावरण को बचाने का संदेश देगा, बल्कि लोगों के मन में यह भाव भी जागृत करेगा कि वे खुद इस बदलाव का हिस्सा बनें और अपनी जीवनशैली को पर्यावरण अनुकूल बनाएं। अभियान के अंत में जिन प्रतिभागियों और संस्थाओं का योगदान विशेष रहेगा, उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।


BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

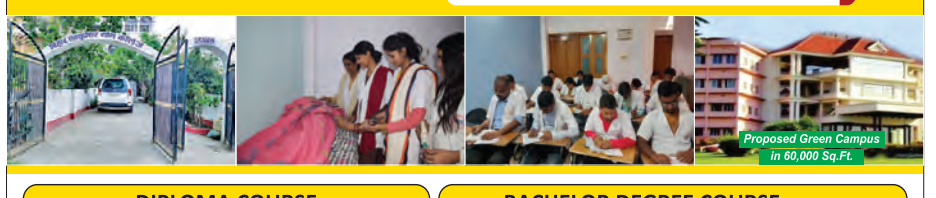




DIPLOMA COURSE: DAT Acupressure Therapy, DY Yoga, DAYS Acupressure Yoga, DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th; DEMS Electrohomeopathy Medicine, DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA Acupressure & Magnet, BTMS Traditional Medicine, BAYS Acupressure Yoga, BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2; BEMS Electrohomeopathy Medicine, MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga), MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट; MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।



डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश, सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

## संक्षिप्त समाचार

### वजीरगंज : रूई व्यवसायी का हुआ निधन, शोक

**वजीरगंज**। वजीरगंज बाजार निवासी 50 वर्षीय रूई व्यवसायी धर्मेंद्र कुमार सेठ का बुधवार देर रात पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके छोटे भाई शिव कुमार सेठ ने बताया कि धर्मेंद्र सेठ पिछले कुछ महीनों से लकवे से पीड़ित थे। इलाज चल रहा था। दो दिन पहले अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उन्हें पटना ले गए। इलाज के दौरान ब्रेन हेमरेज हो गया। बुधवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। धर्मेंद्र सेठ के निधन की खबर मिलते ही वजीरगंज के व्यवसायियों और उनके मित्रों में शोक की लहर दौड़ गई। संवेदना व्यक्त करने वालों में पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह, पूर्व मुखिया शंभूशरण शर्मा, मनोज सेठ, संजीव कुमार, अजय भारती, संटू कुमार, प्रभाकर कुमार, अमित कुमार, केदार प्रसाद कुमुद सहित कई लोग शामिल रहे।

### कट्टे के साथ तीन गिरफ्तार

**वजीरगंज**। वजीरगंज थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं में शामिल गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के आदेश पर एक विशेष टीम बनाई गई थी। टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। बुधवार को जमुआवां रेलवे स्टेशन मोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान दो बाइक पर सवार चार युवक पुलिस को देख भागने लगे। पीछा करने पर दोनों बाइक गिर गईं। एक युवक को पुलिस ने मौके पर पकड़ लिया। उसकी पहचान सिरदला थाना क्षेत्र के रेंगनियां टांड सोनारी निवासी नीरज कुमार के रूप में हुई। वह छोटेलाल मांझी का बेटा है। पूछताछ में नीरज ने चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके दो साथियों को भी पकड़ा। इनमें एक रेंगनियां टांड निवासी अंकित कुमार और दूसरा तुंगीचक, हिसुआ निवासी चंदन चौधरी है। अंकित नाबालिग है, इसलिए उसे विधि निरुद्ध किया गया। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, दो मोबाइल और तीन बाइक बरामद की हैं। गिरोह का सरगना और अन्य सदस्य अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

### फतेहपुर में वर्ल्ड लेवल वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप के गोल्ड मेडल विजेता अजय का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

**फतेहपुर**| वर्ल्ड लेवल वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप में बैंकॉक के प्रतिभागी को हराकर गोल्ड मेडल जीतने वाले फतेहपुर के पुरनीबथान गांव के लाल व इंडियन आर्मी अजय कुमार के फतेहपुर पहुंचने पर गुरुवार को लोगों ने माला पहना कर व बुके देकर उनका भव्य रूप से स्वागत किया। लोगों ने उन्हें अपने कंधे पर उठा लिया और खुशी से नाचने लगे।अजय के गोल्ड मेडल जीतकर गांव आने की खबर पर लोगों ने पुरनीबथान गांव पहुंचने से पहले फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित बजरंगबली मोड़ पर गाजे बाजे के साथ उनके स्वागत खड़े थे। अजय के यहां आते ही लोगों ने उन्हें गोद में उठा लिया। अजय ने यहां पर सबसे पहले हनुमान मंदिर में मत्था टेका। इसके बाद हाथ जोड़कर सभी का आशीर्वाद लिया। फिर लोगों ने उन्हें माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

### शराब के खिलाफ कार्रवाई, दर्जनों भट्टियां की गईं ध्वस्त

**मानपुर**| मानपुर में थानाध्यक्ष सुनील कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत दर्जनों अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त किया गया और भारी मात्रा में महुआ से निर्मित देसी शराब जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस की टीम ने भदेजा ताड़ इलाके में छापेमारी की। इस दौरान जेसीबी मशीन की मदद से करीब एक दर्जन शराब भट्टियों को नष्ट किया गया। वहीं, मौके से 205 लीटर देसी शराब के साथ दो घरेलू गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए। अभियान में अपर थानाध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद सहित कई अन्य पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से इलाके के शराब तस्करों और धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है।थानाध्यक्ष द्विवेदी ने कहा कि शराब माफियाओं के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

### फायरिंग कर रहे दो लोग राइफल के साथ गिरफ्तार

**बिहारशरीफ**| परवलपुर थाना पुलिस ने कतरू बिगहा मुसहरी गांव में कार्रवाई कर फायरिंग कर रहे दो बदमाशों को दो देसी राइफल संग गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाशों में एकंगरसरय थाना क्षेत्र के मोहनपुर निश्चलगंज निवासी स्व. विशेश्वर महतो का पुत्र मुकेश प्रसाद और निश्चलगंज निवासी स्व. बिनेसर सिंह का पुत्र उपेंद्र सिंह है। आरोपियों के पास से दो देसी राइफल, दो कारतूस व 5 खोखा बरामद हुआ। थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि गोलीबारी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस को देख फायरिंग कर रहा बदमाश फरार होने लगा। सुरक्षा बलों ने खदेड़कर दो बदमाशों को दो देसी राइफल व कारतूस संग गिरफ्तार कर लिया।

### अब राजगीर से खुलेगी अजीमाबाद एक्स, आज सांसद दिखाएंगे झंडी

**बिहारशरीफ**। दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी के अनुरोध पर सांसद कौशलेंद्र कुमार शुक्रवार की रात 9 बजे राजगीर स्टेशन से अहमदाबाद जाने वाली अजीमाबाद एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन अहमदाबाद को नालंदा से जोड़ेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से पावापुरी, कुंडलपुर, नालंदा विश्वविद्यालय जैसे स्थलों की यात्रा करने वाले जैन, बौद्ध, सिख, हिंदू और मुस्लिम धर्मावलंबियों को विशेष लाभ होगा। यह ट्रेन नालंदा एवं अहमदाबाद की सभ्यता और संस्कृति के आदान-प्रदान को और सुगम बनाएगी। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि महानगर से सीधा ट्रेन मार्ग जुड़ने और सीधी ट्रेन मिल जाने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा को विश्व मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है।

# गयाजी जिले में अगले 10 घंटे के लिए खतरे की चेतावनी

निज संवाददाता। गयाजी

- झारखंड में बारिश का असर, नदियां उफान पर आने की आशंका, डीएम ने जारी किया अलर्ट

गयाजी में अगले 10 घंटे के लिए चेतावनी जारी की गई है। झारखंड में भारी बारिश के बाद अलर्ट जारी किया गया है। डीएम शशांक शुभंकर ने सभी एसडीओ, बीडीओ और अंचल अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। खास तौर पर बोधगया, सदर, डोभी, बाराचट्टी, शेरघाटी, आमस, टिकारी, मोहड़ा और इमामगंज में अधिकारियों से कहा गया है कि स्थिति पर नजर रखें। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि झारखंड में भारी बारिश के कारण जिले की नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। अगले 10 से 12 घंटे में नदियों के किनारे बसे इलाकों में खतरे की स्थिति बन सकती है। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को नदी किनारे बसे लोगों को अलर्ट करने और अगले 24 से 36 घंटे तक किनारे के क्षेत्रों में न जाने की चेतावनी जारी करने को कहा है। आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का निर्देश दिया गया है।

**लोगों से सतर्क रहने की अपीलः** डीएम ने अधिकारियों को कहा कि संभावित खतरे वाले गांवों में लोगों को सतर्क कर दें। पंचायत स्तर तक इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों तक पहुंचा दी जाए। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सुरक्षित स्थान पर रहें। अगर गांव में पानी घुस जाए तो तुरंत प्रशासन को सूचना दें।

**लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया थाः** बता दें, 15 और 16 जुलाई को जिले की फल्गु, निरंजन, मोरहर, सोरहर समेत कई नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ गया था। शेरघाटी और बोधगया के कई गांवों में पानी घुस गया था। जिसके बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। शेरघाटी के महमदपुर गांव से 25 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था। इस बार प्रशासन ने पहले से तैयारी कर रखी है। ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत राहत पहुंचाई जा सके।

# नालंदा जिले में गोलीबारी में घायल किशोरी की हुई मौत

निज संवाददाता। नालंदा

- नालंदा में 2 पक्षों के बीच हुई थी मारपीट-फायरिंग, बीच में आ गई थी नाबालिग

नालंदा के नगरनौसा थाना क्षेत्र के गोराईपुर गांव में 7 जुलाई की सुबह दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग हुई थी। गोलीबारी में लक्ष्मण प्रसाद की बेटी अंजली कुमारी (17) को बुलेट लगी थी। पावापुरी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान अंजली की मौत हो गई। गोली बाएं जांघ में लगी थी। मारपीट अशोक पासवान और इंदल पासवान के बीच हुई थी। विवाद ज्यादा बढ़ने के बाद फायरिंग भी हो गई। इसी बीच अपने भाई को बुलाने अंजली कुमारी आई और उसे बुलेट लग गई।

**8 पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीः** परिजन ने बताया कि गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के पास अंजली को गोली लगी थी। वह गांव के चौकीदार के पास भाई को बुलाने गई थी। नगरनौसा थाना अध्यक्ष शशि रंजन मिश्रा ने बताया कि गोली लगने से किशोरी घायल हो गई थी। इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द कर दिया गया है। कुल आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

# गयाजी जिले में 26 जुलाई को लोजपा(रा.) की नव संकल्प महासभा

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 26 जुलाई को लोक जनशक्ति पार्टी(रा.) की ओर से नव संकल्प महासभा का आयोजन होगा। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी शामिल होंगे। डेढ़ लाख लोगों के पहुंचने का दावा है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। कार्यकर्ताओं के लिए जर्मन टेंट लगाया जा रहा है। दर्शक दीर्घा के अलावा विशेष गैलेरी भी तैयार की जा रही है। विशेष गैलेरी में पार्टी के शीर्ष नेता बैठेंगे। चिराग पासवान के लिए लंबा चौड़ा मंच तैयार किया जा रहा है। लोजपा (रा.) के प्रदेश प्रवक्ता रंजन सिंह खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। महासभा के आयोजन की तैयारी पर नजर बनाए हैं। दूसरे जनपद से नेताओं का आना शुरू हो गया है। गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद कुमार सिंह समेत कई कार्यकर्ताओं ने मैदान पहुंचकर पंडाल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

**युवाओं से संवाद करेंगे चिराग पासवानः** प्रदेश प्रवक्ता ने रंजन सिंह ने बताया, 'यह महासभा पार्टी की ताकत दिखाने के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का मंच होगा। इसके माध्यम से पार्टी की रणनीति का भी ऐलान होगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 'बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट' के विजन को लोगों के समक्ष रखेंगे। युवाओं से संवाद भी करेंगे। गया और आसपास के जिलों से कार्यकर्ता शामिल होंगे। गांधी मैदान में पंडाल निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं की टीम पानी, लाइट, कुर्सियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी कर रही है। इस महासभा के जरिए लोजपा (रा.) संगठन में नई ऊर्जा लाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की कोशिश करेगी। पार्टी का दावा है कि यह सभा बिहार की राजनीति में नई दिशा देने का काम करेगी।

# राजगीर से अहमदाबाद तक अब सीधी ट्रेन सेवा

निज संवाददाता। नालंदा

- सप्ताह में 2 दिन खुलेगी पटना-अहमदाबाद अजीमाबाद एक्सप्रेस, शेड्यूल जारी

नालंदा जिले के राजगीर से गुजरात के प्रमुख औद्योगिक केंद्र अहमदाबाद तक अब सीधी रेल संपर्क उपलब्ध होगा। रेलवे ने यात्रियों की सुविधाओं के लिए पटना-अहमदाबाद अजीमाबाद एक्सप्रेस के मार्ग का विस्तार राजगीर तक करने की घोषणा की है। गाड़ी संख्या 12948/12947 पटना-अहमदाबाद-पटना अजीमाबाद एक्सप्रेस का परिचालन विस्तार आज से प्रभावी होगा। वर्तमान में यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन पटना और अहमदाबाद के बीच चलती है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने इसकी पुष्टि की है।

**पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा फायदाः** इस नई व्यवस्था से राजगीर, नालंदा और बिहार शरीफ के यात्रियों को कोटा, वडोदरा और अहमदाबाद जैसे प्रमुख शहरों के लिए सीधी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। विशेष रूप से राजगीर और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को इससे काफी लाभ होगा।

**रेलवे ने जारी किया शेड्यूलः** गाड़ी सं. 12948 राजगीर-पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस 25 जुलाई से सप्ताह में दो दिन प्रत्येक शुक्रवार और बुधवार को राजगीर से 21.00 बजे खुलेगी। 21.12 बजे नालंदा, 21.30 बजे बिहार शरीफ, 22.21 बजे बख्तियारपुर, 23.00 बजे पटना साहिब होते हुए 23.35 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। यहां से 23.45 बजे खुलकर अपने निर्धारित ठहराव और समयानुसार तीसरे दिन 03.50 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी । इसी तरह वापसी में गाड़ी सं. 12947 अहमदाबाद-पटना-राजगीर अजीमाबाद एक्सप्रेस 28 जुलाई से अहमदाबाद से सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को 21.50 बजे खुलेगी। निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार रूकते हुए तीसरे दिन बुधवार और शुक्रवार को 04.20 बजे पटना पहुंचेगी। पटना जंक्शन से 04.30 बजे खुलेगी।

### चोरों ने मंगरा गांव में मोटरसाइकिल और मोबाइल सी सी टीवी कैमरा के सामने ले उड़े

**काराकाट** । बाइक चोरी की एक वारदात मंगरा गांव में घटित हुई है। स्व. रंजीत पांडेय के पुत्र धनंजय पांडेय के घर के सामने, अहले सुबह 3 बजे से 3.30 चोरों ने मोटरसाइकिल और मोबाइल चुरा लिया। धनंजय ने बताया कि वे अपनी बाइक राजेश तिवारी पिता स्वर्गीय मनोहर तिवारी के मिल पर कई वर्षों से रात में खड़ा करते आ रहे हैं। लेकिन आज रात, जब सभी लोग सो रहे थे, तब अज्ञात चोरों ने उनकी बाइक चुरा ली। सुबह 3:30 बजे, इस घटना को सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ हैं। धनंजय ने यह भी कहा कि राजेश तिवारी के पुत्र प्रेम कुमार उर्फ गोलू भी सोए हुए थे, और इस दौरान उनका मोबाइल भी चोरों ने ले भागा। इसके लिए धनंजय ने काराकाट पुलिस को एक लिखित आवेदन दिया है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, और प्राथमिकता से मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच कर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। चोर को न सी सी टीवी कैमरा का भय है न ग्रामीण एवं पुलिस का , लोग इस घटना से आशंकित और डरे हुए हैं।थाना प्रभारी ने कहा कि कोई भी घटना को हम चुनौती समझते है जल्द ही अपराधी पुलिस के गिरफ्त में आयेंगे ।

### भू-अर्जन कार्य प्रगति की डीएम ने की समीक्षा

**बिहारशरीफ**| जिले में चल रहे भू-अर्जन कार्यों की प्रगति को लेकर डीएम कुंदन कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क सड़क योजना के तहत एकंगरसराय अंचल के अमनार पंचायत के मोजाहिदपुर रेलवे लाइन से पॉली तक पथ निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।

**श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों के आवागमन का विस्तार**

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, निम्नलिखित श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों का आवागमन, उनके मौजूदा गठन, ठहराव, समयसूची और आवागमन के दिनों के अनुसार उनके लिए उल्लिखित तिथियों को 02 और ट्रिप के लिए जारी रहेगा: (1) 05597 जयनगर-आसनसोल त्रैसाप्ताहिक स्पेशलः दिनांक 10.08.2025 और 12.08.2025 (2) 05598 आसनसोल-जयनगर त्रैसाप्ताहिक स्पेशलः दिनांक 11.08.2025 और 13.08.2025 (3) 05545 रक्सौल-देवघर त्रैसाप्ताहिक स्पेशलः दिनांक 10.08.2025 और 12.08.2025 (4) 05546 देवघर-रक्सौल त्रैसाप्ताहिक स्पेशलः दिनांक 10.08.2025 और 12.08.2025 (5) 03654 गया-मधुपुर स्पेशलः दिनांक 10.08.2025 और 11.08.2025 (6) 03653 मधुपुर-गया स्पेशलः दिनांक 11.08.2025 और 12.08.2025 (7) 03268 पटना-मधुपुर स्पेशलः दिनांक 10.08.2025 और 11.08.2025 (8) 03267 मधुपुर-पटना स्पेशलः दिनांक 11.08.2025 और 12.08.2025, अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**दानापुर और भागलपुर के बीच श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन**

श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 03234/03233 **दानापुर – भागलपुर – दानापुर स्पेशल ट्रेन** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, आवागमन की तिथियों, ठहराव और गठन के अनुसार चलेगी: –

| दानापुर – भागलपुर स्पेशल | | | (03234) (03233) | भागलपुर – दानापुर स्पेशल | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| दिन | आ. | प्र. | स्टेशन | आ. | प्र. | दिन |
| | – | 15.30 | ↓ दानापुर | 07.50 | – | |
| शुक्र, | 15.50 | 16.00 | पटना | 06.55 | 07.05 | शनि, |
| शनि, | 19.40 | 19.42 | अभयपुर | 02.40 | 02.50 | रवि, |
| रवि | 20.05 | 20.10 | जमालपुर | 02.10 | 02.15 | सोम |
| | 20.45 | 20.50 | सुलतानगंज | 01.30 | 01.35 | |
| | 22.00 | – | भागलपुर ↑ | – | 01.00 | |

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में राजेंद्र नगर टर्मिनल, पटना साहिब, फतुहा, हरदास बीघा, खुसरोपुर, करौटा, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा, हाथीदा, बड़हिया, मनकठा, लक्खीसराय और किऊल स्टेशनों पर भी रुकेंगी। **आवागमन की तिथियाँ : दानापुर से :** 03234 दिनांक 25/07, 26/07 और 27/07/2025 (शुक्रवार, शनिवार और रविवार) को = 03 ट्रिप एवं **भागलपुर से :** 03233 दिनांक 26/07, 27/07 और 28/07/2025 (शनिवार, रविवार और सोमवार) को = 03 ट्रिप। **गठन:** शयनयान श्रेणी – 04, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) – 12 और एसएलआरडी – 02 = 18 कोच। **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

# ईएसआईसी की नई बीमा प्रोत्साहन योजना पर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स में हुआ सेमिनार, नियोक्ताओं को पंजीकरण का सुनहरा अवसर

निज संवाददाता। पटना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के क्षेत्रीय कार्यालय, बिहार द्वारा हाल ही में शुरू की गई "बीमा पात्रता अभियान 2025" योजना की जानकारी को लेकर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन ईएसआईसी के बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें बिहार के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, प्रतिष्ठानों और बड़े नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य ईएसआईसी द्वारा शुरू की गई नई योजना की विस्तार से जानकारी देना था, जिसके तहत 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक सभी योग्य नियोक्ताओं और उनके कर्मचारियों को बिना किसी पिछली बकाया राशि या जांच के पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है। यानी, यदि कोई फैक्ट्री या प्रतिष्ठान अब तक ईएसआईसी के तहत पंजीकृत नहीं है और उसके पास 10 या उससे अधिक कर्मचारी हैं, तो वह अब इस विशेष योजना के तहत पिछली अवधि की जिम्मेदारी से मुक्त होकर आसानी से पंजीकरण करा सकता है। बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से छोटे और मध्यम वर्ग के निजी प्रतिष्ठानों के लिए फायदेमंद है, जैसे दुकानें, होटल, रेस्तरां, सिनेमा हॉल, सड़क परिवहन प्रतिष्ठान, समाचार पत्र कार्यालय, निजी अस्पताल, निजी शिक्षण संस्थान, और नगर निगमों के संविदा या अस्थायी कर्मचारी। यह अभियान पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाकर नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास है। सेमिनार में आए प्रतिनिधियों को योजना के सभी लाभों की जानकारी दी गई और यह बताया गया कि पंजीकरण के बाद कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा, नकद लाभ, मातृत्व लाभ, दुर्घटना और मृत्यु बीमा जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। यह योजना राज्य के सभी पात्र प्रतिष्ठानों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसमें वे बिना डर और देरी के अपने संस्थान और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के तहत ला सकते हैं। ईएसआईसी ने सभी नियोक्ताओं से इस योजना का लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने ईएसआईसी के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे एक सकारात्मक और प्रगतिशील कदम बताया, जिससे श्रमिकों की स्थिति सुदृढ़ होगी और उनका भविष्य सुरक्षित होगा।

**पूर्व मध्य रेल**

**खुली ई–निविदा सूचना**

**ई–निविदा संख्याः 24–25–13–एचआरटी–एबीएस–एलएचबी–3, दिनांकः 23.07.2025**

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

**1. कार्य का नाम एवं स्थानः** कैरेज रिपेयर वर्कशॉप/हरनौत में एलएचबी एयर ब्रेक सिस्टम पाइप लाइनों और फिटिंग्स का कनेक्शन, डिसकनेक्शन और संबंधित गतिविधियों के लिए निविदा।, **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशिः** रू. 2,02,57,140.64 (रू दो करोड़ दो लाख संतावन हजार एक सौ चालीस एवं चौसठ पैसे मात्र), **3. निविदा प्रपत्र की राशिः** शून्य।, **4. अग्रधन की राशिः** रू. 2,51,300.00 (रू. दो लाख इकावन हजार तीन सौ मात्र), **5. निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** निविदा ऑन लाइन **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओं द्वारा निर्धारित तिथि **13.08.2025** को 12:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 12:15 बजे निविदा खोली जायेगी।, **6. वेवसाईट का विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण इत्यादि देखा जा सकता है ।:** निविदा सूचना पात्रता मान दंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस के वेबसाइट CRIS website: **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है, एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिये मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत, नालंदा, बिहार–803110 के नोटिस बोर्ड में देखें। यदि जरूरी हुआ तो शुद्धि–पत्र वेबसाईट पर अपलोड होगा।

**उप मुख्य यांत्रिक अभियंता–।**
**सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत**

पीआर/0651/सीआरडब्लू–एचआरटी/एमईसीएच/टी/25–26/48

**बिहार सरकार**

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
**सिंचाई प्रमण्डल, दाउदनगर**

पत्रांक–1488 Email ID-irrigationdivision.daudnagar@gmail.com

**भाड़े पर वाहन रखने हेतु अति–अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं०–03 / 2025–26**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण वाहन मालिक को सूचित किया जाता है कि कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल दाउदनगर अंतर्गत अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सिंचाई अवर प्रमण्डल दाउदनगर, खरौंटी एवं अगनूर हेतु विभिन्न कार्यो के सम्पादन, योजनाओं एवं नहरों का निरीक्षण एवं उच्चधिकारियों के बैठक में भाग लेने इत्यादि कार्यो हेतु 03 अदद् वाहन यथा बोलेरो (सामान्य) निम्नांकित शर्तो के अधीन इच्छुक वाहन मालिक / फर्म से मुहरबंद दर कोटेशन आमंत्रित किया जाता है।

वाहनों की विवरणी :–

| क्र० सं० | कार्यालय का नाम | अदद् | अवधि | दर प्रतिमाह |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सिंचाई अवर प्रमण्डल खरौंटी। | 01 | अगस्त 2025 से मार्च 2026 तक | 17400.00 |
| 2. | अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सिंचाई अवर प्रमण्डल दाउदनगर एवं अगनूर। | 01 | अगस्त 2025 से मार्च 2026 तक | 17400.00 |
| 3. | अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सिंचाई अवर प्रमण्डल अगनूर। | 01 | अगस्त 2025 से अक्टूबर 2025 एवं 20 दिसम्बर 2025 से मार्च 2026 तक | 17400.00 |

1. कोटेशन आमंत्रित सूचना निर्गत करने की तिथि :–दिनांक 24.07.2025
2. कोटेशन जमा करने की तिथि :–दिनांक 01.08.2025 3:00 बजे अपराह्न तक।
3. कोटेशन जमा करने का स्थान :–सिंचाई प्रमण्डल दाउदनगर।
4. कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय :–दिनांक 01.08.2025 को अपराह्न 3:30 बजे
5. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमण्डल दाउदनगर।

(ई० राजीव रंजन)
कार्यपालक अभियन्ता,
सिंचाई प्रमंडल, दाउदनगर
मो0– 07463889729

PR. No. 009664 (WRD) 2025-26

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

## संक्षिप्त समाचार

### पुलिस ने पूर्व कांड के दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

**काराकाट** । कछवां थाना कांड संख्या 65/25 के आलोक में सुसंगत धारा 126(2)/115(2)/109/351(2)/352/3(5) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त लव यादव व कुश यादव पिता अजय सिंह ग्राम तुलसी टोला को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने दी । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

### एससी-एसटी एक्ट के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार,भेजा जेल

**दिनारा । रोहतास** : दिनारा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एससी-एसटी एक्ट के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जिगना निवासी टेंगरी सिंह के पुत्र सुरेंद्र सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में 195/25 के आलोक में एससी-एसटी एक्ट का मामला दर्ज था ।

### चाकू बाजी मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार,गया जेल

**संझौली** । रोहतास : संझौली पुलिस ने चाकू बाजी करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत चरपुरवा निवासी हंस कुमार चौधरी के पुत्र अरविंद चौधरी को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 140/25 के तहत विभिन्न धाराओं में चाकू बाजी करने का मामला दर्ज था । उन्होंने बताया कि अरविंद चौधरी अपने चाचा एवं चचेरे भाई पर चाकू से हमला किया था । उसी मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

### तेजाब हत्याकांड में लम्बे दिनों से फरार आरोपी गिरफ्तार

**करगहर**- (रोहतास) करगहर गांव में तेजाब हत्याकांड मामले में विगत दो वर्षों से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । यह छापामारी बुधवार की देर रात उस समय की गई जब आरोपी अपने घर आया था । इस आशय की जानकारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने दी । उन्होंने बताया कि स्थानीय गांव के महादलित टोला निवासी दिनेश राम के ऊपर तेजाब फेंक कर हत्या कर दी गई थी । इस मामले के आरोपी करगहर निवासी जितेंद्र चौधरी विगत दो वर्षों से फरार था । जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी । एक गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया । जिसे न्यायालय भेजने की कार्रवाई की जा रही है ।

### दो वारंटी गए जेल

**दिनारा । रोहतास** : दिनारा एवं नटवार पुलिस ने अलग-अलग गांव से दो वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खलिसापुर निवासी अशोक उर्फ भीम सिंह को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । वहीं दूसरी ओर नटवार पुलिस ने भी थाना क्षेत्र अंतर्गत नटवार निवासी महेंद्र राम को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने दी । दोनों थाना के थानाध्यक्षों ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

### पुलिस ने चोरी के बाइक साथ लूट गिरोह का किया पर्दाफाश,दो गिरफ्तार

**नासरीगंज / रोहतास** : नासरीगंज थाना कांड संख्या 274/25 के आलोक में पुलिस ने चोरी के मोटरसाईकिल साथ लूट गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो अपराधकर्मी को किया गिरफ्तार । पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि 23 जुलाई की रात्रि में नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में थाना क्षेत्र अंतर्गत दाउदनगर मोड के समीप वाहन चेकिंग की जा रही थी । इसी क्रम में रात्रि के करीब 01: 30 बजे एक मोटरसाईकिल पर सवार दो व्यक्ति दाउदनगर की ओर से आ रहे थे । जो पुलिस चेकिंग को देखकर चेकिंग स्थल से पहले ही मोटरसाईकिल घुमाकर भागने का प्रयास करने लगे । जिसे पुलिस बल के द्वारा पीछा करते हुए पकड़कर अभिरक्षा में लिया गया । अभिरक्षा में लिए गए व्यक्ति रोहित राज पिता सत्येन्द्र सिंह ग्राम कसेर थाना भगवानपुर जिला भभुआ एवं प्रेम कुमार पिता रामजी पासवान ग्राम लाला अतिमी थाना नासरीगंज से पुलिस चेकिंग को देखकर भागने का कारण एवं उनके मोटरसाईकिल के कागजात की मांग की गई । तो उनके द्वारा बताया गया कि ये लोग राहगीरों से मोटरसाईकिल लूट तथा सार्वजनिक स्थानों से मोटरसाईकिल की चोरी करते है । अभिरक्षा में लिए गए व्यक्तियों ने पूछताछ में खुलासा करते हुए बताया कि उनके पास से बरामद की गई एच०आर०डिलक्स मोटरसाईकिल इनलोगों के द्वारा 22 जुलाई को भभुआ के अधौरा थाना क्षेत्र से लूटी गई थी । उन्होंने कहा कि थानाध्यक्ष नासरीगंज के द्वारा अभिरक्षा में लिए गए रोहित राज एवं प्रेम कुमार से गहनता से पूछताछ की गई । तो उनके निशानदेही पर सोन नदी के किनारे छिपाकर रखा हुआ 03 जुलाई को नासरीगंज थाना क्षेत्र के लाला अतिमी से चोरी गए पल्सर मोटरसाईकिल सहित चोरी के तीन अन्य मोटरसाईकिल बरामद की गई । कहा कि अभिरक्षा में लिए गए व्यक्तियों के गिरोह के अन्य सदस्यों को चिन्हित किया गया है । जिनमें से दो व्यक्ति रवि कुमार उर्फ रविशंकर कुमार एवं सोहित कुमार को थानाध्यक्ष काराकाट के द्वारा गिरफ्तार किया गया है । उन्होंने कहा कि मामले में पांच बाइक बरामद किया गया है ।

### काराकाट पुलिस ने चोरी के सामान, अवैध आग्नेयास्त्र व कारतूस के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

**काराकाट**। पुलिस ने काराकाट थाना कांड संख्या 385/25 के आलोक में चोरी के सामान,अवैध आग्नेयास्त्र व कारतुस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया । पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि 24 जुलाई को समय करीब 12 : 45 बजे काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार को आसूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के ग्राम सिकरिया में काली मंदिर के पास तीन अपराधकर्मी बैठकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है । थानाध्यक्ष काराकाट के द्वारा प्राप्त आसूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के ग्राम सिकरिया काली मंदिर के पास छापेमारी की गई । जहां से सोहित कुमार पिता संतोष चौधरी एवं रवि कुमार उर्फ रविशंकर कुमार पिता वंशी साव दोनों ग्राम सिकरिया को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । जबकि तीसरा व्यक्ति चन्दन कुमार पुलिस को देखकर वहां से फरार हो गए । उन्होंने कहा कि पुलिस अभिरक्षा में लिए गए सोहित कुमार एवं रवि कुमार से पूछताछ की गई । जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि ये लोग घरों तथा सार्वजनिक स्थानों से मोटरसाईकिल की चोरी करते हैं । जिसमें इनके अलावा इनके एक अन्य दोस्त चन्दन कुमार पिता बिहारी सिंह ग्राम लाला अतमी थाना नासरीगंज भी शामिल हैं । कहा कि थानाध्यक्ष काराकाट के द्वारा अभिरक्षा में लिए गए सोहित कुमार एवं रवि कुमार के बताए अनुसार सोहित कुमार के घर से एक लोडेड देशी कट्टा एवं दो जिन्दा कारतुस तथा चन्दन कुमार पिता बिहारी सिंह ग्राम लाला अतमी नासरीगंज के घर से तीन चोरी का बड़ा बैटरी,तीन एण्ड्रॉयड मोबइल फोन तथा दो किपैड मोबाइल फोन बरामद की गई । उन्होंने कहा कि चन्दन कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है । इस कांड में गिरफ्तार दोनों लोगों से उनके अन्य किए गए अपराधों के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है ।तथा उनके द्वारा बताए गए तथ्यों का तकनीकी विश्लेषण कर अन्य कांडों में इनलोगों की संलिप्तता के संबंध में जांच की जा रही है ।

# डीएम रोहतास द्वारा जिला जनता दरबार का डीआरडीए सभाकक्ष में किया गया आयोजन

**» जनता दरबार में डीएम ने 80 लोगों से किया लोक साक्षात्कार**

निज संवाददाता।

**सासाराम**। आज दिनांक 25.07.2025 को जिला पदाधिकारी, रोहतास द्वारा जिला जनता दरबार डी०आर०डी०ए०, रोहतास के सभा कक्ष में आयोजन किया गया। अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला विकास पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकरी, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा, निदेशक डी०आर०डी०ए०, विशेष कार्य पदाधिकारी रोहतास एवं प्रभारी पदाधिकारी लोक शिकायत अनुश्रवण कोषांग-सह-महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में लगभग कुल-80 (अस्सी) व्यक्ति उपस्थित हुये, जिन्हें विषयवार / विभागवार यथा- राजस्व, विकास एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं / शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला पदाधिकारी, रोहतास के द्वारा जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुये उनके फरिवादों / समस्याओं को सुना गया तथा उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया। लोक साक्षात्कार के समय ही शिकायत एवं समस्याओं के समीक्षोपरान्त ऐसे आवेदन पत्रों को जिसमें लोक शिकायत निवारण अधिनियम (PGRO) के तहत

सुनवाई के योग्य थे, वैसे आवेदकों के शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई करते हुये नियमानुसार त्वरित निष्पादन करने का निदेश के साथ संबधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों यथा- सासाराम, बिक्रमगंज एवं डिहरी को जनता दरबार में ही हस्तगत करा दिया गया। सभी प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन कराये जाने हेतु ऑन लाईन कराया गया तथा संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के द्वारा पंजीयन की कार्रवाई भी प्रारम्भ करा दिया गया, ताकि आवेदनकर्ताओं के द्वारा अपने आवेदन पत्रों पर किये गये कार्रवाईयों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया जा सके। इसके अतिरिक्त कुछ आवेदकों के आवेदन पत्रों यथा- महेन्द्र पांडेय, पिता- स्व० विश्वनाथ पांडेय, ग्राम-पो०- सोहगी, प्रखंड - नासरीगंज के द्वारा ग्राम-गोड़ारी, अंचल - काराकाट में प्राप्त भूमि का दाखिल खारिज कराने के संबंध में आवेदन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु अंचलाधिकारी, काराकाट को निर्देशित किया गया। आवेदक मुसाफिर राम, ग्राम - आकाशी, थाना-सासाराम, प्रखंड - सासाराम के द्वारा मौरूसी खतियानी भूमि से बेदखल करने के संबंध में उत्पन्न विवाद के संबंध में आवेदन दिया गया जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सासाराम को अग्रसारित किया गया। आवेदक धिरजा राम, पिता स्व० सीराती राम, ग्राम-ठोरसन, पो०- तोरनी लेहरा के द्वारा मार-पीट करने के संबंध में आवेदन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु एस०डी०पी०ओ० परसथुआ को भेजा गया। इसी प्रकार आवेदिका - लक्ष्मीना देवी, पता - सुभाष नगर, डिहरी ऑन सोन, के द्वारा पति के मृत्युपरांत जीवनयापन के संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ जिसे निदेशक डी०आर०डी०ए० अग्रसारित किया गया। आवेदक नन्द किशोर प्रसाद, ग्राम - लेहरा, प्रखंड - करगहर के द्वारा प्रा० वि० लेहरा, पंचायत-रीवां, करगहर, रोहतास में उत्पन्न रास्ता विवाद के सुलझाने हेतु आवेदन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी, रोहतास को अग्रसारित कर दिया गया। इसी प्रकार प्राप्त शेष सभी आवेदन पत्रों को संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यालयों को भेज दिया गया।

## जनसुराज ने करगहर में शुरू की 'परिवार लाभ कार्ड मुहिम

निज संवाददाता।

**करगहर(रोहतास)** जनसुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार के गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में करगहर प्रखंड में 'परिवार लाभ कार्ड को लेकर जनसुराज की ओर से दो जगहों पर कैनोपी कैंप लगाए गए हैं, जहां स्थानीय लोगों को कार्ड की जानकारी दी जा रही है और उन्हें कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पहला कैनोपी कैंप करगहर के वार्ड न०12 में लगाया गया है, जबकि दूसरा कैम्प वार्ड न०13 लगाया गया।। इन कैम्पों में जनसुराज के पांच प्रमुख एजेंडों के तहत लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके वास्तविक लाभ तक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा

रहा है। जनसुराज की टीम कैंप की मॉनिटरिंग खुद कर रही है। इस दौरान स्थानीय पंचायत अध्यक्ष अखिलेश पांडेय, पंचायत युवा अध्यक्ष संतोष सिंह और अन्य वालंटियर देववंश राम,कैनोपी कैंप का संचालन कर रहे हैं। ये वॉलंटियर लोगों को फार्म भरवाने, दस्तावेज समझाने और योजना की जानकारी देने में मदद कर रहे हैं। मौके पर जनसुराज के प्रखंड अध्यक्ष समेत कई जनसुराज कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि परिवार लाभ कार्ड के माध्यम से योजनाओं का सीधा लाभ उन परिवारों को दिया जाएगा जिनके पास यह कार्ड होगा। जनसुराज के कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह मुहिम सिर्फ एक कार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक को उसकी हकदारी से जोड़ने की एक मजबूत कड़ी है।

## सभी अंचल अधिकारियों को जिला पदाधिकारी, रोहतास महोदया का सख्त निर्देश, निर्धारित कार्यदिवस पर कार्यालय से अनुपस्थित रहने पर उक्त तिथि का वेतन स्थगित किया जायेगा

निज संवाददाता।

**सासाराम (रोहतास)** दो दिन पूर्व दिनांक 23.07.2025 को जिला पदाधिकारी महोदया, रोहतास द्वारा जिले के सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि सप्ताह में सोमवार, बुधवार एवं गुरुवार को अपने कार्यालय में 10.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी राजस्व कर्मचारी एवं कर्मी भी उपस्थित हो। जिसके आलोक में आज दिनांक 25.07.2025 को जिला पदाधिकारी महोदया ने आदेश दिया है कि उक्त अवधि में अंचल अधिकारी कार्यालय में उपस्थित रहते है या नहीं इसका ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्रभारी पदाधिकारी, जिला राजस्व शाखा, रोहतास द्वारा किया जायेगा। यदि कोई अंचल अधिकारी उक्त निर्धारित कार्यदिवस पर कार्यालय में अनुपस्थित रहते है तो उनका उक्त तिथि का वेतन स्थगित कर दिया जायेगा। इस संबंध में अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास को आवश्यक निर्देश दिए गए है।

## ट्रेन के गेट पर लटका चोर, बोला- पास आए तो पैर पकड़कर कूद जाऊंगा

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में एक यात्री का मोबाइल चोरी करने के बाद चोर ट्रेन के गेट पर लटक गया। जैसे ही लोग उसके पास पहुंचे वो धमकी देने लगा। उसने कहा- कोई भी मेरे पास आया तो उसका पैर पकड़कर कूद जाऊंगा। लोग डर गए। उसे ऊपर आने के लिए बोलने लगे। इसका 2 मिनट 23 सेकेंड का एक वीडियो भी सामने आया है। ट्रेन में मौजूद किसी यात्री ने ही इस वीडियो को शूट किया है। पूरे ढाई मिनट तक यात्री चोर से ऊपर आने के लिए कहते हैं, लेकिन वो गेट पर लटका रहता है। इस दौरान ट्रेन की स्पीड भी ज्यादा थी। जैसे ही ट्रेन की स्पीड थोड़ी कम हुई वो झाड़ियों में कूद गया। वीडियो में दिख रहा है कि चोर गेट से लटका है और लोग उसे गाली दे रहे हैं। वहीं कुछ यात्री उसे ऊपर आने के लिए बोल रहे हैं। फिर उसे एक यात्री बेल्ट से मारने की कोशिश करने लगता है। इसके बाद वो सीढ़ी पकड़कर नीचे लटक जाता है। वह बोलता है कि पास आइएगा तो पैर पकड़कर लटक जाएंगे।

## कशिश जलप्रपात में सैलानियों के लिए बना आकृषण का केंद्र

निज संवाददाता।

**रोहतास**। संवाददाता कैमूर पहाड़ी से निकलने वालो पहाड़ी जलप्रपात बरसात के दिनों में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।सैकड़ों की संख्या सैलानी कैमूर की मनोरम वादियों का लुप्त उठाने के अपने परिजनों के साथ पहुंच कर।ख़ूबसूरत एवं मनमोहक वादियों देखने के पहुंच रहे है।कशिश जलप्रपात कैमूर पहाड़ी से निकलने वाले प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है।कशिश जलप्रपात हमेशा से प्राकृतिक प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करती है।जलप्रपात से निकलने वाली पानी की मधुर संगीत एक अलग अहसास कराती है।इस जलप्रपात के आसपास घने जंगल

सैलानियों बड़ी संख्या में वन भोज के लिए आते है।बताते चले कि कैमूर पहाड़ी जंगलों से होकर गिरने वाली कशिश जलप्रपात में लोगों की एक ऐसी मान्यता है कि इस झरने ने स्नान करने से चर्म रोग से मुक्ति मिलती है।गौरतलब है कैमूर के जंगलों में बड़ी संख्या में औषधीय पौधे पाए जाते है जिसने कई तरह के रोगों का उपचार होता है।बरसात के दिनों में डेहरी,सासाराम,औरंगाबाद,गया जी ,कैमूर,आरा,पटना सहित अन्य स्थानों के भी सैलानी पहुंचते है।आपको बताते चले कि कशिश जलप्रपात कैमूर पहाड़ी के तेलकप मोड़ के समीप कैमूर की वादियां में स्थित है ।इस जलप्रपात तक डेहरी के रामरानी मोड से रोहतास की ओर 30 किलोमीटर तक सफर तय कर तेलकप मोड़ से 3 किलोमीटर का सफर तय कर दो पहिया एवं चार पहिया वाहन से पहुंच सकते है।यह झरना राजधानी पटना से 170 एवं सासाराम मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर पर स्थित है।इस जलप्रपात को राजकीय जलप्रपातों में सुमार होने के बावजूद किसी भी तरह की मूलभूत सुविधा का अभाव है।

## सावन का झूला परंपरा,प्रकृति और प्रेम का अनुपम संगम : पंडित लालबाबु दुबे

निज संवाददाता।

**बिक्रमगंज । रोहतास** : नगर के वार्ड संख्या 21 धारुपुर निवासी पंडित लालबाबु दुबे ने सावन माह में झूला झूलने की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परंपरा केवल मनोरंजन या समय बिताने का माध्यम नहीं है,बल्कि हमारे सांस्कृतिक जीवन का जीवंत प्रतीक है । पंडित दुबे बताते हैं कि सावन के महीने में धरती हरियाली से आच्छादित हो जाती है,वातावरण सुगंधित और ठंडा हो जाता है । ऐसे में पेड़ों पर पड़ने वाले झूले प्रकृति के साथ मानवीय आत्मा के गहरे जुड़ाव का प्रतीक बन जाते हैं । यह परंपरा हमारे पूर्वजों द्वारा शुरू की गई थी, जिसमें महिलाएं और युवतियां झूला झूलते हुए लोकगीत गाकर अपने सुख-दुख साझा करती थीं । इससे न केवल आनंद की अनुभूति होती थी, बल्कि आपसी प्रेम और सामाजिक एकता भी मजबूत होती थी । श्री दुबे के अनुसार सावन का महीना शिव-पार्वती के पुनर्मिलन का पर्व भी है । झूला झूलना उसी प्रेम,मिलन और उल्लास का प्रतीक माना जाता है । यह परंपरा हमें बताती है कि जीवन में खुशियां छोटी-छोटी बातों में भी छुपी होती हैं और प्रकृति के साथ घुल- मिलकर जीना ही सच्चा सुख है ।उन्होंने आगे कहा कि आज भले ही जीवन की भागदौड़ बढ़ गई हो, लेकिन गांव और कस्बों में यह परंपरा आज भी जीवित है ।

## बसपा ने SIR विवाद पर चुनाव आयोग को दी नसीहत, कैग के रिपोर्ट के हवाले से भी बोला हमला, कहा – 70 हजार करोड़ निगल गई सरकार

निज संवाददाता।

पटना में आयोजित बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की एकदिवसीय कार्यसमिति बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी ताकत से उतरने की घोषणा की। बैठक में राज्यसभा सांसद सह राष्ट्रीय समन्वयक ई. रामजी गौतम, केंद्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार और अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ राजनीतिक और चुनावी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में SIR (State Electoral Roll) विवाद को लेकर पार्टी नेताओं ने गंभीर चिंता जताई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेशनल कॉर्डिनेटर सह राज्यसभा सांसद ई रामजी गौतम ने चुनाव आयोग से मांग की कि मतदाता सूची के साथ उन लोगों की सूची भी प्रकाशित की जाए, जिनके नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य से बाहर काम करने वाले करोड़ों प्रवासी मजदूरों के नाम कट रहे हैं, यह लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। बहन मायावती ने भी इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। केंद्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने बिहार की मौजूदा सरकार को "बैसाखी की सरकार" बताते हुए जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस विधानसभा में राज्य की नीतियों पर चर्चा होनी चाहिए, वहां व्यक्तिगत झगड़ों और दिखावटी भाषणों का मंच बन गया है। जनता को गुमराह किया जा रहा है, मगर इस बार जनता ईवीएम के जरिए करारा जवाब देगी। बसपा नेताओं ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 70 हजार करोड़ रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं। अगर यह राशि विकास में लगाई जाती तो बिहार की तस्वीर कुछ और होती। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को चल कौन रहा है, यह किसी को नहीं पता, और व्यवस्था की विफलता की कीमत आम जनता चुका रही है।

## कृषकों ने कृषि मजदूरी निर्धारण के लिए किया बैठक

निज संवाददाता।

**नौहट्टा/** रोहतास प्रखंड क्षेत्र के दारानगर और बेलौंजा गांव के किसानों ने बैठक कर कृषि मजदूरी डर का निर्धारण किया है। बताया गया कि प्रखंड क्षेत्र में बड़े पैमाने पर धान के रोपनी की जा रही है जिसमें कृषि मजदूर की भारी कमी देखने को मिल रही है वहीं अगले वर्ष के अपेक्षा मजदूर मनमानी तरीके से किसी मजदूरी कर रहे हैं जिसको लेकर किसानों ने बुधवार की शाम ननकू चौधरी के बोरिंग पर बैठक कर कृषि मजदूरी तय किया सभी किसानों ने सर्व सहमति से यह निर्णय लिया कि अगले वर्ष भी कृषि मजदूर का रेट बड़ा था और इस बड़ी रेट के कारण किसानों को काफी मजदूरी भार बड़ा था। इस वर्ष रोपनी की मजदूरी 225 दिया जाएगा जबकि अगले वर्ष 200 रुपया प्रति दिन था वही कबरिया 400,, बोझ धोवा 450, कुदाल चलाने वाले को (उन्वाही) 450 सभी रुखा रूखी निर्धारित किया गया

**धान रोपनी मजदूरी दर किसानों ने किया तय**

है। किसान नेपाल प्रजापति ने बताया की बटाई पर खेती करता हूं लेकिन जितना पैदा हो रहा है लगभग उतना कटाई, रोपाई, जुताई,खाद, बीज आदि में खर्च हो जा रहा है। मजदूरी बढ़ोतरी से बटाईदारों को खेती से 1 का भी फायदा नजर नहीं आ रहा है। वही किसानों ने यह भी तय किया की 2027 तक यही मजदूरी दर निर्धारित रहेगा किसी तरह बढ़ोतरी नहीं होगी। मौके पर बैजू मेहता, पंकज चौधरी, नेपाल प्रजापति, लाखदेव बैठा, अभय यादव, नेपाल प्रजापति, नन्हकू चौधरी, अशोक यादव, दीपक चौधरी, बबन मेहता, सुधीर मेहता रामेश्वर चौधरी, शैलेन्द्र मेहता, बबलू पाठक सहित कई किसान मौजूद।

# भागलपुर में लगातार बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर, ममलखा गांव में कटाव

## गंगा में समाए कई घर, ग्रामीणों ने दी वोट बहिष्कार की चेतावनी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सबौर ब्लॉक में गंगा का जलस्तर बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। ममलखा गांव में कटाव जारी है। तेज धारा के कारण गांव के कई घर गंगा में समा चुके हैं। कटाव रोकने के लिए प्रशासन की ओर से कोई स्थायी कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीण सलीया देवी का आरोप है कि हर साल की तरह इस बार भी सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। अगर समय रहते गांव को बचाने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो विधानसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे। साल 2022 और 2023 में भी इसी जगह पर तेज कटाव हुआ था। इसके बाद भी सिंचाई विभाग की ओर से कोई बड़ा काम नहीं कराया गया। बीजेपी नेता दिलीप मिश्रा शुक्रवार को ममलखा पहुंचकर कटाव प्रभावित इलाके का जायजा लिया। मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर अनवर जमील से कार्य में तेजी लाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अगर अभी भी लापरवाही हुई तो गांव का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। डिप्टी सीएम से समस्या के समाधन के लिए गुहार लगाई है।

**हर साल आश्वासन मिलता है, होता कुछ नहीं हैः** कटाव स्थल पर मौजूद इंजीनियर अनवर जमील ने बताया कि गंगा में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। फिर भी विभाग के कर्मचारी दिन-रात प्रयास कर रहे हैं। गांव को किसी तरह बचाया जा सके।

हालांकि, इंजीनियर की बातों से ग्रामीण संतुष्ट नहीं दिखे। उनका कहना है कि हर बार बाढ़ के बाद अधिकारी आते हैं। निरीक्षण करते हैं, आश्वासन देकर चले जाते हैं। ममलखा समेत सबौर के कई गांव गंगा किनारे बसे हैं। हर साल कटाव की चपेट में आते हैं। संगीता देवी और बीनिता देवी ने बताया कि पिछले पांच साल में दर्जनों घर गंगा में समा चुके हैं। सरकार और विभाग की ओर से कोई दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई गई है। इस बार भी जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा, तब मिट्टी से भरी बोरियां नदी में फेंकी जा रही हैं।

### लघु उद्योग भारती उद्यमिता सम्मान से सम्मानित हुए युवा उद्यमी राहुल कुमार झा

**सहरसा।** लघु उद्योग भारती बिहार द्वारा उद्यमिता सम्मान समारोह सह उद्यमी सम्मेलन पटना स्थित बाबू जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीती शोध पटना मे आयोजित किया गया।इस समारोह में पुरे बिहार के विभिन्न जिले से एक एक उद्यमी का चयन किया गया। जिसमे सहरसा जिला मे फोक्सी इंडस्ट्रिज जो मसाला के कार्य मे काम कर रहे है का चयन किया गया था। इस कार्यक्रम में फोक्सी के राहुल झा को सम्मान हेतु आमंत्रित किया गया था, जिसे उद्योग मंत्री बिहार सरकार नीतीश मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया।साथ ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सफल उद्यमी बनाने को लेकर प्रोत्साहित किया गया।उन्होने बिहार सरकार के द्वारा बेरोजगारी दूर करने के लिए किये जा रहे अनेक कल्याणकारी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि आज का युवा खेलकुद,कृषि,कौशल विकास,मवेशी पालन,डेयरी फार्म,वृक्षारोपण एवं स्वरोजगार ऋण लेकर आत्मनिर्भर बन सकते है।इसके लिए सरकार द्वारा सब्सिडी दिया जा रहा है। युवा उद्यमी सम्मान प्राप्त करने के बाद राहुल झा ने कहा कि यह सम्मान आप सभी का शहर वासियो का सम्मान है आप सब ने हमें इस मुकाम हेतु बहुत सहयोग किया।उन्होने कहा सरकारी एवं निजी क्षेत्र में नौकरी सीमित संख्या में निर्धारित है।

### मुंगेर में नक्सली गिरफ्तार, रंगदारी और मुठभेड़ मामले में था आरोपी

**मुंगेर।** मुंगेर के लड़ैयाटांड थाना क्षेत्र के न्यू पैसरा गांव से एक वांछित नक्सली चमरू कोडा को STF और जिला पुलिस के संयुक्त अभियान में आज गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार नक्सली को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। चमरू कोडा पर रंगदारी वसूली, अवैध हथियार रखने और पुलिस मुठभेड़ समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह साल 2021 में सखौल पहाड़ी पर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ का मुख्य आरोपी था। उस समय पुलिस को सूचना मिली थी कि किसी ठेकेदार से रंगदारी वसूली के लिए दर्जनों नक्सली एकत्र हुए थे। छापेमारी के दौरान हुई मुठभेड़ में हथियार और नक्सली साहित्य बरामद किया गया था। साल 2012 में किया गया था गिरफ्तारः चमरू कोडा तब से फरार चल रहा था। इससे पहले साल 2012 में भी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पैसरा जंगल में छापेमारी कर चमरू कोडा और कारेलाल कोडा को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में धरहरा थाना में कांड संख्या 50/12 दर्ज की गई थी। बेटा-बेटी नक्सल गतिविधियों में शामिलः चमरू कोडा के परिवार के अन्य सदस्य भी नक्सली गतिविधियों में शामिल हैं। उसका बेटा रामबालक कोडा और बेटी श्वेता उर्फ अनिता के खिलाफ भी विभिन्न थानों में नक्सली वारदातों से जुड़े मामले दर्ज हैं।

## खोया-पाया

मैं कुमुद कुमारी सिंहा, पति - शैलेंद्र कुमार सिंहा, शिवाजी नगर मुड़लाचक, थाना - वारिसलीगंज, जिला - नवादा की स्थाई निवासी हूं। S.D No.- 756/25-22/07/25 के माध्यम से घोषणा करती हूं, कि मेरे भूमि निबंधन का मूल दस्तावेज (केवाला) सं.-10152, दिनांक 16.07.2013 को खो गया, जिसके लिए मैं वारिसलीगंज थाना में सनहा दर्ज करा दी हूं। विक्रय वसिका का दुरुपयोग न हो इसके लिए मैं यह शपथ पत्र कर रही हूं।

## पूर्व रेलवे

**निविदा सं. ईएल–एमएलडीटी–ई–निविदा–373, दिनांक** 23.07.2025, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता (सा.), पूर्व रेलवे, मालदा ऑफिस बिल्डिंग, पी.ओ.– झलझलिया, जिला–मालदा, पिन–732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नाम** : एसएसई/ई/जी/मालदा टाउन, भागलपुर, साहिबगंज, जमालपुर के कार्यक्षेत्र में 03 वर्ष की अवधि के लिए एआरटी के डीजी सेट सहित मालदा मंडल के तहत 32 डीजी का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **निविदा मूल्य :** रु. 66,42,653.78, **बयाना राशिः** रु. 1,32,900/–, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **ई–निविदा जमा देने की तिथि एवं समयः** दिनांक 31.07.2025 से 14.08.2025 को 15.30 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट** : वेबसाइट **www.ireps.gov.in** सूचना पटः वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता (सा.), पूर्व रेलवे, मालदा टाउन का कार्यालय। निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें। किसी भी परिस्थिति में किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

MLD-119/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

## पूर्व रेलवे

**ई–निविदा सूचना सं.: ओ–एसी–टी–74 एवं 75–25–26 (खुली), दिनांक** 23.07.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.:1, केस सं.** : ओ–एसी–टी–74–25–26, **कार्य का नामः** वर्ष 2025–26 में आसनसोल मंडल के लिए विभिन्न कॉलोनियों, स्टेशनों आदि में ट्रक/टैंकर द्वारा पानी की आपूर्ति के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 26,65,504/–, **बयाना राशि :** रु. 53,300/– **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह। **क्रम सं.:2, केस सं.** : ओ–एसी–टी–75–25–26, **कार्य का नामः** 30.06.2026 तक समाप्त अवधि के लिए आसनसोल मंडल के जोन नं. 23 में वरिष्ठ डीईएन/2/आसनसोल के अधीन जोनल ब्रिज कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 60,00,000/–, **बयाना राशि :** रु. 1,20,000/– **कार्य की समापन अवधिः** 11 माह (30.06.2026 तक)। **बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 20.08.2025 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-133/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

## कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गढ़वा

### मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना
अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या – 09/RI/2024-25/RWD/GARHWA दिनांक – 25.07.2025

1. कार्य का विवरण :–

| क्र0 | प्रखण्ड | आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | अंक में (लाख में) | अक्षर में | |
| 1 | केतार | RWD/GARHWA/20/2024-25 (2ND Call) | ग्राम योगियावीर में मुख्य पथ से चिकनही होते हुए योगियावीर पूरब टोला स्कूल तक पथ निर्माण कार्य। (2.250 कि0मी0) | 332.941 | तीन करोड़ बत्तीस लाख चौरानबे हजार एक सौ रूपये। | 15 (पन्द्रह) महीना |

2. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 31.07.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 11.08.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–13.08.2025 पूर्वाह्न 11:30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रा0का0वि0 कार्य प्रमंडल, गढ़वा।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0: 06561–299963

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, गढ़वा

PR 358236 (Rural Work Department) 25-26 (D)

## कार्यालय,उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
(अनु०जनजाति,अनु०जाति,अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा)
E-mail- dwo-palamau@jharkhandmail.gov.in

### वित्तीय वर्ष 2024–25 में पोस्ट/ प्री मैट्रिक छात्रवृति भुगतान से संबंधित आवश्यक सूचना

पोस्ट/प्री मैट्रिक छात्रवृति हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के ekalyan (ekalyan.cgg.gov.in) पोर्टल पर पलामू जिला अन्तर्गत जिन छात्र/छात्राओं का ऑनलाईन आवेदन वर्ष 2024–25 का Status "Approved DLC Officer" (Student Login में "Pending by DLC Officer") है वे आवेदन में दिये गये आधार संख्या को अपने बैंक खाता के साथ दिनांक 30 जुलाई 2025 तक निश्चित रूप से लिंक करा लें। कुछ आवेदन से संबंधित आधार असक्रिय (Inactive) होने के कारण भी भुगतान नहीं हो पा रहा है। ऐसे आवेदक अपना आधार को दिनांक 30 जुलाई 2025 तक सक्रिय (Active) करा लें। पोस्ट/प्री मैट्रिक छात्रवृति का भुगतान PFMS के माध्यम से Aadhar Enabled DBT द्वारा ही करने का विभागीय निदेश प्राप्त है।

उक्त तिथि के पश्चात् Mapping/ आधार Active कराने वाले छात्रों को वर्ष 2024–25 का छात्रवृति राशि का भुगतान करना सम्भव नहीं होगा। चूँकी 30 जुलाई 2025 के बाद ekalyan Portal बंद हो जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी। आधार लिंक एवं NPCI में Mapping की जानकारी आधार की वेबसाईट से (https://myaadhaar.uidai.gov.in Login पर क्लिक करना होगा, जिसके बाद आधार नं0 एवं Captcha Enter करने के बाद Send OTP करना है। Send OTP करने के पश्चात् आपके आधार से रजिस्टर्ड मोबाईल न0 पर 6 अंको का OTP प्राप्त होगा, OTP Enter कर Login करना है। Login करने के बाद Bank Seeding Status पर क्लिक करके) प्राप्त किया जा सकता है। अथवा ई–कल्याण पोर्टल में Services & Schedule – Student Service & Schedule (Post-matric)- Check Status of your Aadhar Linked bank account number Click Here लिंक के माध्यम से ऑनलाईन प्राप्त की जा सकती है।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
पलामू

PR 358186 District(25-26).D

## कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा

पत्रांक ..... / दिनांक ..... /

### अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 21/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, कोडरमा।
2. परिमाण विपत्र की ब्रिकी की तिथि एवं समय :– 01.08.2025 को 1.00 बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 02.08.2025 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 02.08.2025 को 3.30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (1)कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय। (2)अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल,हजारीबाग का कार्यालय। (3)सहायक अभियंता भवन अवर प्रमंडल,कोडरमा का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (1)कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय।
7. **कार्य की विवरणी :–**

| ग्रुप संख्या | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | परिमाण विपत्र की राशि | अग्रधन की राशि | कार्य सामाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Renovation & Beautification of JSBCCL PIU Office Koderma on First Floor Building Division Office Koderma Dist. | 8,26,400.00 | 1250.00 | 16600.00 | 1 Month |

**नोटः–** निविदा एवं परिमाण विपत्र क्रय करने की शर्तें को www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमण्डल, कोडरमा

PR 358187 Building(25-26).D

## पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।
आवश्यक सूचना।
(नोटिस)

नाम–(1) मृत्युंजय भुईयां उर्फ फरेश भुईयां उर्फ अवधेश जी, पिता–बाबूलाल भुईयां, सा0–नावाडीह छोटका टोला (चकलवा) थाना–छीपादोहर, जिला–लातेहार, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप भण्डरिया थाना कांड सं0–20/2021, दिनांक–10.02.2021 धारा–147, 148, 149, 353, 323, 307, 511, भा0द0वि0 एवं 17 सी0एल0ए0 एक्ट एवं 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध दिनांक–20.06.2025 को माननीय न्यायालय, श्री नरेन्द्र कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–20.07.2025 को इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से भी फिरार चल रहे है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप अविलंब दिनांक–31.07.2025 तक माननीय न्यायालय, श्री नरेन्द्र कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पन करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,गढ़वा।

PR 358169 Police(25-26)D

## कार्यालय, नगर पचांयत, छतरपुर (पलामू)
पताः–अनुमंडल कार्यालय,छतरपुर के पिछे,जिला–पलामू,झारखण्ड–822113,
[E-Mail: np.chhattarpur2018@gmail.com]

### छतरपुर बाजार/हाट बंदोबस्ती संबंधी आम–सूचना सं0–01/2025–26

छतरपुर नगर पंचायत अन्तर्गत छतरपुर सप्ताहिक मंगलवार बाजार और प्रत्येक दिन लगने वाले बाजार को बंदोबस्ती किया जाना है। बंदोबस्ती की गणना बन्दोबस्ती की तिथि से 31 मार्च 2026 तक के लिये किया जाएगा। दिनांक–06.08.2025 को पूर्वाह्न 02:30 बजे नगर पंचायत कार्यालय, बारा छतरपुर के कार्यालय सभागार में खुली डाक बोली के द्वारा बंदोबस्ती/निलामी करते हुए अधिकतम डाकवक्ता को आवंटित की जायेगी। निलामी/बंदोबस्ती की शर्ते निम्नलिखित हैः–

1. खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती की न्यूनतम राशि 4,47,500/–(चार लाख सौतालिस हजार पॉच सौ) रूपये निर्धारित है। इसके आगे डाकवक्ता द्वारा लगायी जानेवाली बोली का न्यूनतम अंतर 5,000/–(पॉच हजार) रूपये होगा।
2. जो व्यक्ति छतरपुर मुख्य बाजार या हाट बाजार हेतु खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती में भाग लेना चाहते है, वे अपना आवेदन दिनांक–05.08.2025 कार्यालय अवधि तक कार्यालय नगर पंचायत, छतरपुर में जमा कर सकते है। आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित कागजात अनिवार्य रूप से संलग्न करेंगे अन्यथा उनकी पात्रता स्वतः समाप्त समझी जायेगी और वे डाक बोली/निलामी में भाग नहीं ले सकेंगे।
   (i) पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड अनिवार्य रूप से तथा वोटर आई0डी0कार्ड0 या ड्राईविंग लाईसेंस में से कोई एक।
   (ii) स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र।
   (iii) पैन कार्ड।
   (iv) संबंधित जिला के उपायुक्त/पुलिस अधीक्षक/अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण–पत्र ।
3. खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती प्रक्रिया में निर्धारित तिथि को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर आवेदक को स्वयं उपस्थित होकर भाग लेना होगा। निर्धारित समय के बाद उपस्थित नहीं होने पर वे खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे। उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे।
4. खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती में भाग लेने वाले व्यक्ति डाक बोलने के पूर्व सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत अथवा मो0 44,750/–(चौवालिस हजार सात सौ पच्चास) रूपये का भारतीय स्टेट बैंक/झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट कार्यपालक पदाधिकारी, छतरपुर के नाम से नगर पंचायत, लेखापाल/नाजीर के पास जमा करेंगे तभी डाक बोली में भाग ले सकेंगे।
5. जिस डाक वक्ता के द्वारा सबसे अधिक बोली लगायी जायेगी, उन्हें उसी दिन की संध्या–5:00 बजे तक डाक बोली की सम्पूर्ण राशि भारतीय स्टेट बैंक/झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा निर्गत डिमाण्ड ड्राफ्ट नगर पंचायत कार्यालय में जमा करना होगा। तत्पश्चात् उन्हें छतरपुर हाट बाजार बंदोबस्ती का आवंटन आदेश निर्गत किया जायेगा, अन्यथा उक्त राशि का बैंक ड्राफ्ट जमा नहीं करने पर उनके द्वारा डाक बोली के पूर्व जमा किये गये सुरक्षित जमा राशि को जब्त करते हुए क्रमशः अगले डाक वक्ता को उनके द्वारा लगायी गयी डाक बोली की सम्पूर्ण राशि जमा करने पर उन्हें छतरपुर हाट बाजार बंदोबस्ती का आवंटन आदेश निर्गत किया जायेगा।
6. बन्दोबस्तधारी का आवंटन आदेश निर्गत होने के पश्चात् बंदोबस्ती वसूली के समय Main Road पर आवागमन को किसी भी प्रकार से बाधित नहीं किया जाएगा। इसका उल्लंघन होने पर बंदोबस्ती रद्द कर दी जायेगी तथा बंदोबस्ती की राशि जप्त कर ली जायेगी।
7. बाजार हाट में जो दुकानदार जिस स्थान पर अपना दुकान पूर्व से लगाते आ रहे है, वे उसी स्थान पर स्वेच्छा से अपना दुकान लगायेंगे। बंदोबस्तधारी अन्यत्र दुकान लगाने हेतु उन्हें बाध्य नहीं कर सकते हैं।
8. बंदोबस्ती की गणना बंदोबस्ती की तिथि से उक्त अंकित तिथि के लिए किया जायेगा। उक्त तिथि के पश्चात् बंदोबस्ती का आवंटन आदेश स्वतः समाप्त समझा जायेगा।
9. छतरपुर बाजार बंदोबस्ती के पश्चात् किसी भी प्रकार के विवाद का निर्णय लेने की शक्ति कार्यपालक पदाधिकारी में निहित होगी। विवाद का निपटारा नहीं होने पर विवाद का अंतिम निर्णय नगर पंचायत के प्रशासक द्वारा लिया जायेगा, जो सर्वमान्य होगा।
10. छतरपुर बाजार/हाट में नियमित साफ–सफाई कराना होगा।
11. खुली डाक के द्वारा निलामी/बंदोबस्ती, छतरपुर हाट बाजार बंदोबस्ती का आवंटन आदेश को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने या रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा एवं किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
12. उच्चतम डाक वक्ता को 4 प्रतिशत स्टांप डयुटी एवं 3 प्रतिशत निबंधन शुल्क की पावती जमा करना सुनिश्चित करेगें।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत,छतरपुर

PR 358168 District(25-26).D

## नगर विकास एवं आवास विभाग
बिहार सरकार
### कार्यालय नगर परिषद
दाउदनगर (औरंगाबाद)
अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–08/2025–26
(https://eproc2.bihar.gov.in)

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिशद, दाउदनगर।
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि :– 23.07.2025
3. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की प्रारंभ तिथि/समय :– 02.08.2025 को 11:00 बजे से On Website (https://eproc2.bihar.gov.in)
4. प्री बीड मीटिंग का समय/स्थान एवं तिथि :– दिनांक–29.07.2025 के समय 11:00 बजे, स्थान–कार्यालय, नगर–परिषद, दाउदनगर (औरंगाबाद)
5. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय :– दिनांक–09.08.2025 को 15:00 बजे तक On Website (*https://eproc2.bihar.gov.in*)
6. तकनिकी/वित्तीय बीड खोलने की तिथि/समय :– दिनांक–11.08.2025 के 15:30 बजे के बाद On Website(*https://eproc2.bihar.gov.in*)
7. मद का नाम– :– 15वीं वित एवं षष्टम् वित के कर्णांकित राशि
8. कार्य का विवरण :–

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रूपये में) | अग्रधन की राशि (रू0 में) | परिमाण विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (रू0 में) | Bid Processing Fee (Through online payment) (अप्रत्यर्पणीय) (रू0 में) | कार्य समाप्ति की अवधि (इन्क्लूडिंग मौनसून अवधि माह में) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड सं0–17 में बिन्टू प्रसाद के घर से डॉ0 दुधेश्वर पंडित के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1592800 | 32000 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 2 | वार्ड सं0–17 में अर्नतु प्रसाद के घर से सिपाही जी के घर तक आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित एवं पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य। | 1389800 | 28000 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 3 | वार्ड सं0–17 में प्रमोद प्रसाद मेहता के घर से कृष्णा रजक के घर होते हुये अम्बिका सिहं के घर तक आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित एवं पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य। | 2353900 | 47100 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 4 | वार्ड सं0–17 में कुंदन पासवान के घर से श्यामलाल प्रसाद के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1367100 | 27500 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 5 | वार्ड सं0–17 में राम नाथ के घर से कल्लु प्रसाद के घर तक तथा संतोष के घर से मेन रोड तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1774100 | 35500 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 6 | वार्ड सं0–17 में राजेश मास्टर के घर से नरेश के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य। | 1137800 | 22800 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 7 | वार्ड सं0–17 में राजकुमार के घर से अशोक मास्टर के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य। | 1351900 | 27100 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 8 | वार्ड सं0–17 में अजीत कुमार के घर से दीपक कुमार के घर तक तथा नाथे प्रसाद के घर से बुधन के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1190400 | 24000 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 9 | वार्ड सं0–17 में मनोज महतो के घर से मुकेश के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1791400 | 36000 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 10 | वार्ड सं0–17 में बंधु प्रसाद के घर से मिथलेश सिंह के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य। | 1736300 | 34800 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 11 | वार्ड सं0–17 में अरविन्द सिंह के घर से कल्लु प्रसाद के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1219100 | 24500 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 12 | वार्ड सं0–17 में छोटू तांती के घर से महेन्द्र राम के घर तक तथा संजय प्रसाद के घर से दिनानाथ के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1650800 | 33100 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 13 | वार्ड सं0– 26 में मधुसुदन सिंह के घर से दाउदनगर कॉलेज के रोड तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1585200 | 31800 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 14 | वार्ड सं0–26 में मनोज कुमार के घर से हनुमान मंदिर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1207900 | 24200 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 15 | वार्ड सं0–26 में दीपक शर्मा के घर से डिस्ट्रीक रोड तक पी0सी0सी0 पथ एवं आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य। | 1973800 | 39500 | 5000 | 590.00 | 02 माह |
| 16 | वार्ड सं0–26 में बाल्मीकी तिवारी के घर से गजेन्द्र तिवारी के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं ढक्कन सहित आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य। | 1338400 | 26800 | 2500 | 590.00 | 02 माह |
| 17 | वार्ड सं0–16 में मुन्ना तांती के घर से (देवी मंदिर) से भोला प्रसाद के घर तक पी0सी0सी0 पथ एवं आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य। | 1499700 | 30000 | 2500 | 590.00 | 02 माह |

निविदा की वैद्यता अवधिः **120 दिन**

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

| कनीय अभियंता | मुख्य पार्षद | कार्यपालक पदाधिकारी |
|---|---|---|
| नगर परिषद, दाउदनगर | नगर परिषद, दाउदनगर | नगर परिषद, दाउदनगर |

PR- 009525 ( B & C ) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

## संक्षिप्त समाचार

### गंगा और सोन नदी का जलस्तर घटा, लोगों को मिली राहत

**आरा**| भोजपुर जिले में गंगा और सोन नदी के जलस्तर में कमी आने से बाढ़ की स्थिति अब सामान्य होने लगी है। राहत की बात यह है कि गुरुवार को पिछले 12 घंटे में गंगा के जलस्तर में 28 सेमी और सोन नदी में 30 सेमी की गिरावट दर्ज की गई है। बड़हरा प्रखंड में सुबह गंगा का जलस्तर 52.84 मीटर और शाम को 52.56 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 53.08 मीटर से 52 सेमी नीचे है। सीओ नवनीत कुमार सिन्हा ने बताया कि अब गंगा का जलस्तर लगातार घट रहा है और बाढ़ का खतरा लगभग टल गया है। संजोइल-नथमलपुर रोड से पानी उतर गया है, जिससे नथमलपुर, ज्ञानपुर, सेमरिया, गजियापुर सहित कई गांवों में आवाजाही सुचारू हो गई है। फरहदा-शिवपुर, नेकनाम टोला लिंक रोड, सिरसिया, बिशनपुर व शिवपुर-सरैया सड़कों से भी बाढ़ का पानी उतर गया है। हालांकि कई जगहों पर लगी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। वहीं कोईलवर में सोन नदी का जलस्तर सुबह 51.92 मीटर और शाम को 51.62 मीटर दर्ज किया गया। यहां भी स्थिति अब सामान्य है। ज्ञानपुर गांव में स्कूल अभी बंद हैं, जबकि सड़क पर पानी में थोड़ी कमी जरूर आई है, लेकिन अभी पूरी तरह सूखा नहीं है।

### मारपीट में महिला समेत कई घायल, भर्ती

**आरा**| उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चौकीपुर गांव में गुरुवार को नली निकालने के विवाद में दो पक्षों के बीच हूई मारपीट में महिला सहित तीन लोग घायल हो गए।घायलों में 50 वर्षीय फुला देवी पति मोहन चौधरी 55 वर्षीय मोहन चौधरी पिता राजा राम चौधरी ,25 वर्षीय रमेश कुमार पिता मोहन चौधरी शामिल है। वहीं नवादा थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास ठेला लगाने के विवाद में मारपीट में दुकानदार घायल हो गया। घायल गोरे ने बताया कि गुरुवार को मै रेलवे स्टेशन के पास ठेला लगाकर समान बेचता था। जिस जगह पर मैं गुरुवार को ठेला लगाया था।वहा वर्षों से लगाता हू।गुरुवार को कुछ लोगों ने आकर हमसे रंगदारी की मांग कर रहे थे।नहीं देने पर मारपीट किया गया। जिससे मैं गंभीर रूप से घायल हो गया।

### निर्वाचन आयोग का सहयोग करें राजनीतिक दल : जनसंघ

**आरा**| अखिल भारतीय जनसंघ ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी गठबंधन द्वारा किए जा रहे विरोध को दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य भारतभूषण पाण्डेय ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो अब अपने पते पर नहीं रहते या जिनकी मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में मतदाता सूची का समय-समय पर सत्यापन जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य अवैध विदेशी नागरिकों की घुसपैठ चिंता का विषय है। ये लोग न सिर्फ रह रहे हैं बल्कि कागजात भी बनवा चुके हैं, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़ता है। जब टी. एन. शेषन ने मतदाता पहचान पत्र की शुरुआत की थी तब भी विरोध हुआ था, आज वही एक जरूरी और भरोसेमंद दस्तावेज बन गया है।

### वाहन जांच के दौरान शराब के नशे में 2 गिरफ्तार

**कोईलवर**| गीधा थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान गुरुवार को कायमनगर में शराब के नशे में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि नियमित वाहन जांच के दौरान संदिग्ध अवस्था में पाए गए दो लोगों को रोका गया। पूछताछ में उनके शराब के नशे में होने की आशंका जताई गई। इसके बाद दोनों को थाना लाकर ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। पकड़े गये आरोपितों में बहोरनपुर थाना क्षेत्र के गौरा गांव के रोहित कुमार गुप्ता और गीधा थाना क्षेत्र के महकमपुर गांव के सालिक राम है। दोनों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध व उत्पाद संशोधित अधिनियम 2018 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### पानी में अज्ञात महिला का शव मिला

**आरा**| मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जोरावरपुर गांव से आगे कल्याणपुर गांव में जाने वाली पुल के पास नीचे पानी में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। मुफस्सिल थाना के थानाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच शव को पानी से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। शव की पहचान नहीं हुई है। पानी में शव फूल जाने के कारण पहचान नहीं हुई।

### अवैध निर्माण रोकने को ले सीएम को ज्ञापन

**बक्सर**| बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के राज्य सलाहकार समिति के सदस्य और जनप्रतिनिधि भरत मिश्रा ने डुमरांव नगर परिषद अंतर्गत तकिया मोहल्ले में अवैध निर्माण पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पुलिस महानिदेशक को पत्र सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पत्र के माध्यम से उन्होंने आरोप लगाया है कि न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद भूमि पर अवैध तरीके से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। श्री मिश्रा ने पत्र में उल्लेख किया है कि डुमरांव की जनता द्वारा न्यायालय में लड़ी गईं लंबी लड़ाई के बाद न्यायालय द्वारा 170/96 के तहत आदेश पारित है, जिसमें जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने की बात कही गई थी। बावजूद मस्जिद कमेटी के द्वारा वहां निर्माण कराया जा रहा है। जिससे न्यायालय के आदेश की अवहेलना हो रही है। इस जमीन को लेकर न्यायालय में मामला लंबित है और संबंधित पक्षों को आदेश की प्रति भी मिल चुकी है। बावजूद काम हो रहा है।

### फिल्म समीक्षक व रंगकर्मी का निधन

**बक्सर**। डुमरांव प्रखंड के कसियां गांव निवासी और देश के प्रसिद्ध पत्रकार, फिल्म समीक्षक एवं रंगकर्मी अजीत राय का निधन हो गया है। 58 वर्षीय अजीत राय का निधन बीती रात लंदन में हार्ट अटैक के कारण हुआ। उनके निधन से साहित्य, रंगकर्म और पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। डीके कॉलेज, डुमरांव से पढ़ाई करने वाले अजीत राय ने अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत डुमरांव में पत्रकारिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से की थी। इसके बाद वे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली से जुड़ गए, जहां उन्होंने इसकी पत्रिका रंग प्रसंग के संपादक के रूप में कार्य किया। वे देश के कई समाचार पत्रों में लेखन करते रहे और सांस्कृतिक पत्रकारिता में अपनी अलग पहचान बनाई। अजीत राय आधा दर्जन से अधिक पुस्तकों के लेखक थे और कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट् रीय फिल्म महोत्सवों जैसे कान फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। उन्होंने अनेक फिल्म फेस्टिवलों का संचालन भी किया और उन्हें नया दृष्टिकोण दिया। डुमरांव के उनके मित्र के ओझा, पत्रकार डॉ शशांक शेखर के साथ ही अधिवक्ता शम्भू शरण नवीन, मनोज कुमार श्रीवास्तव व अन्य लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी अजीत राय के जाने से डुमरांव ने अपना एक रत्न खो दिया है। उनके आकस्मिक निधन से देश के साहित्यिक और रंगमंचीय जगत में अपूरणीय क्षति हुई है। वहीं लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने कहा कि बड़े भाई अजित राय के निधन की खबर ने निःशब्द कर दिया। उन्होंने कहा कि फ़िल्म जगत के बड़े क्रिटिक तो थे ही उससे पहले हमारा आपके साथ घर का रिश्ता और थियेटर का रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में 1994 में हमने अपनी पूरी टीम के साथ मगध यूनिवर्सिटी फेस्टिवल में प्रथम स्थान पाया था, डिबेट में भी प्रथम स्थान मिला था और तत्कालीन मुख्य सचिव बिहार आमिर सुबहानी साहब के द्वारा पुरस्कृत हुए थे। आज वो दिन वक्त से बहुत पहले आ गई जब अश्रुपूरित आंखों से आखिरी प्रणाम लिखना पड़ रहा है।

### ट्रेन की चपेट में आने से वेल्डिंग मिस्त्री की मौत

**आरा**। भोजपुर में मंगलपुर देर रात ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई थी। 2 दिन बाद मृतक की पहचान हुई है। मृतक अखिलेश चौहान(34) कोइलवर थाना क्षेत्र के सुरौंधा कॉलोनी का रहने वाला था। पेशे से वेल्डिंग मिस्त्री था। तेलंगाना के सिकंदराबाद में काम करता था। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड की है। मृतक के छोटे भाई सतीश कुमार ने बताया कि भैया 18 जुलाई को कंपनी में काम करने के लिए सिकंदराबाद गए थे। तबीयत खराब होने के बाद 21 जुलाई को घर लौट रहे थे, लेकिन 2 दिन तक नहीं पहुंचे। इसके बाद खोजबीन शुरू किया। खोजबीन के दौरान आरा रेल थाना पहुंचे। एक अज्ञात युवक का शव मिला है। फोटो देखते ही पहचान गया। इसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव सौंप दिया।

# युवक की गोली मारकर हत्या आरोपी ने पुलिस को बताया

निज संवाददाता। बक्सर

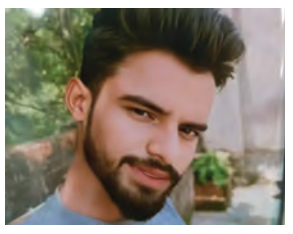

बक्सर में गुरुवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वे अपने तीन दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान चारों के बीच किसी बात को लेकर तीखा विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक युवक ने राजू पर पिस्तौल से फायर कर दिया। गोली लगते ही राजू जमीन पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना नगर थाना क्षेत्र के नया बाजार मुहल्ले की है। मृतक की पहचान नया बाजार निवासी बीरबल कुमार का बेटा राजू कुमार (21) के रूप में हुई है। वे दो भाइयों में बड़ा था। 3 अगस्त को वो बिहार पुलिस का परीक्षा देने वाला था। उसके पिता दूध बेचकर परिवार का गुजारा करते हैं।

**आरोपी युवक ने खुद पुलिस को दी जानकारी:** घटना के बाद तीनों युवक वहां से भाग निकले। लेकिन देर रात उन्हीं में से एक युवक ने खुद नगर थाना पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और रातभर छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरा युवक फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

**परिजन ने किया सड़क जाम:** हालांकि, आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शुक्रवार सुबह बक्सर-कोचस स्टेट हाईवे को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोग दोषियों की गिरफ्तारी और वरीय पदाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हैं। सूचना पाकर नगर थाना की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। लोगों का कहना है कि नया बाजार में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं और पुलिस महज औपचारिकता निभा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है, लेकिन पुलिस की मौजूदगी से स्थिति नियंत्रण में है। आसपास के थानों की पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि स्थिति पूरी तरह शांत रखी जा सके।

**पुलिस हिरासत में 2 आरोपी:** नगर थानाध्यक्ष रमण रावत ने बताया कि गिरफ्तार युवकों से पूछताछ की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। इस हत्याकांड में शामिल तीनों युवकों की पहचान कर ली गई है। दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही फरार युवक को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा और हत्या के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जाएगा। घटनास्थल से कई सबूत जुटाए गए हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों को समझा-बुझाकर सड़क से हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

**पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार:** डीएसपी गौरव पाण्डेय ने बताया कि रात में युवक तीन दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। एक दोस्त ने गोली मार दी। गोली मारने वाले दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। उसके साथ एक युवक को हिरासत में लिया गया।

# भोजपुर में पप्पू यादव के सामने घर गंगा में समाया

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के शाहपुर प्रखंड के जवईनिया गांव में गंगा नदी के तेज कटाव ने भयंकर तबाही मचाई है। अब तक दर्जनों मकान गंगा में विलीन हो चुके हैं। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, जिससे पूरे इलाके में भय और गुस्से का माहौल है। कटाव की सूचना मिलने पर पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव गुरुवार को बाढ़ प्रभावित गांव पहुंचे। वह जब कटाव क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे, उसी दौरान जिस स्थान पर वे खड़े थे, वहां अचानक जोरदार कटाव शुरू हो गया। देखते ही देखते जमीन धंसने लगी और कई मकान गंगा में समा गए। भगदड़ की स्थिति बन गई। ग्रामीणों की तत्परता से सांसद को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

**प्रशासन केवल पैसों की लूट में व्यस्त:** घटना के बाद पप्पू यादव ने कहा, "भगवान की कृपा और ग्रामीणों की मदद से मेरी जान बची। मैं यहां की जनता का दर्द समझने आया हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई दिनों से गंगा का कटाव जारी है, लेकिन सरकार और प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन केवल फाइलों और पैसों की लूट में व्यस्त है। मेरे सामने ही कई घर गंगा में समा गए, लेकिन शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता साफ नजर आ रही है। यह आपदा नहीं, सरकार की लापरवाही का परिणाम है। पप्पू यादव ने मौके पर ही कटाव से विस्थापित परिवारों को आर्थिक मदद दी और आश्वासन दिया कि आगे भी हरसंभव सहायता उनकी ओर से दी जाएगी।

## भोजपुर में बड़े भाई की पीट-पीटकर हत्या

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में चचेरे भाइयों ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर दो भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर हालत में परिजन सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां एक की मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। 18 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के ज्ञानचक गांव की है। मृतक की पहचान कलेक्टर यादव(45) के तौर पर हुई है। पेशे से किसान थे। घायल का नाम रामाशंकर यादव(40) है। मृतक की बेटी लक्ष्मीना कुमारी ने बताया कि पापा के चाचा वकील यादव ने कुछ साल पहले 18 कट्ठा जमीन दादा से जबरन लिखवा लिया था। इसी को लेकर विवाद था। शुक्रवार को पापा और चाचा खेत जोतने जा रहे थे। इस दौरान वकील यादव और उनके चार बेटे सो कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में पापा की मौत हो गई, जबकि चाचा की हालत गंभीर है। चचेरे दादा वकील यादव और उनके चार बेटे मुकुल यादव, उपेंद्र यादव, रामऋषि यादव और पुगुल यादव ने मारा है।

**आर्म्स एक्ट जेल गया था:** मामले की सूचना पर उदवंतनगर थानाध्यक्ष जयंत प्रकाश मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन का विवाद है। पाटीदार पर हत्या का आरोप है। मृतक कलेक्टर यादव साल 2024 में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है।

# बक्सर में गंगा के रास्ते लाई जा रही थी शराब

निज संवाददाता। बक्सर

- 1 किलोमीटर पीछा कर पकड़ा तस्कर, चार बोरा में 1 लाख की शराब जब्त

शराबबंदी के बावजूद बक्सर में शराब तस्करी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना पर नगर थाना क्षेत्र के मल्लाह टोली में दबिश देकर 1 किलोमीटर पीछा कर एक तस्कर को दबोच लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस ने मौके से चार बोरा और दो पेटी में भरी कुल एक लाख रुपये की शराब जब्त की है। गिरफ्तार युवक की पहचान 28 वर्षीय जयप्रकाश चौधरी, पिता दीनबंधु चौधरी, निवासी मल्लाह टोली, बक्सर के रूप में हुई है। फरार तस्कर की पहचान अंगद चौधरी, पिता गुरु चौधरी, मल्लाह टोली निवासी के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

**गंगा नदी के रास्ते यूपी से लाई जा रही थी शराब:** पूछताछ में जयप्रकाश ने खुलासा किया कि वह और अंगद गंगा नदी के रास्ते उत्तर प्रदेश से शराब लेकर बक्सर के जहाज घाट पहुंचे थे। वहां से बाइक पर लादकर उसे घर ले जा रहे थे। जयप्रकाश का दावा है कि वह पहली बार शराब लेकर आ रहा था, हालांकि पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में जुटी है।

**क्या-क्या जब्त हुआ:** 12 लीटर रॉयल स्टैग व्हिस्की (375ml की 32 बोतलें), 60.48 लीटर 8 PM व्हिस्की (180ml की 336 पाउच), 36 लीटर पावर डबल देशी शराब (200ml की 180 पाउच), दो TVS अपाची मोटरसाइकिल – BRAA-T-2452 और BR-44U-0809, कुल अनुमानित मूल्य: 1 लाख

**पुलिस बोली: नेटवर्क के खुलासे की उम्मीद:** उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा, "टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को पकड़ लिया है। मौके से बड़ी मात्रा में शराब और दो बाइक जब्त की गई हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। फरार तस्कर की तलाश जारी है।" पुलिस सूत्रों की मानें तो फरार तस्कर अंगद की गिरफ्तारी के बाद यूपी से बिहार शराब आपूर्ति के नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। माना जा रहा है कि तस्कर गंगा नदी के रास्ते से शराब बिहार ला रहे थे। पुलिस अब इस रूट पर विशेष निगरानी बढ़ाने की तैयारी में है।

**शराबबंदी के बावजूद सक्रिय तस्करी गैंग:** बक्सर जिले में शराबबंदी लागू है, लेकिन सीमावर्ती इलाकों और गंगा नदी का इस्तेमाल कर तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शुक्रवार की कार्रवाई से जहां एक ओर तस्करों को बड़ा झटका लगा है, वहीं पुलिस को इस नेटवर्क को ध्वस्त करने की नई कड़ी हाथ लगी है।

# ब्रिटेन की रिसर्चर बक्सर संग्रहालय पहुंचीं

निज संवाददाता। बक्सर

- रामकथा पर आधारित दुर्लभ टेराकोटा क्ले स्टैचू का किया अध्ययन

बक्सर स्थित सीताराम उपाध्याय संग्रहालय में गुरुवार को ब्रिटेन की कार्डिफ यूनिवर्सिटी की लेक्चरर और शोधार्थी डॉ. लक्ष्मी ग्रेव्स पहुंचीं। उन्होंने चौसा गढ़ से प्राप्त रामायण कथानक पर आधारित टेराकोटा मृण्मूर्तियों का गहन अवलोकन और अध्ययन किया। रामकथा और उससे जुड़े पुरावशेषों पर उनकी विशेषज्ञता है और उन्होंने इस विषय पर कई शोध भी किए हैं।

**"रामायण आधारित मृण्मूर्तियां अद्वितीय और अध्ययन योग्य":** संग्रहालय का दौरा करने के बाद डॉ. ग्रेव्स ने कहा कि यहां संरक्षित टेराकोटा मूर्तियां न केवल अत्यंत प्राचीन हैं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का अहम हिस्सा भी हैं। उन्होंने कहा, "यह धरोहर इतनी समृद्ध है कि इसकी जानकारी विश्वभर के बुद्धिजीवियों तक जानी चाहिए। रामकथा आधारित इन मूर्तियों में भारतीय संस्कृति की गहराई स्पष्ट झलकती है।"

**संग्रहालय प्रभारी ने बताया ऐतिहासिक महत्व:** संग्रहालय प्रभारी डॉ. शिवकुमार मिश्र ने बताया कि चौसा गढ़ से प्राप्त ये मूर्तियां रामायण की कथाओं से प्रेरित हैं और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। उन्होंने कहा, "बक्सर संग्रहालय लगातार देश-विदेश के शोधार्थियों और इतिहासकारों को आकर्षित कर रहा है। डॉ. ग्रेव्स ने संग्रहालय की सामग्री और संरक्षण व्यवस्था की प्रशंसा की।"

**शोध में मिला पूर्ण सहयोग, कई लोग रहे उपस्थित:** डॉ. ग्रेव्स के दौरे के दौरान संग्रहालयकर्मियों ने उनके शोध कार्य में पूरा सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राम मुरारी, विमल कुमार, अनिकेत कुमार, मोहम्मद आशिक, अभिषेक चौबे, अभिनंदन कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे।

**रामकथा के सांस्कृतिक प्रभाव को समझने में सहायक हैं ये मूर्तियां:** बक्सर के सीताराम उपाध्याय संग्रहालय में रखी ये मृण्मूर्तियां सिर्फ पुरातात्विक अवशेष नहीं, बल्कि भारतीय मानस में रची-बसी रामकथा के सांस्कृतिक प्रभाव को समझने की कुंजी हैं। चौसा गढ़ जैसे ऐतिहासिक स्थल की यह धरोहर आज भी इतिहास की गूंज को जीवित रखे हुए है।

# मतदाता सूची से नाम काटने की साजिश बंद हो : क्यामुद्दीन अंसारी

निज संवाददाता। आरा

भाकपा माले के राज्य कमेटी सदस्य और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने मतदाता गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के तहत गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम जानबूझकर बड़ी संख्या में हटाए जा रहे हैं, जो लोकतंत्र के साथ सीधा खिलवाड़ है। उन्होंने बताया कि बूथ संख्या 130 में करीब 1250 मतदाताओं में से 300 से ज्यादा नाम हालिया कटऑफ सूची में हटा दिए गए हैं और बीएलओ शिकायत सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर एक बूथ पर इतने नाम हटे हैं, तो पूरे आरा विधानसभा के 350 बूथों में 50,000 से अधिक नाम हटाए जा सकते हैं। अंसारी ने इसे "चुनाव चुराने की भाजपाई साजिश" करार देते हुए चुनाव आयोग से गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने धरहरा, भलुहीपुर, बलबतरा, सिंगही, गौसगंज जैसे मोहल्लों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की और 99 व 109 नंबर बूथों पर बीएलओ की लापरवाही की भी शिकायत की। उन्होंने कहा कि यह वोटबंदी नहीं, लोकतंत्रबंदी है, जिसे हर हाल में रोका जाना चाहिए।

# संजू पासवान की सेवा बनी मिसाल, कुष्ठ रोगियों में ला रहे बदलाव

निज संवाददाता। आरा

सामाजिक सेवा की सच्ची मिसाल देखनी हो, तो आरा के संजू पासवान का जीवन किसी प्रेरणा से कम नहीं। पिछले 12 वर्षों से वे आरा जंक्शन के पास स्थित गांधी कुष्ठ आश्रम में रहकर कुष्ठ रोगियों और उनके परिवारों के जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। संजू न सिर्फ बच्चों को शिक्षा देते हैं, बल्कि जरूरतमंदों की हर मोर्चे पर मदद कर रहे हैं। पहले ये परिवार रेलवे लाइन के पास झोपड़ियों में रहते थे। रेलवे विकास कार्यों के दौरान जब उनकी झोपड़ियां उजाड़ दी गईं, तो संजू पासवान ने उन्हें गांधी कुष्ठ आश्रम जमीरा में बसाया। मात्र 1000 रुपये मासिक वेतन पर पढ़ाई शुरू करने वाले संजू आज सार्थक स्कूल के प्रधान शिक्षक और आश्रम सचिव हैं। संजू के प्रयासों से इन परिवारों को इंदिरा आवास योजना के तहत मकान, सामुदायिक शौचालय, चंपा कल और हैंडपंप की सुविधा मिली। सांसद आरके सिंह के सहयोग से मुफ्त बिजली भी दिलवाई गई। एनजीओ और विदेशी संस्थाओं से सहयोग जयपुर स्थित सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम और जर्मनी की लेवेन वोहने लेप्रा सोसाइटी के सहयोग से यहां सिलाई केंद्र, मिड-डे मील, पेंशन, राशन, पोशाक, डॉक्टर और डिस्पेंसरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन योजनाओं का लाभ हर महीने सैकड़ों लोग उठा रहे हैं। आज यहां की महिलाएं भिंडी, साग, मसूर जैसी सब्जियों की खेती कर रही हैं और बकरी पालन से भी आमदनी हो रही है। लेकिन कुछ समस्याएं अब भी बाकी हैं।

# बक्सर में बंदियों को दिलाई जा रही पेंशन

निज संवाददाता। बक्सर

कारा एवं सुधार विभाग के निर्देश पर बक्सर केंद्रीय कारा में बंदियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत अब वृद्ध और दिव्यांग बंदियों को पेंशन की सुविधा दिलाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए सबसे पहले उनके बैंक खाते खोले जा रहे हैं, ताकि पेंशन की राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जा सके। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक की सहायता से जेल परिसर में विशेष शिविर लगाया गया। अब यह प्रक्रिया और भी तेज हो गई है। सहायक कारा अधीक्षक सह बंदी कल्याण पदाधिकारी राघवेंद्र सिंह स्वयं फॉर्म भरकर बैंक तक पहुंचा रहे हैं और कैदियों के खाते खुलवा रहे हैं। इसके साथ ही दिव्यांग बंदियों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनवाने का कार्य भी जोर-शोर से चल रहा है, ताकि उन्हें भी दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ मिल सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार बक्सर केंद्रीय कारा में वर्तमान में 60 वर्ष से अधिक उम्र के कुल 96 बंदी हैं। इनमें से अब तक 42 बंदियों के बैंक खाते खोले जा चुके हैं और शेष के खाते भी खोले जा रहे हैं। वहीं जेल में कुल 8 दिव्यांग बंदी हैं, जिनमें 5 जिले के निवासी हैं और इस योजना के लिए पात्र हैं। इनमें से 4 का यूडीआईडी कार्ड बनकर तैयार हो चुका है। सहायक कारा अधीक्षक ने बताया कि वृद्धावस्था पेंशन का लाभ उठाने के लिए बंदियों के पास आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र का होना अनिवार्य है। साथ ही इन दोनों दस्तावेजों में उम्र 60 वर्ष से अधिक अंकित होनी चाहिए। यदि किसी बंदी के केवल एक पहचान पत्र में उम्र कम अंकित है, तो वह योजना के लाभ से वंचित रह सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित बंदी के परिजनों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज मंगाए जा रहे हैं, ताकि सभी योग्य बंदियों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ बंदियों के पास आधार कार्ड तो है, लेकिन मतदाता पहचान पत्र नहीं है। इस स्थिति में परिजनों से मतदाता पहचान पत्र की प्रति मंगवाने की कोशिश की जा रही है। यह कार्य विभाग की प्राथमिकता में शामिल है और तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया न केवल बंदियों के पुनर्वास की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि यह यह भी दर्शाता है कि जेल प्रशासन अब बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की गंभीर कोशिश कर रहा है। इस पहल से न केवल आर्थिक रूप से कमजोर और वृद्ध बंदियों को राहत मिलेगी, बल्कि जेल से बाहर आने के बाद उनके आत्मसम्मान और पुनर्वास में भी मदद मिलेगी।

**बंदियों के परिजनों से मंगाए जा रहे दस्तावेज:** लाभ दिलाने का प्रयास कारा एवं सुधार विभाग की ओर से बंदियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के तहत बंदियों को पेंशन दिलाने की पहल शुरू की गई है। इसके प्रथम चरण में उनका बैंक खाता खुलवाया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### गुमला में साढ़े 3 साल की बच्ची के साथ हैवानियत, बाल सुधार गृह भेजा गया नाबालिग आरोपी

**गुमला, एजेंसी।** गुमला के डुमरी प्रखंड से एक हृदयविदारक घटना सामने आयी है. यहां एक 13 साल के नाबालिग ने साढ़े तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है. आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है. मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

जानकारी के अनुसार, गुमला के डुमरी प्रखंड में साढ़े तीन वर्षीय बच्ची के साथ 13 वर्ष के किशोर ने दुराचार किया. इस संबंध में पीड़िता की मां ने डुमरी थाना में आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है. डुमरी पुलिस ने मामला दर्ज कर अभियुक्त को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया है.

बता दें कि मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना 19 जुलाई की है. पीड़िता की मां अपनी बच्ची और पड़ोसी किशोर के साथ जंगल में आम तोड़ने गयी थी. आम तोड़ कर लौटने के क्रम में पीड़िता की मां को खुखड़ी दिख गया तो वह किशोर के पास अपनी बच्ची को छोड़कर खुखड़ी चुनने गयी. इस दौरान बच्ची को अकेला पाकर अभियुक्त किशोर ने दुष्कर्म किया. महिला जब खुखड़ी चुनकर लौटी, तब उसने किशोर को बेटी के साथ दुष्कर्म करते पकड़ा. अभियुक्त वहां से भाग गया. इस संबंध में घटना के दूसरे दिन गांव में पंचायत बुलायी गयी.

### प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार को जागरूकता रथ रवाना

**गिरीडीह, एजेंसी।** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बुधवार को डीसी रामनिवास यादव ने समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को रवाना किया.

यह जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों के पंचायत क्षेत्रों में घूम-घूमकर कृषक मित्रों व किसानों को फसल बीमा कराने हेतु जागरूक करने का कार्य करेगा. डीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है. इसका लाभ उठाने के लिए 31 जुलाई तक आवेदन जमा करने होंगे. जिले के किसान एक रुपए टोकन मनी जमा करके बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं. इच्छुक किसान अपना पंजीकरण नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर कर सकते हैं. फसल बीमा के लिए आवेदन करने हेतु, किसानों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक की एक फोटोकॉपी, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, नोटरीकृत बटाईदारी प्रमाणपत्र (यदि लागू हो), स्व-प्रमाणित फसल बुवाई प्रमाणपत्र और एक मोबाइल नंबर सहित दस्तावेज़ जमा करने होंगे. अधिक जानकारी के लिए, किसान जिला सहकारी कार्यालय, निकटतम ब्लॉक कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं. डीसी ने कहा कि किसानों का प्रीमियम का हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जाएगा।

### स्कूल निरीक्षण के दौरान छात्र को जहरीले कीड़े ने काटा

**रामगढ़, एजेंसी।** रामगढ़ जिले के गांधी स्मारक प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय का डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने गुरुवार को निरीक्षण किया। डीसी स्कूली बच्चों से पढ़ाई से संबंधित जानकारी ले रहे थे। इसी दौरान बगल वाली कक्षा में एक छात्र अभय कुमार को जहरीले कीड़े ने

काट लिया। छात्र के मुंह से झाग निकलने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रामगढ़ डीसी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छात्र को अपनी गाड़ी में बैठाकर रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां छात्र अभय कुमार का इलाज किया जा रहा है।

#### छात्र की हालत स्थिर

रामगढ़ सिविल सर्जन की निगरानी में छात्र का इलाज चल रहा है। अभी छात्र की हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना के बारे में स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि डीसी औचक निरीक्षण कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान ही छात्र को जहरीले कीड़े ने काट लिया था। छात्र की हालत बिगड़ती देख डीसी ने तुरंत उसे अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

# लालू यादव ने सत्यानंद भोक्ता पर क्यों जताया भरोसा? बीजेपी से आरजेडी तक हर पार्टी की रहे लाइफलाइन

**रांची, एजेंसी।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) झारखंड के प्रधान महासचिव बनाए गए सत्यानंद भोक्ता राजनीति के क्षेत्र में एक कद्दावर नेता के रूप में जाने जाते हैं। भाजपा से लेकर राजद तक उन्होंने जिस पार्टी का दामन थामा, उसके साथ मजबूती से डटे रहे।

उन्हें हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने राजद झारखंड प्रदेश के प्रधान महासचिव की कमान सौंपी है, ताकि पार्टी को राज्य में मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके। मूल रूप से चतरा जिले के कारी गांव निवासी सत्यानंद भोक्ता का जन्म दो मई 1972 को हुआ था।

उनके पिता स्वर्गीय जगरनाथ भोक्ता व मां रमनी देवी तथा पत्नी परमा देवी हैं। महज इंटर तक की पढ़ाई करने वाले सत्यानंद भोक्ता चार बेटों के पिता हैं।

चतरा विधानसभा सीट पर सत्यानंद भोक्ता सबसे पहले वर्ष 2000 में भाजपा के टिकट से चुनाव लड़े और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद के जनार्दन पासवान को चुनाव में हराया। वर्ष 2003 में ये पहली बार पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री बने थे।

एक साल बाद ही तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के कार्यकाल में इनका मंत्रालय बदला और ये कृषि एवं गन्ना विकास मंत्री बने। वर्ष 2005 के विधानसभा चुनाव में भी इन्होंने भाजपा के टिकट पर चतरा से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। तब वे सरकार में फिर से पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री बने।

वर्ष 2009 में ये सिमरिया विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े और वहां जेवीएम के जयप्रकाश सिंह भोक्ता से चुनाव हार गए। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया तो वे पार्टी बदलकर झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) में शामिल हो गए।

वे झाविमो के टिकट पर चतरा में चुनाव मैदान में उतरे। जब जेवीएम के जयप्रकाश सिंह भोक्ता भाजपा में शामिल हो गए थे और वे भी चतरा से भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे थे। इस चुनाव में भी सत्यानंद भोक्ता को हार का सामना करना पड़ा। वे भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भोक्ता से चुनाव हार गए।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व वे झाविमो छोड़कर राजद में शामिल हो गए। इसी वर्ष विधानसभा चुनाव में राजद ने उन्हें चतरा विधानसभा सीट पर अपना प्रत्याशी बनाया। उन्होंने यहां भाजपा के प्रत्याशी जनार्दन पासवान को हराया।

सत्यानंद भोक्ता वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद कोटे के इकलौते विधायक बनकर विधानसभा में पहुंचे थे। हेमंत सोरेन की सरकार ने उन्हें अपने कैबिनेट में जगह दी और वे श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री बने।

वर्ष 2022 में भोक्ता जाति एसटी में शामिल हो गई। चूंकि चतरा एससी सीट थी, इसलिए सत्यानंद भोक्ता चाहकर भी वहां से चुनाव नहीं लड़ सकते थे। उन्होंने इसका भी हल निकाला और अपने बेटे की शादी वर्ष 2023 में एससी जाति की लड़की रश्मि प्रकाश से कर दी।

उन्होंने वर्ष 2024 में अपनी बहू रश्मि प्रकाश को चतरा विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ाया, लेकिन वे जीत हासिल नहीं करा सके। इस सीट पर एनडीए प्रत्याशी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी जनार्दन पासवान ने जीत हासिल की है।

## कोडरमा में तस्वीरें लेने पहुंचा युवक, हाथी ने पैरों से कुचलकर मारा डाला

**कोडरमा, एजेंसी।** कोडरमा में बुधवार को हाथी के हमले में एक युवक की मौत हो गई। युवक हाथी की तस्वीर लेने के लिए उसके पास पहुंच गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसला और युवक जमीन पर गिर गया। इसी बीच हाथी ने युवक को सूड से उठाकर कई बार जमीन पर पटक दिया फिर पैरों से कुचल कर मार डाला।

घटना मरकच्चो प्रखंड के बेलाडीह गांव की है। मृतक युवक की पहचान सद्दाम अंसारी (29) के रूप में की गई है। दरअसल, हाथियों का झुंड रात से ही चोपनाडीह के ग्रामीण इलाकों में घूम रहा था। सुबह में हाथियों ने दो लोगों की बाइक को नुकसान पहुंचाया था। इसकी सूचना गांव में मिलने के बाद सद्दाम कुछ युवकों के साथ हाथी की तस्वीरें लेने निकला। हाथी ने उन्हें खदेड़ना शुरू कर दिया। इससे अन्य युवक भाग निकले पर सद्दाम का पैर फिसल गया और वह वहीं गिर गया। हाथी ने उसे सूंड में उठाकर कई बार जमीन पर पटका और फिर पैरों तले कुचल दिया। इस हमले में सद्दाम की आंतें बाहर निकल गईं।

मौके पर जुटे ग्रामीणों के प्रयास से हाथी को वहां से भगाया गया। घायल सद्दाम को पहले कोडरमा सदर अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स जाने के दौरान सद्दाम ने दम तोड़ दिया। जयनगर प्रखंड में इससे पहले हाथी चार लोगों की जान ले चुके हैं।

बताते चलें कि डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत जौनपुर पंचायत के ग्राम बहादुरपुर में मंगलवार रात में भी हाथियों ने उत्पात मचा रखा था। इस कारण से ग्रामीण दहशत में हैं। लोग भय के चलते रात भर सो नहीं पाए। महेंद्र पंडित और महावीर पंडित के केले के बागान को काफी नुकसान पहुंचाया और खेत में तार से किए गए घेराव को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं, प्रदीप पंडित के ईंट की बाउंड्री वॉल को हाथियों द्वारा तोड़ कर खेत मे प्रवेश कर आम बगवानी को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया।

## 28 जुलाई तक प्रदेश में भारी बारिश अलर्ट

### राज्य में अब तक सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश

**रांची, एजेंसी।** झारखंड में मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने झारखंड में 28 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवा भी चल सकती है। आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है।

रांची, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर और दुमका में भारी बारिश की संभावना है। आकाशीय बिजली गिरने का भी अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 25 जुलाई को पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में तेज हवा और वज्रपात के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं रांची, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो, गिरिडीह, जामताड़ा, देवघर, कोडरमा, दुमका, साहेबगंज, पाकुड़ और गोड्डा में वज्रपात और मध्यम दर्जे की बारिश के मद्देनजर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

26 जुलाई को रांची, गुमला, सिमडेगा,

खूंटी, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में भारी से बहुत भारी वर्षा और वज्रपात की चेतावनी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है।

27 जुलाई को लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश और वज्रपात की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रांची, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, गढ़वा और पलामू में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 28 जुलाई को भी ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। इस बीच बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई। सबसे अधिक वर्षा बोकारो में 11 मिमी दर्ज की गई। रांची में दिन में हल्की और शाम को तेज बारिश हुई, जिससे कुल 5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। देर रात चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ और रांची में भी बारिश हुई। 1 जून से 24 जुलाई तक राज्य में कुल 647.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य वर्षापात 426 मिमी है। यानी झारखंड में अब तक 52 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। हालांकि लगातार बारिश के बावजूद राज्य में अब तक केवल 13 से 15 प्रतिशत ही धनरोपनी हो पाई है, जिससे खेती प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

## रिम्स में नहीं पड़ेगा मरीजों को भटकना ! सेंट्रल लैब में 90 तरह की जांच शुरू, 1400 सीसीटीवी कैमरे से निगरानी

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में अब मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। रिम्स प्रबंधन ने सेंट्रल लेबोरेट्री को मरीजों के लिए शुरू कर दिया है। रिम्स के निदेशक डॉक्टर राजकुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मरीजों को जांच की बेहतर सुविधा दिलाने के उद्देश्य से सेंट्रल लैब को शुरू किया गया है।

**माफिया नहीं चाहते थे कि सेंट्रल लैब शुरू हो: रिम्स डायरेक्टर-** रिम्स निदेशक डॉक्टर राजकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि, सेंट्रल लैब में जांच की सुविधा चालू करने के लिए पिछले तीन बार डायरेक्टर के प्रयास विफल हुए थे। क्योंकि माफिया लोग नहीं चाहते थे कि सेंट्रल लैब शुरू हो। डॉ. राजकुमार ने बताया कि अब सेंट्रल लैब को शुरू कर दिया गया है, यहां 90 तरीके की जांच का लाभ मरीजों को मिल रहा है और फिलहाल 500 से अधिक मरीज, हर रोज जांच भी करा रहे हैं।

**सेंट्रल लैब के लिए 6 काउंटर की सुविधा-** रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि लंबे समय से रिम्स में माफिया हावी थे लेकिन अब रिम्स में सुविधाएं बेहतर की जा रही हैं। सेंट्रल लैब के लिए 6 काउंटर बनाए गए हैं। पहले मरीज को 3 दिनों में रिपोर्ट मिलती थी, अब उन्हें एक दिन में ये सुविधा मिल रही है।

**रिम्स में 70 से 80 फीसदी दवाएं उपलब्ध-** रिम्स निदेशक ने दवाई की उपलब्धता पर कहा कि रिम्स के अंदर दवाओं की कोई कमी नहीं है। रिम्स के डायरेक्टर ने कहा कि 70प्रतिशत दवाइयां अस्पताल में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि सर्जिकल उपकरण भी अस्पताल के अंदर उपलब्ध करा दिए गए हैं। इम्प्लांट के लिए भी मरीजों को सुविधा मिल रही है। रिम्स के डायरेक्टर ने आगे बताया कि अमृत फार्मेसी के कर्मियों को भी दवाइयां उपलब्ध कराने को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं ताकि मरीजों को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हो।

**इमरजेंसी में बढ़ेगी सीट-** रिम्स के निदेशक ने बताया कि अस्पताल में इमरजेंसी में भीड़ को कम करने के लिए, ऑन्कोलॉजी विभाग के पहले माले पर 90 बेड बढ़ाये जाएंगे। रिम्स निदेशक ने जानकारी देते हुए कहा कि रिम्स में बहाली की प्रक्रिया लगातार चल रही है और नर्स स्टाफ की कमी दूर करने की व्यवस्था की जा रही है।

**आरएमआई का ईओआई निकाला जाएगा: डॉ. राजकुमार-** रिम्स निदेशक ने कहा कि रिम्स में आरएमआई की सेवा जल्द शुरू करने की कोशिश की जा रही है, जब तक यह शुरू नहीं हो जाता, तब तक के लिए रिम्स के 1.5 किलोमीटर परिधि में आने वाले आरएमआई सेंटर से गरीब मरीजों की जांच हो पाए, इसके लिए टेंडर निकाला जाएगा।

**कम होंगे होमगार्ड के जवान: रिम्स निदेशक-** रिम्स निदेशक ने कहा कि जीबी की बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार, सुरक्षा में लगे होमगार्ड के जवानों को कम किया जाएगा। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि जो भी होमगार्ड के जवान काम करने वाले हैं, वो ही यहां रहेंगे।

**अगस्त में क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू होने की संभावना: रिम्स डायरेक्टर-** निदेशक ने कहा कि रिम्स में अगस्त- सितंबर तक रीजनल नेत्र संस्थान काम करने लगेगा। इसके बाद न्यूरो सर्जरी विभाग में मरीजों को बेड नहीं मिलने की समस्या का भी समाधान हो जाएगा।

**कॉमनवेल्थ और हाउस ऑफ कॉमन में सम्मानित हुए निदेशक-** रिम्स निदेशक को न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए, कॉमनवेल्थ और हाउस ऑफ कॉमन से सम्मानित किए जाने पर रिम्सकर्मियों ने निदेशक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, इससे संस्थान और झारखंड के गौरव में इजाफा हुआ है।

## झारखंड में जुबानी वार, बाबूलाल ने कहा- इरफान निकम्मे तो वह बोले- मरांडी गिरगिट

**रांची, एजेंसी।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के बीच गुरुवार को बयान के तीर चले। मरांडी ने डॉ. इरफान अंसारी को निकम्मा करार दिया।

उन्होंने साहिबगंज की घटना का हवाला दिया, जहां एक बीमार किशोरी को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा और मृत्यु के बाद शव को 10 किलोमीटर तक खाट पर ढोना पड़ा, क्योंकि एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि एंबुलेंस संचालन की जिम्मेदारी मंत्री के करीबी को सौंप दी गई और सरकारी अस्पतालों में उनके अबोध बेटे का हस्तक्षेप हो रहा है। मरांडी ने कहा कि ऐसे निकम्मे स्वास्थ्य मंत्री न केवल सरकार, बल्कि जनता पर बोझ बन चुके हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस सेवाओं की तत्काल समीक्षा करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। मरांडी ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार अब समय की मांग है। इसके जवाब में स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मरांडी पर तीखा पलटवार किया।

उन्होंने मरांडी की राजनीति को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली करार दिया और कहा कि उनकी नकारात्मक सोच झारखंड की जनता के लिए सबसे बड़ा बोझ बन चुकी है।

इरफान अंसारी ने आरोप लगाया कि मरांडी का हमला इसलिए है क्योंकि वह अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, जो उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा। व्यंग्यात्मक लहजे में अंसारी ने कहा कि गिरगिट ने आत्महत्या कर ली, सुसाइड नोट में लिखा - इंसानों से ज्यादा रंग मैं नहीं बदल सकता। इरफान ने कहा कि मरांडी को अच्छे काम और विकास दिखाई नहीं देते, उनकी राजनीति हर काम में खामी निकालने और तारीफ से एलर्जी तक सिमट गई है। उन्होंने मरांडी से गंभीरता बरतने की अपील की, जो उनकी उम्र और ओहदे की मांग है।

## पूर्व सीएम रघुवर दास को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि, तेजस्वी और कांवड़ विवाद पर दिया बयान

**गढ़वा, एजेंसी।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास को अब डॉ. रघुवर दास के नाम से जाना जाएगा। उन्हें यह मानद डॉक्टरेट उपाधि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने प्रदान की। यह सम्मान पलामू के विश्रामपुर में रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान दिया गया। इस अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

**दीक्षांत समारोह में सम्मान-** दीक्षांत समारोह में रघुवर दास ने विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक विकास में विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भरता और नैतिकता पर जोर दिया।

**तेजस्वी के बहिष्कार बयान पर प्रतिक्रिया-** मीडिया से बातचीत में रघुवर दास ने बिहार के विपक्षी नेता तेजस्वी यादव के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर दिए गए बयान पर टिप्पणी की। तेजस्वी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बहिष्कार की संभावना पर गठबंधन दलों से चर्चा की बात कही थी। इस पर दास ने कहा, कोई कितना भी गुमराह करने की कोशिश करे, जनता भटकने वाली नहीं है। जनता को अपने मताधिकार का उपयोग देश और राज्य के हित में करना चाहिए। ऐसी सरकार चुननी चाहिए जो जनता के लिए काम करे।

**कांवड़ यात्रा पर विवादित बयान की निंदा-** रघुवर दास ने एआईएमआईएम के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के कांवड़ यात्रियों के खिलाफ दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा की। शौकत अली ने कहा था कि कांवड़ियों को जेल में होना चाहिए। इस पर दास ने कहा, ऐसे उन्मादी बयानों से जनता गुमराह नहीं होगी। यह सनातन धर्म और आस्था का सवाल है। जनता ऐसे बयानों को समझती है और इनका जवाब देती है।

**बाघमारा हिंसा पर सरकार को घेरा-** बाघमारा में हाल की हिंसा पर रघुवर दास ने झारखंड सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह सरकार की कमजोरी है। ऐसे गंभीर मुद्दों पर सरकार को पहले से सचेत रहना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने सरकार से इस तरह के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

### भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर टिप्पणी

झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चयन के सवाल पर रघुवर दास ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, भाजपा में पद मांगा नहीं जाता, पद मिलता है। उन्होंने इस मुद्दे पर ज्यादा टिप्पणी करने से परहेज किया।

### सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दीक्षांत समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। स्थानीय प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## मंत्री इरफान अंसारी ने कहा- मैं बाबूलाल मरांडी का इलाज करूंगा

**रांची, एजेंसी।** राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हाल के दिनों में की जा रही टिप्पणी पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। स्वास्थ्य मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का इलाज करने तक की भी बात कही है। झारखंड मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बाबूलाल मरांडी के द्वारा सोशल मीडिया पर साहिबगंज सहित राज्य के विभिन्न जिलों की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर टिप्पणी किए जाने पर जमकर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों को मैं बहुत सम्मान करता हूं, मगर बाबूलाल मरांडी ऐसा काम कर रहे हैं जिसपर लोग हंस रहे हैं। कहते हैं कि खाली दिमाग शैतान का होता है। वहीं स्थिति उनकी है, जो खालीपन के कारण कभी साहिबगंज में खटिया पर मरीज का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करते हैं तो कभी मोटरसाइकिल पर मरीज तो कभी 108 एंबुलेंस की बदहाल स्थिति को बताते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com



## संक्षिप्त समाचार

### दहेज प्रथा, भव्य शादियों और धर्मांतरण पर अंकुश लगाएगी नई हिंदू आचार संहिता

**वाराणसी , एजेंसी।** काशी विद्वत परिषद ने हिंदू परंपराओं और सामाजिक व्यवहार में सुधार के लिए एक नई हिंदू आचार संहिता जारी की है। 400 पन्नों के इस दस्तावेज को देश भर के विद्वानों, शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों और संतों के साथ लंबे विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। नई संहिता में दहेज पर पूर्ण प्रतिबंध, शादियों में फिजूलखर्ची पर रोक और दिन में वैदिक तरीके से

विवाह करने की सलाह दी गई है। अंतिम संस्कार के बाद होने वाले भोज में केवल 13 लोगों को शामिल करने की सीमा तय की गई है। इसके साथ ही प्री-वेडिंग शूट और सगाई जैसी आधुनिक प्रथाओं को भी हतोत्साहित किया गया है। संहिता में हिंदू धर्म में वापसी की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

जिन लोगों ने किसी दबाव में धर्म परिवर्तन कर लिया था, वे लोग अपने गोत्र और नाम सहित हिंदू धर्म में वापस लौट सकेंगे। इसके साथ ही मंदिरों की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिरों के गर्भगृह में केवल पुजारियों और संतों के प्रवेश की अनुमति होगी।

**अक्तूबर 2025 में आधिकारिक तौर पर होगी लागू-** काशी विद्वत परिषद के महासचिव राम नारायण द्विवेदी ने बताया कि इस संहिता को 70 विद्वानों द्वारा विकसित किया गया है। ये विद्वान 11 टीमों और तीन उप-टीमों में विभाजित थे। प्रत्येक टीम में उत्तरी और दक्षिणी भारत के पांच विद्वान शामिल थे। संहिता को अंतिम रूप देने के लिए 40 से ज्यादा बैठकें आयोजित की गईं। उन्होंने बताया कि इस संहिता की 5 लाख प्रतियां पूरे देश में बांटी जाएंगी। इस संहिता को तैयार करने में मनुस्मृति, पराशर स्मृति, देवल स्मृति के साथ-साथ गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अंशों को शामिल किया गया है। अक्टूबर 2025 में शंकराचार्यों, रामानुजाचार्यों और प्रमुख संतों की स्वीकृति के बाद इस संहिता को आधिकारिक तौर पर लागू किया जाएगा।

### एटा चुंगी चौराहे पर किन्नरों ने किया नग्न प्रदर्शन, पूरे थाने को सस्पेंड करने की मांग

**अलीगढ़ , एजेंसी।** अलीगढ़ के एटा चुंगी चौराहे पर सुबह जब स्कूल की बसें बच्चों को लेने जा रहीं थीं। धनीपुर मंडी के लिए लोग खरीदारी के लिए जा रहे थे। चार-पांच किन्नरों ने चौराहे पर अपनी गाड़ी रोककी। उसमें से किन्नर निकले और चौराहे को चारों ओर से जाम कर दिया। वहां के कुछ वाहनों को चौराहे पर खड़ा कर उनकी चाबियां निकाल लीं। चौराह चारों और से ब्लॉक हो गया। किन्नरों ने चौराहे पर अपने कपड़े उतारे और वहां

पुलिस वालों के खिलाफ नग्न प्रदर्शन करने लगे। उनके प्रदर्शन से वहां और राहगीर इकट्ठा हो गए। किन्नरों ने प्रदर्शन करते हुए पूरे महुआखेड़ा थाने को सस्पेंड करने की मांग शुरू कर दी। सूचना पर चौराहे पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। पुलिस ने किन्नरों को बहुत समझाया, पर वे नहीं माने।

किन्नरों ने पुलिस पर पीटने का आरोप भी लगाया। किन्नरों का कहना था कि उनके साथी से रुपये आदि लूट लिए गए और जब महुआखेड़ा थाने गए तो वहां पर पुलिस वालों ने भी विरोधियों की सुनी और उनके साथ मारपीट की। चौराहे पर किन्नर अड़ गए कि जब तक यहां डीएम, एसएसपी, सांसद सतीश गौतम नहीं आएंगे, तब तक जाम नहीं खोला जाएगा। किन्नर पूरे महुआखेड़ा थाने का सस्पेंड करने की मांग करने लगे। एक से डेढ़ घंटे तक जाम में स्कूली बसें, रोडवेज बसें, ट्रक और टिर्री आदि फंस गए। जाम से परेशान एक व्यक्ति ने किन्नरों के विरोध का विरोध किया तो किन्नरों ने उसे दोड़ा दिया।

**डाटा अपडेट न होने से फंसा शिक्षामित्रों का समायोजन**

# महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बीएसए से जताई नाराजगी

**लखनऊ , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में शिक्षामित्रों के तबादला व समायोजन के निर्देश पूर्व में जारी किए गए हैं। बावजूद इसके इनके डाटा मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट न होने से समायोजन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने इस पर सभी बीएसए से नाराजगी जताई है। साथ ही समय से डाटा अपडेट न करने पर कार्रवाई के लिए भी चेताया है।

छह जिलों को छोड़कर अन्य जिलों के बीएसए से उन्होंने कहा है कि जून में जारी निर्देश के क्रम में शिक्षामित्रों के नाम, पहली तैनाती वाले विद्यालय, वर्तमान में कार्यरत विद्यालय, जन्मतिथि आदि से जुड़ी जानकारी मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट किए जाने के निर्देश जून में दिए गए थे। हाल में की गई ऑनलाइन समीक्षा बैठक में पता चला है कि कुछ ही जिलों में यह कार्य किया गया है। उन्होंने कहा है कि यह अधिकारियों के आदेशों-निर्देशों का उल्लंघन और विभागीय दायित्व के प्रति उदासीनता है। उन्होंने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह प्रक्रिया हर हाल में 30 जुलाई तक पूरी की जाए। इसकी सूचना राज्य परियोजना कार्यालय को भी भेजी जाए। इसके बाद कोई भी अपडेट स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही भविष्य में किसी तरह की कमी मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी की जाएगी।

**एक सप्ताह में प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के निर्देश-** इसी क्रम में उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों के डाटा का भी सत्यापन व परीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अनुदेशकों का जिले के अंदर ही नए विद्यालय में अनुबंध की कार्यवाही की जानी है। पहले व दूसरे चरण के बाद तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए मानव संपदा पोर्टल पर डाटा अपडेट व सत्यापन करने का प्रमाणपत्र एक सप्ताह में उपलब्ध कराने को कहा है।

**डायट में भी लगेंगी बच्चों की क्लास, खुलेगी मॉडल बाल वाटिका आंगनबाड़ी को भी किया जा सकेगा शामिल**

**लखनऊ , एजेंसी।** भावी शिक्षक तैयार करने वाले जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में अब बच्चों की भी कक्षाएं चलेंगी। योजना के तहत प्रदेश के सभी 75 डायट में मॉडल बाल वाटिका स्थापित की जाएगी। यहां पांच से छह साल के बच्चों का प्रवेश और पढ़ाई कराई जाएगी। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर यह कवायद हो रही है। सभी डायट में डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) कोर्स का संचालन हो रहा है। दो वर्षीय यह डिप्लोमा करने वाले युवा शिक्षक बनने के लिए योग्य होते हैं। हाल के दिनों में शिक्षा मंत्रालय की ओर से इन डायट को काफी समृद्ध किया जा रहा है। इसके तहत यहां पर स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, बिल्डिंग, हॉस्टल आदि अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। अब डायट में मॉडल बाल वाटिका के संचालन का निर्णय लिया गया है। यहां पर पांच से छह साल के बच्चों का प्रवेश और पढ़ाई कराई जाएगी। इसका संचालन बाल विकास पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा विभाग का राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) मिलकर करेंगे। इस कवायद का दोहरा लाभ होगा। एक तरफ जहां डीएलएड प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे, वहीं डायट के शैक्षिक संसाधनों का भी बेहतर प्रयोग होगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की अध्यक्षता में इस संबंध में एक बैठक भी हो चुकी है।

#### पढ़ाई के लिए आदर्श बनेंगी यह बाल वाटिका

एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने बताया कि समग्र शिक्षा के प्री प्राइमरी प्रकोष्ठ के तहत सभी डायट में मॉडल बाल वाटिका के संचालन की सहमति दी गई है। पहले चरण में इसकी शुरुआत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डायट से किया जाएगा। इससे पठन-पाठन की व्यवस्था बेहतर होगी और डायट के संसाधनों का बेहतर प्रयोग होगा। यह बाल वाटिका संबंधित जिले के लिए आदर्श बनेंगी। इससे अन्य भी इसके अनुसार बाल वाटिका का संचालन कर सकेंगे।

ये 28 डायट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

पहले चरण में अलीगढ़, आगरा, गोरखपुर, बाराबंकी, कानपुर देहात, जौनपुर, कुशीनगर, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रयागराज, वाराणसी व लखनऊ डायट 103 करोड़ से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन रहे हैं। दूसरे चरण में गाजीपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, मथुरा, प्रतापगढ़, भदोही, आजमगढ़, उन्नाव, हाथरस, कानपुर नगर, सुल्तानपुर, फिरोजाबाद, श्रावस्ती, बागपत व कौशांबी डायट शामिल हैं।

**मौलाना तौकीर बोले- छांगुर की तरह मुझे भी फंसाया जा सकता है**

# भाजपा-आरएसएस से हो रहा हिंदुत्व का नुकसान

**बरेली , एजेंसी।** बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल पर निशाना साधा है। मौलाना ने कहा कि भाजपा, आरएसएस, विहिप और बजरंग दल जैसे संगठन हिंदुस्तान का बड़ा नुकसान कर रहे हैं। हिंदुत्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद का जो हिंदुत्व है, वह हिंदुओं को बदनाम करने वाला है। सरकार के खिलाफ जो है, उसे ये लोग हिंदू मानने को तैयार नहीं हैं। पूरे हिंदुस्तान में असल हिंदुस्तानी को उसका हिस्सा नहीं मिल रहा है, बाहर से आए लोग मलाई खा रहे हैं।

तौकीर रजा ने कहा कि कल मुझे भी छांगुर की तरह फंसाया जा सकता है। मुझ पर आरोप लगा दिए जाएंगे। विदेशी फंडिंग, आईएसआई, पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा से बड़ी आसानी से कनेक्शन दिखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि छांगुर बाबा जैसे लोग गैर मुस्लिमों को मुसलमान बनाने की कोशिश न करें। हमारे यहां इसकी सख्त पाबंदी है। इश्क, प्यार-मोहब्बत, लालच, नौकरी के नाम पर कोई मुसलमान नहीं बनता। उन्होंने कहा कि गैर मुस्लिम को मुसलमान बनाने का क्या मतलब है। मुसलमान को सच्चा मुसलमान बनाना हमारी जिम्मेदारी है।

तौकीर रजा ने कहा कि इस्लाम बहुत पुराना मजहब नहीं है, जो नया होता है लोग उसे ही अपनाते हैं। पुराना रिजेक्ट कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान में जब इस्लाम आया तो लोग बड़ी तेजी से मुसलमान होना शुरू हो गए थे। जो हिंदू समाज के लोग मुसलमान हुए। वह अपने साथ-साथ अपने रस्मो-रिवाज लेकर आ गए। इसी वजह से गैर मुस्लिमों के रस्मो रिवाज बढ़ते चले जा रहे हैं, जिससे मुसलमान बदनाम हो रहा है।

**डेढ़ किलो सोना और ढाई किलो चांदी...**

### आगरा में चोरी की बड़ी वारदात, एक ही रात में ब्राह्मण परिवार हुआ बर्बाद

**आगरा , एजेंसी।** आगरा के फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र के गांव औलेंडा के रहने वाले ब्राह्मण परिवार के घर चोरों ने आधी रात को धावा बोला। परिवार के सदस्यों को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से सोने-चांदी के करीब डेढ़ करोड़ रुपये के आभूषण ले उड़े। घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद जांच शुरू कर दी है। चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करोड़ों रुपए के आभूषण समेत हजारों रुपए की नकदी को पार कर दिया। सुबह जब घटना की जानकारी हुई तो परिजनों के होश उड़ गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। वहीं पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। जानकारी के अनुसार ओलिंडा निवासी ब्रजेश शर्मा पुत्र श्रीकृष्णा शर्मा के घर से चोरों ने नकदी समेत करोड़ों के आभूषण चोरी कर लिए। चोरों ने छत के रास्ते घर में घुसकर डेढ़ किलो सोने और ढाई किलो चांदी के आभूषण और 50 हजार की नकदी चोरी की। घटनास्थल पर पुलिस मौजूद है और जांच पड़ताल में जुटी हुई है। डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस जल्द ही चोरों को पकड़कर चोरी का माल बरामद करने का प्रयास कर रही है। वहीं इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बता दें कि करीब 10 दिन पहले भी गांव के एक अन्य घर में चोरी हुई थी। ग्रामीणों को लगता है कि चोरों का गिरोह सक्रिय है और वे लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

### साइबर सुरक्षा पर मर्चेंट्स चैंबर में सत्र का आयोजन, वक्ता बोले- हर दिन ठग अपनाते हैं नए तरीके

**कानपुर , एजेंसी।** कानपुर में मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश की सूचना एवं प्रौद्योगिकी समिति की ओर से गुरुवार को चैंबर सभागार में सत्र का आयोजन किया गया। इसका विषय साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट और धोखाधड़ी के व्यावहारिक पहलू था। वक्ताओं ने कहा कि साइबर अपराध व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। मुख्य वक्ता कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी के प्रोफेसर संदीप के सक्सेना ने बताया कि साइबर ठग हर दिन ठगी करने के लिए नए-नए तरीके अपनाते हैं। मौजूदा समय में बुजुर्गों, पेशेवरों को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि इनसे बचने का सही तरीका जागरूकता है। कभी भी ओटीपी, बैंक से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी किसी को भी साझा न करें।

#### साइबर सुरक्षा के प्रति होना होगा सजग

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष सीए मुकुल टंडन और समिति के अध्यक्ष सीए अनिल के सक्सेना ने कहा कि डिजिटल लेन-देन और ऑनलाइन गतिविधियों की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति सजग होना होगा। यहां पर डॉ. आईएम रोहतगी, राज कुमार अग्रवाल, छवि जैन, सुधींद्र कुमार जैन, मनु अग्रवाल, अमित पांडेय, अतुल कनोडिया, अनिल अग्रवाल, राजीव मेहरोत्रा, सुशील शर्मा, नरेंद्र डालमिया, मनीष कटारिया, अतुल मेहरोत्रा, राहुल चंद्रा आदि थे।

**प्रधानी के चुनाव की तैयारी कर रहे प्रॉपर्टी डीलर की हत्या**

**अलीगढ़ , एजेंसी।** अलीगढ़ के हरदुआ देहात के तालानगरी इलाके में प्रधानी के चुनाव तैयारी कर रहे प्रॉपर्टी डीलर व ट्रांसपोर्टर सोनू चौधरी की हत्या कर दी गई है। सोनू सुबह-सुबह गांव कोडरा से अपनी कार से निकल कर जा रहे थे। तभी गांव के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने घेर कर उन्हें चार गोलियां मारी। अभी हत्या का कारण या रंजिश स्पष्ट नहीं है। पुलिस कई कारणों पर जांच कर रही है। गांव में भी चुनाव को लेकर तनातनी का माहौल है।

**आठ माह के बेटे को उल्टा लटकाकर गांव में घूमा पिता**

# बिना कसूर मिली सजा

**रामपुर , एजेंसी।** यूपी के रामपुर स्थित अजीमनगर थाना क्षेत्र के करनपुर गांव में एक पिता ने अमानवीय हरकत करते हुए अपने आठ माह के मासूम बेटे को उल्टा लटकाकर गांव में घुमा दिया। पत्नी से विवाद के बाद वह बच्चे को हवा में लहराते हुए पूरे गांव में घूमता रहा। इस दिल दहलाने वाले दृश्य का एक वीडियो भी वायरल हो गया, जिसे देखकर लोग सन्न रह गए।

जानकारी के अनुसार, थाना अजीमनगर के गांव करनपुर निवासी संजू का अपनी पत्नी सुमन से विवाद चल रहा था। सुमन के भाई शिव चरन ने बताया कि लगभग दो साल पहले उसकी बहन सुमन का विवाह संजू से हुआ था। विवाह के बाद से ही वह दहेज के लिए सुमन को प्रताड़ित करता था। कुछ दिन पहले मारपीट कर ससुराल से निकाले जाने के बाद पंचायत के माध्यम से सुमन फिर से अपने ससुराल लौटी थी।

शिव चरन के अनुसार, 19 जुलाई को संजू ने फिर से पत्नी को पीटा। जब सुमन ने अपने मायके वालों को फोन कर सूचना दी, तो संजू आगबबूला हो गया और सुमन को घर से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। इसके बाद उसने अपने आठ माह के बेटे को उल्टा लटका कर हवा में लहराते हुए पूरे गांव में घुमाया। इस दौरान बच्चा लगातार रोता रहा और ग्रामीण तमाशबीन बने रहे, किसी की भी उसे रोकने की हिम्मत नहीं हुई।

**किसी तरह छीना संजू से बच्चा** - करीब आधे घंटे तक यह अमानवीय नजारा गांव में चलता रहा। बाद में संजू के परिजनों ने किसी तरह बच्चे को उससे छीना। इसी दौरान महिला का भाई

भी गांव पहुंचा और वह अपनी बहन व मासूम को लेकर मिलकखानम थाना क्षेत्र के गांव शादीनगर हजीरा चला गया।

**संजू ने ससुराल वालों पर लगाया पीटने का आरोप-** सूचना पर आरोपी संजू भी वहां पहुंचा और हंगामा करने लगा। मिलकखानम थानाध्यक्ष निशा खटाना के अनुसार, संजू थाने पहुंचा और ससुराल पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया, लेकिन जब जांच की गई तो पूरे मामले का सच सामने आ गया। पुलिस ने 22 जुलाई को उसे गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा में एसडीएम कोर्ट भेजा, जहां से उसे जमानत दे दी गई।

**पुलिस की कार्रवाई से गांव वाले नाखूश-** ग्रामीणों का कहना है कि सवाल यह है कि ऐसे अमानवीय कृत्य करने वाले आरोपी के खिलाफ कड़ी धाराओं में कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

**मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा**

### दो बाइकों की जोरदार टक्कर में दोनों चालकों की मौत, आठ साल की बच्ची घायल

**मिर्जापुर , एजेंसी।** मिर्जापुर जिले के चुनार कोतवाली क्षेत्र के मूंदीपुर गांव स्थित मजार के पास भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात बाइक सवार ने दूसरी बाइक में टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार गंभीर रूप हुए घायल हो गए। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के पुरनपट्टी गांव निवासी (42) अतुल कुमार सिंह उर्फ रामु अपनी पुत्री अदिति (08) को लेकर दवा लेने तम्मलपट्टी गांव गए थे। वहां से दवा लेकर वापस घर आ रहे थे। जैसे ही वे मूंदीपुर गांव स्थित मजार के पास पहुंचे तभी सामने से तेज गति से आ रहे अज्ञात बाइक सवार ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों बाइक सवार और साथ बैठी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें चुनार पुलिस ने गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने अतुल कुमार सिंह व अज्ञात बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल अदिति का उपचार चल रहा है। मृतक को एक पुत्र व एक पुत्री है। वह चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

# ऐशबाग की मोतीझील के पास सात करोड़ से बनेगा पार्क

**लखनऊ, एजेंसी।** राजधानी लखनऊ के ऐशबाग में 11 हेक्टेयर में फैली मोतीझील के पास जल्द सात करोड़ रुपये की लागत से मोती पार्क बनाया जाएगा। इसमें कियॉस्क, वॉक-वे, पार्किंग व बैठने के लिए विशेष स्थान बनाए जाएंगे। जमुना झील व मोतीझील में सीधे जाने वाले सीवेज को शोधित कर छोड़ा जाएगा।

मंडलायुक्त व एलडीए चेयरपर्सन डॉ. रोशन जैकब ने बृहस्पतिवार को एलडीए के पारिजात सभागार में बैठक कर परियोजनाओं को मंजूरी दी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जमुना व मोतीझील से कब्जे हटाकर फेंसिंग व पिलर बनाने का काम कराया जा रहा है। जमुना झील के पास अटल पार्क का काम पूरा हो चुका है। इसी के तर्ज पर मोतीझील के पास मोती पार्क बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया गया है। जमुना झील व मोती झील के पास कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड की भी व्यवस्था है। सीवेज को ट्रीट करके झील में साफ पानी छोड़ा जा सकेगा।

मंडलायुक्त ने कहा कि ऐशबाग रोड की ओर से पार्क में जाने के लिए रास्ता तैयार कराया जाए। उन्होंने

कुकरैल नदी के सुंदरीकरण प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की। कहा कि भीखमपुर में अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि को सौमित्र वन की तरह विकसित किया जाए। इसकी जिम्मेदारी एलडीए को सौंपी गई है। इसमें वन विभाग सहयोग देगा।

**चरक चौराहा भी होगा रिडिजाइन-** चौक स्थित चरक चौराहे को री-डिजाइन करके ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर किया जाएगा। मंडलायुक्त ने नगर निगम व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कंसल्टेंट के साथ जॉइंट सर्वे करके रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। रोटरी को बीच में शिफ्ट करते हुए सड़क चौड़ीकरण करने के लिए कहा गया। नींबू पार्क से चरक चौराहे की ओर आने वाली सड़क का चौड़ीकरण भी जल्दी कराया जाएगा।

#### हजरतगंज का रंग-रूप फाइनल

हजरतगंज में भवनों, साइनेज, स्ट्रीट लाइटों, फर्नीचर व बोलार्ड आदि के रंग व डिजाइन फाइनल कर दिए गए हैं। व्यापारियों को रेलिंग, लाइटों, बेंच, साइनेज बोर्ड आदि के सैंपल भी दिखाए गए। बैठक में व्यापारियों ने सीवर व पानी के कनेक्शन की समस्या को रखा। मंडलायुक्त ने नगर आयुक्त को इनका समाधान करने के लिए कहा।

### प्रेमिका से मिलने गया था प्रेमी, घरवालों ने पकड़कर करा दी शादी

**अमरोहा , एजेंसी।** यूपी के अमरोहा स्थित आदमपुर थाना क्षेत्र में एक प्रेम कहानी ने सुखद मोड़ लिया है। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव का युवक प्रेमिका से मिलने महाशिवरात्रि के मेले में आदमपुर पहुंच गया। जहां दोनों को परिजनों ने पकड़ लिया।

इसके बाद पंचायत बैठी। पंचायत ने दोनों की शादी कराने का फरमान जारी कर दिया। लिहाजा दोनों की मंदिर में शादी करा दी गई। पुलिस जानकारी से इनकार कर रही है।

**रात प्रेमिका को छोड़ने के दौरान पकड़ा गया**

गजरौला थाना क्षेत्र के गांव निवासी 22 वर्षीय युवक का आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव की रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग हो गया था। बुधवार को युवक अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आदमपुर के शिव मंदिर में लगने वाले सावन माह की शिवरात्रि मेले में ले गया। जब वह देर रात प्रेमिका को छोड़कर जाने लगा, तो ग्रामीणों और परिजनों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही प्रेमी के परिजन भी प्रेमिका के गांव शीतला सराय पहुंच गए।

**ढाई घंटे चली पंचायत-** गुरुवार को गांव में ढाई घंटे चली पंचायत के बाद यह तय हुआ कि प्रेमी और प्रेमिका की शादी कराई जाएगी। दोनों परिवार और प्रेमी-प्रेमिका इस फैसले पर सहमत हो गए। इसके बाद, गांव के शिव मंदिर में पूरे रीति-रिवाज से दोनों के फेरे कराए गए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com



## संक्षिप्त समाचार

### मोहम्मदहेड़ी बना 'ब्रह्मपुरी', हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम जिले के 2 ऐतिहासिक गांवों के नाम बदले

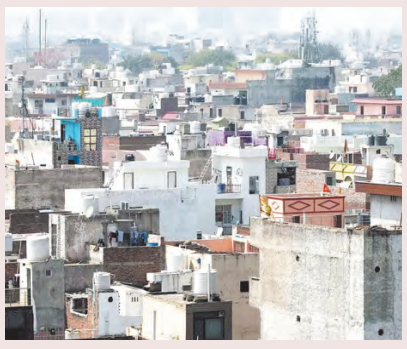

**गुरुग्राम , एजेंसी।** हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम जिले के दो महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक गांवों के नाम बदल दिए हैं। गुड़गांव गांव को अब गुरुग्राम जबकि मोहम्मदहेड़ी को ब्रह्मपुरी नाम से जाना जाएगा। प्रदेश सरकार ने बुधवार को इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी। स्थानीय निवासियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लंबे समय से इन दोनों गांवों के नामों को बदलने की मांग की जा रही थी। गुड़गांव शहर का नाम पहले ही बदलकर गुरुग्राम कर दिया गया था, लेकिन शहर के मूल और ऐतिहासिक गुड़गांव गांव का नाम अभी भी वही था। ऐसी मान्यता है कि गुरुग्राम नाम महाभारत काल से जुड़ा है, जहां गुरु द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों पांडवों और कौरवों को शिक्षा दी थी। मोहम्मदहेड़ी गांव का नाम बदलकर ब्रह्मपुरी कर दिया गया है। ग्रामीणों का मानना था कि नया नाम उनकी सांस्कृतिक और सामुदायिक पहचान के अधिक करीब है और गांव के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है। ग्रामीण राकेश राव ने बताया कि ग्रामीणों ने कई बार गांव के नाम बदलने को लेकर मांग की थी। कई बार लोग विरोध प्रदर्शन भी कर चुके हैं। लोगों का कहना है कि मोहम्मदहेड़ी इस्लामिक नाम लगता था। इन दोनों गांवों के नाम बदलने के साथ ही, ऐसी मांग भी उठ रही है कि मोहम्मदपुर झाड़सा गांव का नाम भी बदला जाए। इसको लेकर ग्रामीण कई बार मांग कर चुके हैं। नाम बदलने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने गुरुवार को केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। शर्मा ने उनके समक्ष तीन सड़कों का निर्माण एनएचएआई के माध्यम से करवाने की मांग रखी। विधायक ने कहा कि गुरुग्राम-दिल्ली के बीच यातायात को सुगम करने के लिए तीन मुख्य सड़कों का निर्माण करवाया जाए। गुरुग्राम बस स्टैंड से सीआरपीएफ चौक से कामधेनु गौशाला होते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक सड़क (ओल्ड नजफगढ़ रोड) का निर्माण करवाया जाए। इसके बनने के बाद हजारों वाहन चालकों को लाभ मिलेगा।

### इंदिरा गांधी से आगे निकले नरेंद्र मोदी, सबसे लंबे कार्यकाल वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नरेंद्र मोदी ने एक साथ सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वह आज यानी 25 जून, 2025 से सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्रियों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ दिया है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ही अब उनसे आगे रह गए हैं। उनसे पहले इंदिरा गांधी का कार्यकाल 24 जनवरी 1966 से लेकर 24 मार्च 1977 तक रहा था। उनका कुल कार्यकाल 4077 दिनों का था और आज से पीएम नरेंद्र मोदी का कार्यकाल 4078 दिनों का हो गया है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि नरेंद्र मोदी बीते 24 सालों से सत्ता में हैं। वह पहले लगातार गुजरात के सीएम रहे और फिर लगातार करीब 11 सालों से प्रधानमंत्री बने हुए हैं। एक बात और है कि पीएम नरेंद्र मोदी देश की आजादी के बाद पैदा होने वाले पहले शख्स हैं, जो पीएम की कुर्सी तक बैठे हैं। वह सबसे लंबे कार्यकाल वाले देश के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम था। गैर-हिंदी भाषी राज्य से आने वाले वह पहले प्रधानमंत्री हैं, जिनका कार्यकाल इतना लंबा रहा है। यदि राज्य में उनके सीएम कार्यकाल को भी गिन लिया जाए तो वह पहले नेता हैं, जो किसी चुनी हुई सरकार के सबसे लंबे समय तक मुखिया रहे हैं। वह ऐसे पहले और गैर-कांग्रेसी पीएम हैं, जिन्होंने अपने दो कार्यकाल लगातार पूरे किए हैं। एक रिकॉर्ड यह भी है कि वह पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने अपने दम पर बहुमत हासिल करके दो बार सरकार बनाई। इंदिरा गांधी के कार्यकाल के बाद वह पहले ऐसे पीएम हैं।

# फर्जी राजदूत के मॉरीशस समेत 4 देशों में 11 बैंक खाते मिले, अंतरराष्ट्रीय दलाल से भी जुड़े तार

**गाजियाबाद एजेंसी।** गाजियाबाद के कविनगर में किराये की कोठी नंबर केबी-35 में अवैध रूप से दूतावास चलाने वाले फर्जी राजदूत हर्षवर्धन जैन के मॉरिशस समेत चार देशों में 11 बैंक खाते मिले हैं। उसके पास मिले दो पैन कार्ड के जरिये इन खातों की पहचान की गई। हर्षवर्धन जैन के दुबई में छह खाते, मॉरीशस में एक, यूके में तीन और भारत में एक बैंक खाता है। एसटीएफ के अधिकारियों का कहना है कि इन खातों में की गई लेन-देन की जांच की जा रही है।

एसटीएफ की नोएडा यूनिट के एएसपी राजकुमार मिश्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय दलाल एहसान अली सैयद के साथ हर्षवर्धन का संपर्क मिला है। बैंक खातों में हुए लेन-देन, एहसान से संलिप्तता और अन्य विस्तृत जानकारी के लिए हर्षवर्धन को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। रिमांड पर लेने के लिए कविनगर पुलिस के साथ

मिलकर कार्रवाई की जा रही है। जांच में यह भी पता चला है कि डिंपल जैन के खाते से ही कोठी का किराया आ रहा था।

एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन की मुलाकात हथियारों के सौदागर सउदी निवासी अदनान खगोशी और लंदन निवासी एहसान अली सैयद से कराई थी। इसके बाद हर्षवर्धन जैन ने एहसान अली के साथ मिलकर विदेशों में कई कंपनियां रजिस्टर्ड कराईं। इनमें यूके की स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ईस्ट इंडिया कंपनी यूके लिमिटेड, यूएई की आइसलैंड जनरल ट्रेडिंग कंपनी एलएलसी, मॉरीशस की इंदिरा ओवरसीज लिमिटेड और अफ्रीका के कैमरून में केमरून इस्पात सार्ल नाम की कंपनी चिन्हित हुई है।

हर्षवर्धन जिस कोठी में अवैध दूतावास चला रहा था, उसके मालिक समाजसेवी सुशील चौधरी हैं। उनका कहना है कि चार महीने पहले उन्होंने कोठी शहर के एक संभ्रांत व्यक्ति के कहने पर 80 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर दी थी। उनके साथ हर्षवर्धन जैन के साले सतीश भी आए थे। हर्षवर्धन जैन की पत्नी डिंपल जैन के नाम कोठी का बकायदा रजिस्टर्ड एग्रीमेंट किया गया। सुशील चौधरी ने बताया कि नोएडा एसटीएफ को उन्होंने सारी जानकारी दे दी है। एहसान अली मूलरूप से हैदराबाद का रहने वाला है, लेकिन उसने तुर्किये की नागरिकता ली हुई है। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन जैन को इसी के पास लंदन भेजा था। हर्षवर्धन ने एहसान अली के साथ मिलकर लंदन में कई शैल कंपनियां बनाईं और उन्हीं के आधार पर बड़ी दलाली की। एहसान ने स्विस आधारित कंपनियों को वर्ष 2008 से 2011 के बीच लगभग 70 मिलियन पाउंड लोन दिलाने के नाम पर 25 मिलियन पाउंड (करीब तीन अरब रुपये) की दलाली ली और वहां से भाग गया। 22 नवंबर 2022 को स्विस सरकार के आग्रह पर लंदन पुलिस ने एहसान अली को गिरफ्तार किया।

### गाजियाबाद में डिलीवरी बॉय बनकर आए लुटेरे, ज्वेलरी शोरूम से सोना-चांदी व कैश लूटा

**गाजियाबाद , एजेंसी।** गाजियाबाद के लिंक रोड थाना क्षेत्र में डिलीवरी बॉय वेश में आए हथियारबंद बदमाशों ने गुरुवार को दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शोरूम में घुसकर गन पॉइंट पर लाखों के गहने और नगदी लूट ली। लूटपाट की यह घटना ज्वेलरी शोरूम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीम लगाई गई हैं। बृज विहार में रहने वाले कृष्ण कुमार वर्मा का घर से कुछ दूरी पर ज्वेलरी शोरूम है। यह शोरूम उन्होंने करीब दो साल पहले खोला था और शुभम नाम का युवक यहां काम करता था। गुरुवार दोपहर 3 बजे के बाद कृष्ण कुमार ने शुभम से कहा कि वह टॉयलेट के लिए घर जा रहे हैं। जब तक न लौटें, शोरूम का दरवाजा नहीं खोलना। साढ़े 3 बजे के करीब बाइक पर दो बदमाश आए और शोरूम में घुसकर एक ने शुभम की कमर पर पिस्टल लगा दी। विरोध करने पर उससे मारपीट की गई।

## ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो रूट को मंजूरी, कितने बनेंगे स्टेशन, कब तक होगा तैयार

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** केंद्र सरकार ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो के रूट को अपनी मंजूरी दे दी। यह मार्ग 2.6 किलोमीटर लंबा और एक्वा लाइन का एक्सटेंशन होगा। केंद्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने मेट्रो रूट की मंजूरी के संबंध में नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) को पत्र सौंप दिया है। एक्वा लाइन के अंतर्गत अभी नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा डिपो तक मेट्रो चल रही है। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि करीब दो महीने पहले 26 मई को केंद्र के समक्ष इस रूट की योजना पर प्रस्तुतीकरण भी दिया था।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो चलाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह रूट तीन वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा।

ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक दो नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके लिए 2.6 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक बिछाया जाएगा। इन प र करीब 416.34 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। निर्माण कार्य के लिए डिजाइन सलाहकार के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद अगले पांच-छह महीने में टेंडर जारी होगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह तीन साल में बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसे में उम्मीद है कि वर्ष 2028 के अंत तक इस रूट पर मेट्रो चलने लगेगी। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि अभी एक्वा लाइन पर नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेनो के डिपो मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो चल रही है। अब ग्रेनो डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो जाएगी। बोड़ाकी बड़ा मेट्रो स्टेशन होगा। यहां मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनना है।

## जहां सोनम रघुवंशी ने ली थी राजा की जान, वहां भाई ने कराई पूजा-पाठ

**शिलॉन्ग, एजेंसी।** मेघालय में जिस स्थान पर दो महीने पहले इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की चीखें खूंजी थीं वहां गुरुवार को मंत्रोच्चार सुनाई दिए। पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज के तीन दोस्तों के हाथों मारे गए राजा रघुवंशी की आत्मा की शांति के लिए भाई ने घटनास्थल पर पूजा-पाठ कराया है। राजा रघुवंशी की मेघालय में हनीमून के दौरान 23 मई को हत्या कर दी गई थी।

ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा में वेइसाडोंग फॉल्स के निकट सुनसान पार्किंग स्थल पर राजा की हत्या धारदार हथियार से कर दी गई थी और लाश खाई में फेंक दी गई थी। राजा के भाई विपिन ने घटनास्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से अनुष्ठान कराया। मंत्रोच्चार के बीच राजा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अनुष्ठान के बाद भावुक हुए विपिन ने कहा,हम उस स्थान पर आना चाहते थे जहां हमारे राजा ने अंतिम सांस ली थी। किसी भी परिवार को ऐसा नहीं करना पड़े, लेकिन यह हमारे लिए महत्वपूर्ण था। विपिन ने कहा कि उन्हें लगता है कि राजा की आत्मा अब भी भटक रही है और उसे मोक्ष दिलाने के लिए

यह पूजा-पाठ की गई है। 11 मई को सोनम के साथ शादी के बाद 20 मई को राजा हनीमून मनाने निकले थे। 23 मई को दोनों अचानक लापता हो गए। दस दिन बाद पुलिस ने 30 फुट गहरी खाई से राजा का शव क्षत-विक्षत हालत में बरामद किया। शरीर पर चाकूओं वार के कई घाव थे। पुलिस के मुताबिक, राजा की हत्या सोनम ने अपने कथित प्रेमी के दोस्तों के साथ मिलकर की। सोनम अपने पति राजा को ट्रैकिंग और फोटो खिंचवाने के बहाने ऊंची पहाड़ी पर ले गई। बादलों के बेहद करीब जंगलों से घिरे पहाड़ी पर सुनसान इलाका है।

## छत्तीसगढ़ में 66 नक्सलियों ने सरेंडर किया, 27 महिलाएं भी शामिल

**बस्तर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में गुरुवार को 66 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर दिया। इनमें 27 महिला नक्सली भी शामिल हैं। सरेंडर करने वाले 49 नक्सलियों पर कुल 2.27 करोड़ रुपए का इनाम था। नक्सलियों ने बताया कि वे निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचारों और संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश थे।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 5 जिलों में गुरुवार को कुल 66 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर में 25, दंतेवाड़ा में 15, कांकेर में 13, नारायणपुर में 8 और सुकमा में 5 नक्सलियों ने सरेंडर किया। एक अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा, निर्दोष आदिवासियों पर नक्सलियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश थे। अधिकारी ने बताया कि नक्सली राज्य सरकार की नियाद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना, नई सरेंडर और पुनर्वास

नीति और बस्तर रेंज पुलिस द्वारा शुरू की गई पुनर्वास पहल से प्रभावित थे। बीजापुर के एसपी जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बीजापुर में सरेंडर करने वाले 25 नक्सलियों में से 23 पर कुल 1.15 करोड़ रुपए का इनाम था। इनमें ओडिशा राज्य समिति सदस्य और माओवादियों की विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य रमन्ना इरपा पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उनकी पत्नी और प्लाटून पार्टी समिति की सदस्य रमे कलमू पर 8 लाख रुपए का इनाम था। यादव ने बताया कि माओवादियों के विभिन्न समूहों में महत्वपूर्ण पदों पर सक्रिय सुक्कू कलमू, बबलू माडवी, कोसी मडकम और रीना वंजाम पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। दंतेवाड़ा के एएसपी उदित पुष्कर ने बताया कि दंतेवाड़ा में सरेंडर करने वाले 15 नक्सलियों में से 5 पर कुल 17 लाख रुपए का इनाम था। सरेंडर करने वाले 15 नक्सलियों में संभागीय समिति सदस्य बुधराम उर्फ लालू कुहराम और उसकी पत्नी कमली उर्फ मोती पोतावी शामिल हैं। दोनों पर क्रमशः 8 लाख और 5 लाख रुपए का इनाम था। जिले में 254 इनामी नक्सलियों सहित 1020 नक्सली हिंसा छोड़ चुके हैं।

## चुनाव से पहले भाषा युद्ध की बात कर माहौल बनाने लगीं ममता बनर्जी

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में अब करीब 10 महीने का ही समय बचा है। अगले साल अप्रैल-मई में राज्य में इलेक्शन होने वाले हैं। इससे ठीक पहले उन्होंने बांग्ला भाषा का मसला उठाना तेज कर दिया है। देश के कई हिस्सों में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठाए जाने को उन्होंने बंगालियों के उत्पीड़न से जोड़ दिया है। गुरुवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अब हमें फिर से एक भाषा आंदोलन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी कहकर हिरासत में लिया जा रहा है। उन्हें काम करने से रोका जा रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि यह स्थिति तो भाषाई आतंकवाद जैसी है।

इस तरह भाषा को मुद्दा बनाना और एक नए आंदोलन की बात से ममता बनर्जी ने संदेश दे दिया है कि वह चुनाव तक इस मसले को खींचने की तैयारी में हैं। पहले भी ममता बनर्जी चुनावों में बांग्ला कार्ड चलती रही हैं। ऐसे में ममता बनर्जी का रुख एक बार फिर से उसी तरफ बढ़ता दिख रहा है। ममता दीदी ने कहा, बंगाली भाषा के खिलाफ जिस तरह का भाषायी आतंकवाद शुरू किया है, वह खतरनाक है। बंगाली भाषा दुनिया में 5वीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। देश में 30 करोड़ लोग बांग्लाभाषी हैं। फिर भी इन लोगों को जेल में डाला जा रहा है। हमें इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मेरी ही बात नहीं है बल्कि तमाम बांग्ला भाषी लोगों की है। इस तरह हम लोगों की भाषा पर हमला नहीं हो सकता। बंगाल हम लोगों के लिए सब कुछ है और हम अपनी जमीन बचाने के लिए कुछ भी करेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्ला भाषा के नाम पर किसी को हिरासत में रखे जाने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दरअसल हाल ही में एनसीआर के गुरुग्राम में बांग्ला भाषी कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया था। बता दें कि बांग्ला भाषी लोगों की आबादी बंगाल के अलावा बड़ी संख्या में असम, त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी है।

## ओवरएज वाहनों पर नियम का करें अध्ययन; दिल्ली सरकार ने विभागों को दिया आदेश?

**नईदिल्ली , एजेंसी।** दिल्ली सरकार ने अपने परिवहन और पर्यावरण विभागों को पुराने वाहनों से संबंधित दिशानिर्देशों और नियमों का गहन अध्ययन करने और इन पर आम लोगों की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि विधि, परिवहन और पर्यावरण विभाग पुराने वाहनों से संबंधित नीतियों और कानूनी प्रावधानों का अध्ययन कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इसका एक खास मकसद है। करने का आग्रह किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार का पर्यावरण और परिवहन विभाग दिशानिर्देशों नियम कानूनों और जनता पर उनके प्रभाव के साथ ही पार्बदियों का पलूशन के स्तर पर होने वाले असर का अध्ययन कर रहे हैं।

## बलात्कार और हत्या का दोषी जेल से फरार, सौम्या मामले में कन्नूर कारागार में काट रहा था उम्रकैद

**कन्नूर, एजेंसी।** केरल के कन्नूर में बलात्कार और हत्या मामले का दोषी जेल से फरार हो गया है। सौम्या नाम की महिला के रेप एंड मर्डर केस में गोविंदाचामी को दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा हुई, जो कन्नूर सेंट्रल जेल में बंद था। 1 फरवरी, 2011 को 23 वर्षीय सौम्या एर्नाकुलम से शोरानूर के लिए पैसेंजर ट्रेन से जा रही थी। गोविंदाचामी ने उसके साथ बलात्कार किया और फिर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि जेल तोड़कर दोषी वहां से फरार हुआ। पुलिस ने गोविंदाचामी की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। कन्नूर टाउन पुलिस के अनुसार, इस मामले में अधिक जानकारी का इंतजार है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के गोविंदाचामी की कोठरी की जांच के दौरान उसके लापता होने का पता चला। जेल अधिकारियों ने जेल परिसर और उसके आसपास तत्काल तलाश अभियान चलाया, लेकिन कैदी कहीं नहीं मिला। पुलिस को सतर्क कर दिया गया है और तलाश अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, अब तक उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। कन्नूर टाउन पुलिस ने बताया कि कैदी के जेल से भागने की सूचना उसे सुबह 7 बजे मिली। 1 फरवरी 2011 को केरल के शोरनूर के पास मंजक्कड़ की 23 वर्षीय सौम्या के साथ एर्नाकुलम-शोरनूर यात्री ट्रेन (नंबर 56608) में भयावह घटना घटी। सौम्या एर्नाकुलम में नौकरी करती थी और छुट्टियों में अपने घर शोरनूर जा रही थी। वह अकेली थी। इस दौरान गोविंदाचामी नाम के अपराधी ने सौम्या को वल्लथोल नगर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद, उसने बलात्कार किया और हत्या कर दी।

## गुरुग्राम में रहने का असली मजा.. पूर्व सेना अफसर ने कचरे के ढेर के लिए कसा तंज

**गुरुग्राम , एजेंसी।** हरियाणा का गुरुग्राम शहर अपनी बड़ी-बड़ी बिल्डिंग के लिए जाना जाता है, लेकिन मिलेनियम सिटी इन दिनों अपने कचरे के ढेरों की वजह से सुर्खियों में है। एक सेना के पूर्व सैनिक यशपाल सिंह मोर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शहर की ऊंची-ऊंची इमारतों के ठीक बगल में कचरे का ढेर और उसमें घूमते गाय-कुत्तों का मंजर दिखा। यह वीडियो देखकर नेटिजन्स का गुस्सा फूट पड़ा।

यशपाल ने तंज कसते हुए लिखा, गुरुग्राम में रहने का असली मजा। भारत का सबसे पशु और कचरा-प्रिय शहर। शहर के किसी भी कोने में ऐसी शानदार नजारा देखने को मिल जाएगा। हमारी नगरपालिका ने कमाल कर दिया, कोई और शहर ऐसा नहीं कर सकता। वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तंज और गुस्से की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा, ये है हमारा मॉडल। हमारे शहर पशुओं के लिए इतना चारा देते हैं कि वो कभी भूखे नहीं रहते। कितना मानवीय और दयालु है ना। एक अन्य ने चुटकी ली, गुरुग्राम तो खुले इकोसिस्टम की नई मिसाल कायम कर रहा है। वहीं, कुछ यूज़र्स ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, शहर का हर कोना ऐसा ही है। कचरा प्रबंधन की हालत इतनी खराब है कि शब्द भी कम पड़ जाएं।

गुरुग्राम में कचरे की समस्या को लेकर लंबे समय से हाहाकार मचा हुआ है। महीनों के विरोध और शिकायतों के बाद, अब नगर निगम ने कमर कस ली है। एमसीजी आयुक्त प्रदीप दहिया ने बताया, शहर ने काफी इंतजार किया, अब हम पूरी ताकत से काम शुरू कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 402 करोड़ रुपये का डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण टेंडर जारी किया जा रहा है।

## लव बर्ड्स से प्रेमी जोड़ों का भाग्य जगा रहे थे, अपने भविष्य का नहीं लगा सके अंदाजा

**कानपुर, एजेंसी।** यूपी के कानपुर मे पक्षियों को तस्करी करके लाया और बेचा जा रहा है। कानपुर में चिड़ीमार लव बर्ड्स बेचकर प्रेमी जोड़ों का भाग्य जगा रहे थे, लेकिन अपने ही भविष्य का अंदाजा नहीं लगा सके। इसकी जानकारी किसी ने वन विभाग को दे दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने चिड़ीमारों के दर पर छापेमारी कर दी। इस दौरान सात जोड़े लव बर्ड्स के अलावा बड़ी संख्या में पक्षी बरामद हुए। प्रथमदृष्टया सभी पक्षी प्रतिबंधित बताए जा रहे हैं।

लव बर्ड्स पक्षियों की तस्करी भाग्य जगाने के लिए बड़े पैमाने पर की जाती है। एक जोड़ा लव बर्ड्स की कीमत 5 से 10000 रुपये ग्राहक देखकर लगाई जाती है। किवदंतियां हैं कि लव बर्ड्स पालने से घर में खुशहाली आती है। जिनकी शादी में

देरी होती है, उनके लिए भी लव बर्ड्स को फलदायक माना जाता है। यही वजह है कि चिड़ीमार लव बर्ड्स का बड़ा गोरखधंधा फैलाए हुए है।

बुधवार रात बिधनू रेंजर के नेतृत्व में टीम ने बाबूपुरवा स्थित सलीम के घर छापा मारा। घर से वन विभाग की टीम को 7 लव बर्ड्स के अलावा 7 सनक्योनूर और 9 कॉकटेल पक्षी मिले। मामले में आरोपियों के खिलाप करावाई की जाएगी। वन विभाग ने पक्षियों को कब्जे में लेकर मामले में जांच शुरू कर दी है।

बिधनू रेंजर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सलीम के खिलाफ वन जीव अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया। 3 साल तक कैद का प्रावधान है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक वानिकी की प्रभागीय निदेशक, दिव्या ने इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि चिड़ीमार के पास से 23 पक्षी बरामद किए गए हैं। एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

## रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद इन बातों का जरूर रखें ध्यान

**भगवान शिव के प्रिय माह सावन में रुद्राक्ष धारण करने पर इससे जुड़े कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। रुद्राक्ष पहनने वाले व्यक्ति को दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है और उसके तेज की वृद्धि भी होती है।**

रुद्राक्ष को काफी पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में इसे धारण करने से लेकर इसे पहनने के बाद भी कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। साथ ही कुछ परिस्थिति में भी रुद्राक्ष पहनने की मनाही होती है।

सनातन धर्म में रुद्राक्ष को विशेष स्थान प्राप्त है। इसे भगवान शिव के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के आंसुओं के रुद्राक्ष का निर्माण हुआ था। मान्यता है कि रुद्राक्ष की माला धारण करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। हालांकि, रुद्राक्ष धारण करने के कई नियम भी है।

**इन्हें नहीं धारण करना चाहिए रुद्राक्ष**

### गर्भवती स्त्री

ज्योतिष के अनुसार गर्भवती महिला को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। अगर रुद्राक्ष की माला पहले से पहन रखी है तो, गर्भवती होने के बाद इसे उतार देना चाहिए। बच्चे के जन्म बाद दोबारा रूद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

### तामसिक भोजन करने वाले व्यक्ति

ऐसे व्यक्ति तो तामसिक भोजन, यानी शराब और मांस का सेवन करते हैं, उन्हें रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि इससे रुद्राक्ष अपवित्र हो जाता है, जिससे भविष्य में अशुभ परिणाम मिलते हैं।

### सोने के दौरान

सोते समय भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। यदि आप सोने के दौरान तकिए के नीचे रुद्राक्ष रखकर सोते हैं, तो इससे बुरे सपने नहीं आते।

### ये हैं नियम

- रुद्राक्ष धारण करने से पहले इसके मूल मंत्र का 9 बार जाप करें।
- रुद्राक्ष धारण के बाद मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- शमशान घाट जाने से पूर्व रुद्राक्ष को उतारकर रख देना चाहिए
- रुद्राक्ष उतारने के बाद इसे पवित्र स्थान पर ही रखना चाहिए।
- रुद्राक्ष की माला का धागा लाल अथवा पीले रंग का होना चाहिए।
- महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष पहनने से बचना चाहिए।
- अपनी रुद्राक्ष माला को किसी अन्य व्यक्ति को नहीं देना चाहिए।

# हरियाली तीज कब है, जानें सही तिथि शुभ मुहूर्त और महत्व

**सावन में पड़ने वाली हरियाली तीज का बहुत महत्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। हरियाली तीज का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। तभी से यह व्रत रखा जाने लगा।**

हिंदू धर्म में हरियाली तीज पर्व का विशेष महत्व है। वहीं हरियाली तीज, जिसे सावन तीज या कुमार पक्ष की तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार भगवान शिव और देवी पार्वती के विवाह का प्रतीक है। यह त्योहार हर साल सावन महीने के दौरान शुक्ल पक्ष की तीसरी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और विधिवत रूप से पूजा-पाठ करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन व्रत रखने से सुहागिन महिलाओं को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हरियाली तीज का त्योहार पूरे भारत में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार प्रेम, विवाह और पर्यावरण के प्रति भक्ति का प्रतीक है। अब ऐसे में इस साल हरियाली तीज कब है। हरियाली तीज के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और इस दिन व्रत रखने का महत्व क्या है।

### हरियाली तीज कब है?

हरियाली तीज 2025 में 27 जुलाई, रविवार को मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल तृतीया तिथि 26 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि 27 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, हरियाली तीज 27 जुलाई को मनाई जाएगी। इस दिन रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है, जो शाम 4 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 28 जुलाई को सुबह 5 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। रवि योग में पूजापाठ करना और व्रत रखना बहुत ही शुभ फल देने वाला माना जाता है।

### हरियाली तीज व्रत का महत्व क्या है?

सावन माह में ही भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने तपस्या की थी और निर्जला व्रत किया था। इसके पश्चात शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन ही मां पार्वती के कठोर तप और निर्जला व्रत से प्रसन्न होकर भगवान शिव उनके सामने साक्षात प्रकट हुए थे और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से इस सावन माह में ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति हरियाली तीज के दिन व्रत रखता है और पूजा-पाठ करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

### पूजा थाली में रखें पांच सुपारी

सुपारी का तीज पूजा में बहुत महत्व है। सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। इससे संतान का भाग्य भी खुलता है।

## हरियाली तीज के दिन पूजा थाली में जरूर शामिल करें ये चीजें, व्रत का मिलेगा पूर्ण फल

सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, साल में कुल 3 तीज मनाई जाती हैं। इन्हीं में से एक है हरियाली तीज जो इस साल 27 जुलाई को पड़ रही है। हरियाली तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा होती ई। ऐसे में पूजा की थाली तैयार करते समय कुछ चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें पान के पत्ते

पान के पत्ते में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, पान के पत्ते का मध्य भाग मां लक्ष्मी का स्थान है। वैवाहिक जीवन के सभी रीति-रिवाज भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सानिध्य में होते हैं। ऐसे में हरियाली तीज पर पूजा थाली में पान के पत्ते अवश्य शामिल करें।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें कुमकुम

कुमकुम सिहागिन स्त्री की पहचान माना जाता है। इसके अलावा, कुमकुम वैवाहिक जीवन की संपन्नता को भी दर्शाता है। हरियाली तीज की पूजा वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए की जाती है। ऐसे में इसे भी पूजा थाली में अवश्य शामिल करें एवं माता पार्वती को भी चढ़ाएं।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें अक्षत

चावल को शास्त्रों में धन आकर्षित करने वाला बताया गया है, लेकिन इसके अलावा अक्षत को सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में हरियाली तीज की पूजा थाली में अक्षत जरूर रखें। इससे वैवाहिक जीवन समृद्ध बनेगा और पारिवारिक क्लेश से भी छुटकारा मिल जाएगा।

## भगवान शिव को पाने के लिए पार्वती जी ने रखा था हरियाली तीज का व्रत

सावन के महीने का हर दिन अपने आप में महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन हरियाली तीज का व्रत रखा जाता है। हरियाली तीज को हरतालिका तीज भी कहा जाता है। इस साल हरियाली तीज का व्रत 27 जुलाई को रखा जाने वाला है। हरियाली तीज पर्व को सुहागिन महिलाएं पूरे विधि-विधान से मनाती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। वहीं, कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व होता है। ऐसे में सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी चूड़ियां पहनती हैं। इस दिन पूजा के साथ-साथ व्रत कथा का भी बहुत महत्व होता है। हरियाली तीज व्रत कथा के बिना अधूरा माना जाता है। आइए, जानते हैं कि हरियाली तीज की व्रत कथा क्या है।

### हरियाली तीज की व्रत कथा

एक बार जब भगवान शिव ने मां पार्वती को उनके पिछले जन्म की याद दिलाई, तो उन्होंने कहा, हे पार्वती! तुमने मुझे पति रूप में पाने के लिए हिमालय पर कठिन तपस्या की थी। तुमने सर्दी, गर्मी, बरसात आदि सभी ऋतुओं में अन्न-जल ग्रहण किए बिना बहुत कष्ट उठाया। आपकी तपस्या को देखकर आपके पिता पर्वतराज बहुत दुखी हुए। तब एक दिन नारद मुनि आपके घर आए और आपके पिता से कहा कि मैं भगवान श्री हरि विष्णु की आज्ञा से यहां आया हूं। विष्णु जी तुम्हारी पुत्री की तपस्या से बहुत प्रसन्न हैं और उससे विवाह करना चाहते हैं, तो आपके पिता नारद मुनि की बातें सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और नारद जी से कहा कि उन्हें विवाह का प्रस्ताव स्वीकार है। यह सुनकर नारद मुनि भगवान विष्णु के पास जाते हैं और उन्हें इसकी जानकारी देते हैं। घने जंगल में चली गई थीं देवी पार्वती इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती से कहते हैं कि जब तुम्हारे पिता ने तुम्हें यह समाचार दिया, तो तुम्हे बहुत दुख हुआ। क्योंकि तुमने मुझे अपना पति मान लिया था। इसके बाद आपने अपना दर्द अपनी सखी को बताया। तब तुम्हारी सखी ने सुझाव दिया कि तुम घने जंगल में रहो। उसके बाद तुम बिना किसी को बताए वन में चली गई और मुझे प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की। जब तुम्हारे पिता को तुम्हारे अचानक गायब होने का पता चला, तो वे बहुत चिंतित हुए। वह सोचने लगे कि यदि इसी बीच भगवान विष्णु बारात लेकर आ गये तो क्या होगा।

### रेत का शिवलिंग बनाकर की तपस्या

जिसके बाद तुम्हारे पिता ने तुम्हें ढूंढते हुए धरती-पाताल एक कर दिया था। लेकिन वह तुम्हें ढूंढ नहीं सके, क्योंकि उस समय तुम एक गुफा में रेत से शिवलिंग बनाकर मेरी पूजा करने में पूरी तरह लीन थी। तब मैं तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न हुआ और मैंने तुम्हारी मनोकामना पूर्ण करने का वचन दिया। तभी इसी बीच तुम्हारे पिता तुम्हें ढूंढते हुए गुफा के पास आ गए और तब तुमने उन्हें अपनी सारी कहानी बताई। आपने उन्हें बताया कि मैंने शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अपना जीवन तपस्या में बिताया और अंततः वह तपस्या सफल हुई। तब आपने अपने पिता से कहा कि मैं आपके साथ तभी घर लौटूंगी, जब आप मेरा विवाह शिव से ही कराएंगे। तब पर्वतराज सहमत हुए और यह सुनिश्चित किया कि हमारा विवाह सभी रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाए।

# आपके जीवन से जुड़ा है भगवान शिव के इन प्रतीकों का रहस्य

**भगवान शिव की वेशभूषा सबसे भिन्न और निराली है। जब भी भगवान शिव के बारे में जानना हो, उनके रूप के बारे में जानना हो तो उनके कुछ खास प्रतीक चिह्न हैं जिनके जरिये यह पहचाना जा सकता है कि आपके आसपास भगवान शिव का वास बना हुआ। हालांकि ज्योतिष में तो इन प्रतीकों को घर पर रखने का भी खासा महत्व बताया गया है।**

भगवान शिव के ये प्रतीक आपके और हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं और हम सभी को यह संकेत देते हैं कि भगवान की कृपा पर बनी हुई है। भगवान शिव के इन प्रतीकों का अपना अलग-अलग महत्व है और इनसे जुड़ा अपना-अपना रहस्य भी है। तो चलिए जानते हैं भोलेनाथ महादेव के इन प्रतीक चिह्नों और इनसे मिलने वाले संकेतों के बारे में।

**अर्ध चंद्र** - भगवान शिव के मस्तक पर अर्ध चंद्र स्थापित है जो समय का प्रतीक माना जाता है। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने अपने चंचल मन को थोड़ा भी सीमित कर लिया उसके भीतर भगवान शिव (भगवान शिव के आगे क्यों नहीं लगता श्री) की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिनेत्र** - भगवान शिव की तीन आंखें हैं। तीसरी आंख का अर्थ है उन चीजों का अनुभव करना जिन्हें सामान्य दृष्टि से देखा ना जा सके। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने भी अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से थोड़ा भी भिन्न किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिशूल** - भगवान शिव का त्रिशूल न सिर्फ शस्त्र है बल्कि मानव शरीर में मौजूद नाड़ियों का सूचक माना जाता है। इसका हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी सही ज्ञान अर्जित किया और उस ज्ञान का सांसारिक उन्नति के लिए प्रयोग किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**रुद्राक्ष** - रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आसुओं से हुई है। रुद्राक्ष निर्माण के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। रुद्राक्ष (रुद्राक्ष धारण करने के नियम) का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी कला या प्रभु भक्ति से अपने भीतर किसी नवीन शक्ति का निर्माण किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**सर्प** - भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प समय चक्र को दर्शाता है। सर्प का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी भूत, वर्तमान और भविष्य में भी प्रभु भक्ति को चुन हर जीव की सेवा की है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**डमरू** - भगवान शिव का डमरू इस अबत का प्रतीक माना जाता है कि अपने अवगुणों पर विजय कैसे पाई जाए। डमरू का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने अवगुणों को दूर करने का प्रयास किया हो और उसमें थोड़ा भी सफल हुआ हो तो उस व्यक्ति में भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**बाघ की छाल** - भगवान शिव को बाघाम्बर कहा जाता है क्योंकि वह मृत बाघ की छाल के आसन पर बैठते हैं जी इस बात का प्रतीक है कि अपनी शक्ति पर अहंकार न करें। बाघ की छाल का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी अहंकार को त्याग दिया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिपुंड** - भगवान शिव का त्रिपुंड तिलक उनके मस्तक पर धारित 27 देवताओं और ध्यान का प्रतीक माना जाता है। त्रिपुंड का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने भीतर 36 में से 27 गुणों को ध्यान शक्ति को जागृत किया है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com



# विचार-मंथन

## संपादकीय

## सिस्टम पर सवाल

'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की थी। दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ चिंता भी पैदा करता है। दोषी कौन- 11 जुलाई 2006 को सिलसिलेवार ढंग से हुए बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 824 घायल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले से 19 साल बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है? शर्मनाक लापरवाही- हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ीं, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही बरती गई। यह भी शर्मनाक है कि आरोपियों को टॉर्चर किया गया। निचली अदालतों पर सवाल- 12 लोग इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी जीते रहे। जेल में वो लोग थे, लेकिन उनके साथ सजा पूरे परिवार ने भुगती। यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। और यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। सुप्रीम कोर्ट का सुझाव- कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। ताकि भरोसा बना रहे- महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा।

## प्रवर्तन निदेशालय की साख पर सवाल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यप्रणाली को लेकर शक्तियों के इस्तेमाल, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवाल उठते रहे हैं। ईडी पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने और सत्ताधारी दल के सदस्यों के प्रति नरमी बरतने के आरोप भी लगते रहते हैं। इसके अलावा, ईडी की ओर से दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर कम होने पर भी सवाल उठ चुके हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब कुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजंसी की कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से देखा जाता है। गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह सख्त टिप्पणी की कि ईडी कोई 'ड्रोन' नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। साथ ही कहा कि जांच एजंसी एक अत्यधिक दक्ष पुलिस अधिकारी (सुपर काप) की तरह नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच एजंसी की कार्यप्रणाली में कुछ न कुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है। ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अगर जांच एजंसी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईडी द्वारा तलब किए जाने से जुड़े एक मामले में सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। इसके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से संबंधित भूखंड आबंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए, इसमें ईडी जैसी जांच एजंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

## ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन

***भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है।***

65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ्ढ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी। **(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)।**

## अपाचे हेलिकॉप्टर की सेना में एंट्री, भारत की रक्षा शक्ति में जुड़ा नया अध्याय

(नीरज कुमार दुबे)

अपाचे की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह हेलिकॉप्टर दिन और रात, किसी भी मौसम में ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें हेलफायर मिसाइल, 70 मिमी रॉकेट्स और 30 मिमी की ऑटोमैटिक गन लगी होती है, जो इसे अत्यंत मारक बनाती है। भारतीय सशस्त्र बलों में इन दिनों दो महत्वपूर्ण घटनाएं घट रही हैं- एक ओर अत्याधुनिक अपाचे ॥-64श्च अटैक हेलिकॉप्टर सेना में शामिल हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक लंबा इतिहास समेटे मिग-21 फाइटर जेट भारतीय वायुसेना से विदाई ले रहा है। ये दोनों घटनाएं भारतीय रक्षा क्षमताओं में बदलाव का प्रतीक हैं और भविष्य की रणनीतिक दिशा को दर्शाती हैं। हम आपको बता दें कि अपाचे ॥-64श्च विश्व के सबसे आधुनिक और प्रभावशाली अटैक हेलिकॉप्टरों में से एक है। अमेरिका द्वारा निर्मित यह हेलिकॉप्टर अब भारतीय थलसेना के पास भी होगा। पहले अपाचे हेलिकॉप्टर केवल भारतीय वायुसेना के बेड़े में थे, लेकिन अब इन्हें सेना को भी सौंपा जा रहा है, जिससे जमीनी अभियानों में जबरदस्त बढ़त मिलेगी। अपाचे की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह हेलिकॉप्टर दिन और रात, किसी भी मौसम में ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें हेलफायर मिसाइल, 70 मिमी रॉकेट्स और 30 मिमी की ऑटोमैटिक गन लगी होती है, जो इसे अत्यंत मारक बनाती है। साथ ही अपाचे हेलिकॉप्टर ड्रोन और अन्य विमानों से जुड़कर एकीकृत ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें उन्नत रडार, नाइट विज़न और आत्मरक्षा प्रणाली होती है जो इसे दुश्मन की मिसाइलों से बचाती है। भारतीय सेना को कैसे मिलेगा लाभ यदि इसके बारे में बात करें तो आपको बता दें कि इसके आने से दुर्गम पहाड़ी इलाकों में तेजी से तैनाती और आक्रमण क्षमता बढ़ेगी। आतंकवाद और घुसपैठ विरोधी अभियानों में मजबूती मिलेगी तथा स्वदेशी टैंक रेजिमेंट्स के साथ संयुक्त ऑपरेशन की क्षमता बढ़ेगी। वहीं अगर मिग-21 की बात करें तो आपको बता दें कि यह भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था। इसे वर्ष 1963 में सोवियत संघ से आयात किया गया था। एक समय ऐसा था जब भारतीय वायुसेना के अधिकांश फाइटर स्क्वाड्रन मिग-21 पर ही आधारित थे। इसकी प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करें तो आपको बता दें कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में मिग-21 ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा कारगिल युद्ध और बालाकोट स्ट्राइक जैसे अभियानों में भी इसका उपयोग हुआ था। हम आपको यह भी बता दें कि बीते दशकों में मिग-21 को 'फ्लाइंग कॉफिन' और 'विधवा बनाने वाला' भी कहा गया, क्योंकि इसमें तकनीकी खामियों और रख-रखाव की जटिलताओं के कारण कई दुर्घटनाएँ हुईं। अब जब यह 60 वर्षों की सेवा के बाद रिटायर हो रहा है, तो यह एक युग के अंत की तरह है। अब सवाल उठता है कि मिग-21 के बाद कौन लेगा इसकी जगह? तो इसके जवाब में हम आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना अब पुराने विमानों की जगह नई पीढ़ी के फाइटर जेट्स ला रही है। इसमें सबसे पहला नाम तेजस का है। यह स्वदेशी रूप से विकसित चौथी पीढ़ी का लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है जोकि उच्च गतिशीलता, उन्नत एवियोनिक्स और हथियार प्रणाली से लैस है। तेजस अब मिग-21 का प्राकृतिक उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के पास अब राफेल है जोकि फ्रांस से आयातित बहुउद्देश्यीय फाइटर जेट है। यह लंबी दूरी की स्ट्राइक, डॉगफाइट और परमाणु हथियारों की तैनाती में सक्षम है। साथ ही एएमसीए और टीईडीबीएफ अभी विकास के चरण में हैं। बहरहाल, अपाचे हेलिकॉप्टरों की तैनाती और मिग-21 की विदाई एक प्रतीकात्मक परिवर्तन है। यह दिखाता है कि भारत अब अपने रक्षा बलों को तकनीकी रूप से उन्नत, अत्याधुनिक और नेटवर्क-सक्षम बना रहा है।

### सुडोकू पहेली क्रमांक- 5803

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 4 | 7 | | | 3 | 6 |
| | | | | 8 | | | 2 | 9 |
| | 1 | | 2 | | | | 5 | 7 |
| 7 | 6 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 1 | 5 |
| 6 | 9 | | | | 1 | | 4 | |
| 8 | 2 | | | 5 | | | | |
| 1 | 4 | | | 6 | 9 | 7 | | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5802

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 7 | 4 | 2 | 3 | 1 | 8 | 9 |
| 8 | 1 | 4 | 9 | 5 | 6 | 2 | 7 | 3 |
| 3 | 9 | 2 | 1 | 8 | 7 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 4 | 6 | 8 | 7 | 2 | 3 | 9 | 1 |
| 7 | 8 | 1 | 3 | 9 | 4 | 6 | 2 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 | 8 |
| 4 | 2 | 5 | 6 | 1 | 8 | 9 | 3 | 7 |
| 9 | 6 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 | 2 |
| 1 | 7 | 8 | 2 | 3 | 9 | 5 | 6 | 4 |

### वर्ग पहेली 5803

संकेत: बाएं से दाएं
1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निंबधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरीरानी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. तत्पर, तैयार, उद्यत (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्लिम धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. गैर बराबरी, विषमता (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)
9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने ऑस्ट्रिया देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट,उपहार, सौगात (4)
17. सूखे अदरक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में संवारने के लिए लगाती है (3)

### वर्ग पहेली 5802 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | ली | म | | रा | म | बो | ला |
| ह | मा | म | | ज | म | ना | |
| ना | | ता | दा | द | | | सो |
| य | दि | | मा | | सं | को | च |
| क | वा | य | द | | त | ह | |
| | लि | | | स | | रा | न |
| आ | वा | सा | व | न | झू | म | के |
| स्वा | | धी | | म | ठ | | ल |

## आज का राशिफल

### मेष
आज कानूनी दस्तावेज पर साइन करते समय सावधानी बरतनी होगी। पहले सभी चीजों को अच्छी तरह जांच ले और उसके बाद ही किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। आप कार्यक्षेत्र में अपने कामों को एक एक करके निपटाएंगे जिससे बहुत संतुष्टि महसूस होगी। साथ ही, घर के कुछ जरूरी काम निपटाने में भी आपका ज्यादा समय निकल सकता है।

### वृष
आज नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरे करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आपके काम को देखकर कार्यस्थल पर प्रमोशन को लेकर भी चर्चा की जा सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों का भी पूरा सहयोग मिलेगा जिससे आपका मन काम में लगा रहेगा। हालांकि, घर के छोटे बच्चों को आपको कुछ समय देना होगा।

### मिथुन
आज आपको फाइनेंस से जुड़े फैसले लेने होंगे क्योंकि, आने वाले समय में आज ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं,परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बनाई जा सकती है और शाम को परिवार के सदस्यों के साथ शॉपिंग पर जाने का प्लान भी बन सकता है।

### तुला
आज बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार के मामले में कोई नई डील भी शर्तों के साथ प्राप्त हो सकती है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। आपकी रुचि ध्यान और अध्यात्म में भी बढ़ सकता ही। साथ ही, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना भी बनाई जा सकती है।

### वृश्चिक
आज रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि बढ़ सकती है। लेकिन इसके लिए आपको इधर उधर की बातों को इग्नोर करके अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसी के चलते आपको धन कमाने के भी सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दिन में कुछ पैसों की तंगी हो सकती है, लेकिन शाम होते-होते वह दूर हो जाएगी। लेकिन आपके लिए इस समय किसी को उधार देना सही नहीं होगा।

### धनु
आज दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर सहकर्मी आपके टीमवर्क को देखकर हैरान रह जाएंगे और आपकी सराहना भी की जाएगी। साथ ही, आपको आसपास के लोगों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपको कुछ लोगों से प्रेरणा भी मिल सकती है, जिससे खुशी महसूस होगी। अगर लंबे समय से किसी कानूनी विवाद या झगड़े में फंसे थे तो अब आपको उनसे छुटकारा मिल सकता है।

### कर्क
आज किसी शुभ समाचार के इंतजार में रह सकते हैं। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से मेलजोल बढ़ाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। आपके बीच का प्रेम बढ़ेगा।

### सिंह
आज किसी बात को लेकर थोड़े परेशान रह सकते हैं। लेकिन दोपहर में वही वजह आपके आपको खुशी दे सकती है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर समझदारी से काम करने होंगे, तभी लाभ प्राप्त होगा। बुद्धि से जुड़े संबंधित कामों के अच्छे परिणाम आपको शाम तक प्राप्त हो सकते हैं। बिजनेस के मामले में किसी डील को फाइनल करने का काम कुछ वक्त टल सकता है।

### कन्या
आज आप पूरे उत्साह से हर काम को पूरा करेंगे और उसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में दोपहर के बाद आपके सभी काम धीरे-धीरे बनने लगेंगे। इससे मन प्रसन्न रहेगा और अगर कहीं लंबे समय से आपका पैसा फंसा हुआ था, तो वह भी अब वापस मिल सकता है।

### मकर
आज नौकरी के मामले में आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में काम अच्छा चलेगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा। कार्यस्थल पर आपको अपने जरूरी दस्तावेजों को तैयार रखना होगा क्योंकि, इनकी जरूरत कभी भी पड़ सकती है। आप अपने अच्छे व्यवहार और बातचीत करने के तरीके से लोगों पर गहरा प्रभाव छोड़ेंगे।

### कुंभ
आज आपको अपनी योजनाओं को और विचारों पर अब अमल करने का मौका मिल सकता है। साथ ही, राजनीति में भी रुचि बढ़ सकती है। पैसों के मामले में आपको सावधान रहना होगा, अन्यथा किसी व्यक्ति के कारण आपको धन की हानि हो सकती है। आपको अपने निजी रिश्तों पर भी थोड़ा ध्यान देने की जरूरत हो सकती है।

### मीन
आज दिन मेहनत भरा रह सकता है क्योंकि, कार्यस्थल पर अपने काम को पूरा करने में आपको ज्यादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन काम के सिलसिले में भाग दौड़ करने से आपको लाभ जरूर प्राप्त होगा। व्यापार के मामले में आपको अपनी प्रतिभा भर पर विश्वास रखना होगा। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
**संपादक- श्रीराम अम्बष्ट**, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

## China Open:

### सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार, यामागुची ने किया बाहर

**चांग्झू (चीन), एजेंसी।** पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

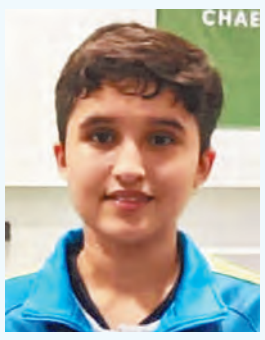



### जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी।

उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

### इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं। टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है। इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं। जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं। काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की।

काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे है. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिर गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

**तिलक ने एक छोर संभाले रखा**

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए. इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच में शतक ठोका था.

**एशिया कपः एक ही ग्रुप में होने की संभावना, एशिया कप 2025 भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जाएगा**

# भारत-पाकिस्तान मैच सितंबर में हो सकता है

**ढाका, एजेंसी।** यह फोटो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की है। पाकिस्तान में हुए इस टूर्नामेंट में भारत के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल में खेले गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला फिर देखने को मिल सकता है। ये मैच एशिया कप 2025 में खेला जाएगे। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को सौंपी है। टूर्नामेंट सितंबर में यूएई में खेला जाएगा।

यह फैसला गुरुवार को ढाका में आयोजित एसीसी की बैठक में लिया गया, जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। बीसीसीआई की ओर से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअली जुड़े। बीसीसीआई के एक अफसर ने बताया कि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत और पाकने आपसी सहमति से 2027 तक सभी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने का फैसला किया है। ब्रॉडकास्टर्स व स्पॉन्सर्स की मांग को देखते हुए भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जा सकता है। इससे 3 मैच होने की संभावना है। पहला लीग स्टेज में, फिर सुपर सिक्स में भी कम से कम एक मुकाबला हो सकता है। यदि दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीसरा मुकाबला भी संभव है।

## बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है। टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

**क्या था मामला?**

आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे.

**जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है?**

कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे.

**अब आगे क्या?**

कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को कहा है कि सरकार ने जस्टिस डीकुन्हा की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है और अब आरसीबी, केएससीए और इवेंट कंपनी पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा। इसके साथ ही, पुलिस और अन्य सरकारी विभागों की भूमिका की भी जांच होगी, क्योंकि आयोग की रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही पर भी सवाल उठे हैं. पाटिल ने आगे कहा की इस रिपोर्ट में घटना के लिए जिम्मेदार सभी संस्थाओं और लोगों के नाम दर्ज है और सभी के खिलाफ पुख्ता जांच की जाएगी.

## यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज, नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

**जयपुर, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया।

जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा ब्रह्मक बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएचओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था।

उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

### ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

**सब्स्टीट्यूट प्लेयर करेगा बैटिंग-बॉलिंग!**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे.

मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

**ओलम्पिक 2036:**

# भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अ

गले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लासगो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

## डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताया है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनकी पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

**भावुक हुए फैंस**

हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैंपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

**कौन थे हल्क होगन?**

हल्क होगन के करियर की बात करें तो वह 80 के दशक से रेसलिंग की दुनिया में सक्रिय हो चुके थे, फैन्स तो उन्हें रियल लाइफ सुपरहीरो मानने लगे थे। उनका पीले-लाल रंग का कॉस्ट्यूम एक अलग ही पहचान बन चुका था. उन्होंने अपने करियर में इतने मैच जीते कि उन्हें 'हल्कमैनिया' का तमगा भी दिया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com



## न्यूज बाइट्स

### कारगिल विजय दिवस समारोह आज, तैयारी पूरी

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जनेश्वर विकास केंद्र एवं जन विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार 26 जुलाई को आयोजित होनेवाले कारगिल विजय दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर दोनों संगठनों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कारगिल विजय दिवस समारोह की अबतक की गई तैयारी की समिक्षा की गई। अधिवक्ता संघ भवन में हुई बैठक की अध्यक्षता रामजी सिंह ने की। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि समीक्षा के अनुसार कार्यक्रम के आयोजन की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम 26 जुलाई को अधिवक्ता संघ सभागार में संपन्न होगा, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा अपराह्न 3 बजे दीप प्रज्वलित कर एवं कारगिल युद्ध के प्रतीक चिन्ह पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया जाएगा। इसके बाद कारगिल युद्ध विजय : देशभक्ति की अमर गाथा विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले के इतिहासकार और बुद्धिजीवियों का संबोधन होगा। इसके बाद कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और शहीद हुए परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है।

### विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की कार्यशाला संपन्न

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी गोह-हसपुरा विधानसभा का कार्यशाला सम्मेलन हसपुरा नरसन रोड में स्थित ड्रीम पैलेस मैरिज हॉल में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता हसपुरा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने किया। मंच का संचालन पूर्व जिला महामंत्री सह गोह विधानसभा के संयोजक रविशंकर शर्मा ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन उत्तरी मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

शौच के लिए गया था दोस्तों के साथ, पैर फिसलने से डूबा

# पुनपुन नदी में मिला किशोर का शव

- रातभर तलाश जारी रही, पुलिस को सूचना दी गई, और गोताखोरों की मदद ली गई, परंतु शव नहीं मिल पाया।
- गुरुवार सुबह शव गांव से 20 किलोमीटर दूर पुनपुन नदी में उपलाता मिला, जिसे ग्रामीणों ने देखा।

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

जिले से सामने आई है, जहां ओबरा थाना क्षेत्र अंतर्गत महुआंव गांव के रहने वाले एक 15 वर्षीय किशोर की मौत पुनपुन नदी में डूबने से हो गई। घटना के करीब 18 घंटे बाद गुरुवार सुबह उसका शव नदी में 20 किलोमीटर दूर बरामद किया गया। शव मिलने के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान महुआंव गांव निवासी योगेंद्र पासवान के पुत्र विपिन कुमार के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, बुधवार की शाम विपिन अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने निकला था। खेल खत्म होने के बाद वह शौच के लिए पुनपुन नदी के किनारे गया। इसी दौरान वह हाथ-पैर धोने के लिए पानी के करीब गया और तभी उसका पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

घटना की जानकारी उसके दोस्तों ने तुरंत शोर मचाकर गांववालों को दी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अंततः इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी कुछ पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर नदी में ग्रामीणों को एक शव उपलाता हुआ दिखा। जब वे नजदीक गए, तो उसकी पहचान विपिन के रूप में की गई। तत्काल इसकी सूचना परिजन और पुलिस को दी गई। ओबरा थाना के थानाध्यक्ष नीतीश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। विपिन चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर बताई जा रही है। विपिन की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

### नहर से अज्ञात युवक का शव बरामद

नवीनगर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। जिले में उत्तर कोयल नहर से पुलिस ने अज्ञात युवक का एक शव बरामद किया है। लाश देखकर लग रहा कि युवक की उम्र 30 साल होगी। नवीनगर थाना के पुलिस ने उत्तर कोयल नहर के रामपुर फाटक के पास बरामद किया। बताया जा रहा कि पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के संतोषडीह गांव के पास एक महिला नहर में गिर गई थी। पलामू पुलिस ने जानकारी मोहम्मदगंज बराज नियंत्रण कक्ष को दी थी। नहर के जलस्तर को कम करने लिए बराज के गेट को बंद कर दिया गया था। नहर में पानी कम होने के बाद नबीनगर के रामपुर गांव के ग्रामीणों ने एक लाश को पानी में उपलाते हुए देखा। आसपास के गांव वाले मौके पर पहुंचे। सूचना पुलिस को दी। नवीनगर थाना की पुलिस वहां पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला गया। वहां मौजूद लोगों में से किसी ने भी उसकी शिनाख्त नहीं की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया।

# विधिक सेवा प्राधिकार के अंतर्गत मुफ्त कानूनी बचाव प्रणाली की समीक्षा बैठक, पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने पर जोर

- रिमांड के समय आरोपियों की उम्र सत्यापन और गिरफ्तारी के नियमों के पालन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया।
- पॉक्सो मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर न हो, इसके लिए सावधानी बरतने को कहा गया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम विश्व बिभूति गुप्ता की अध्यक्षता में हाल ही में एक महत्वपूर्ण निगरानी एवं सलाह समिति की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव तान्या पटेल और सदस्य रसिक बिहारी सिंह सहित अन्य वरिष्ठ कानूनी अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य था 11 जुलाई से 24 जुलाई तक प्रस्तुत किए गए वादों तथा पूर्व में लंबित मामलों की गहन समीक्षा करना और जिन मामलों में न्याय की गति धीमी रही हो, उन्हें शीघ्र निष्पादित करने की दिशा में आवश्यक कदम निश्चित करना।

जिला न्यायाधीश बिभूति गुप्ता ने समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट किया कि अब तक किए गए कार्यों को संतोषजनक माना गया है, लेकिन बेहतर कार्य निष्पादन के लिए अधिवक्ताओं को विशेष निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रिमांड कार्य के दौरान उम्र के सत्यापन तथा गिरफ्तारी से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन होना आवश्यक है। पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों में यह विशेष रूप से कहा गया कि पीड़िता की पहचान किसी भी परिस्थिति में उजागर नहीं होनी चाहिए और सभी नियमों का नुकीले ढंग से पालन किया जाना चाहिए।

न्यायाधीश ने यह भी उल्लेख किया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत आने वाले अत्यंत गरीब, वंचित, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाएं आदि को अब मुफ्त कानूनी बचाव की एक नई प्रणाली के तहत सहायता प्रदान की जा रही है। इस प्रणाली में अधिवक्ताओं की पूर्णकालिक नियुक्ति की गई है, ताकि वे अपनी निजी वकालत की गतिविधि से हटकर पूरा समय केवल इन वादों और पीड़ितों को न्याय दिलाने में दें। न्यायाधीश ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह अधिवक्ताओं का परम दायित्व है कि वे इन जरूरतमंदों को सशक्त न्याय दिलाने के लिए पूरी लगन और ईमानदारी से कार्य करें।

बैठक में मौजूद मुख्य विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता युगेश किशोर पाण्डेय, उपमुख्य विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता अभिनंदन कुमार, मुकेश कुमार, और सहायक विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता चन्दन कुमार एवं रंधीर कुमार ने समिति को आश्वासन दिया कि वे सभी दिए गए दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि जरूरतमंदों को समयबद्ध एवं प्रभावी कानूनी सहायता प्राप्त हो।

# हर्ष राज की सफलता पर पूर्व सांसद सुशील कु. सिंह ने दी बधाई, कहा—जिले का किया नाम रोशन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के डॉ. धरणीधर रोड निवासी हरिओम प्रसाद एवं सविता देवी के पुत्र हर्ष राज ने सीयूईटी 2025 परीक्षा में 99.2% अंक लाकर शानदार सफलता अर्जित की है। इस उपलब्धि पर औरंगाबाद के भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने मिठाई खिलाकर हर्ष को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर पूर्व सांसद ने कहा कि हर्ष राज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में दाखिला लेकर न सिर्फ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि एसआरसीसी देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में से एक है, जो उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, अनुभवी फैकल्टी और शानदार प्लेसमेंट के लिए जाना जाता है।

पूर्व सांसद ने आगे कहा कि हमारे जिले और लोकसभा क्षेत्र के कई छात्र पहले भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। हर्ष राज की यह सफलता आने वाले छात्रों को प्रेरणा देगी और उनके अंदर भी यह भावना जगेगी कि जब वह कर सकता है, तो हम भी कर सकते हैं।

हर्ष राज की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता और परिवार ही नहीं, बल्कि जिले भर के शिक्षा जगत, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने भी खुशी जाहिर की है। पूर्व सांसद ने कहा कि ऐसे होनहार छात्र देश का भविष्य होते हैं और हम सभी को उन पर गर्व है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह, जदयू नेता रंजीत चन्द्रवंशी एवं आकाश कुमार भी उपस्थित रहे और सभी ने हर्ष को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पूर्व सांसद ने हर्ष राज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जीवन में इसी तरह आगे बढ़ते रहें और इससे भी बड़ी सफलताएं हासिल करें।

फूफा के प्रेम में डूबी भतीजी ने पति की करवाई थी हत्या

# बहुचर्चित प्रियांशु हत्याकांड का मुख्य आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

चर्चित प्रियांशु हत्याकांड में, जिसमें पत्नी ने अपने फूफा से प्रेम के चलते पति की हत्या करवा दी थी। इस बहुचर्चित मामले के मुख्य आरोपी जीवन प्रसाद (60 वर्ष) को आखिरकार राजस्थान के सवाई माधोपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह रणथम्भौर रोड स्थित एक होटल में फर्जी आईडी पर छुपकर रह रहा था। पुलिस को यह सफलता बिहार पुलिस के इनपुट पर मिली। मानटाउन थाना पुलिस ने विशेष टीम बनाकर दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार जीवन प्रसाद को नबीनगर थाना के थानाध्यक्ष मृत्युंजय उपाध्याय को सौंपा गया है। कोर्ट ने उसे 28 जुलाई तक ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया है।

गौरतलब है कि 24 जून को प्रियांशु उर्फ छोटू (27 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महज एक महीने पहले 21 मई को उसकी शादी गुंजा (27 वर्ष) से हुई थी। लेकिन शादी के दिन से ही इस रिश्ते की बुनियाद झूठ और धोखे पर रखी गई थी, क्योंकि गुंजा का प्रेम संबंध अपने ही फूफा जीवन प्रसाद से चल रहा था। शादी के दौरान ही गुंजा ने पति की हत्या की योजना बना ली थी, और इसके लिए झारखंड से दो शूटर—जयशंकर चौबे और मुकेश शर्मा को हायर किया गया।

हत्या के बाद 2 जुलाई को पुलिस ने आरोपी पत्नी गुंजा को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन जीवन प्रसाद फरार हो गया था। अब उसकी गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में बड़ी मदद मिलेगी। इस केस की तह में जब पुलिस गई, तो खुलासा हुआ कि गुंजा बचपन से अपने फूफा जीवन के घर पर ही रह रही थी और पढ़ाई के दौरान ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। गुंजा ने पुलिस को दिए बयान में कहा, 'हमें एक-दूसरे से प्यार हो गया था। मुझे पता था कि वो मुझसे उम्र में काफी बड़े हैं, लेकिन प्यार उम्र नहीं देखता। बुआ को कभी शक नहीं हुआ। हम घर में ही मिला करते थे। अप्रैल में जब बुआ ने हमें एक साथ देख लिया, तब घरवालों को पता चला और मेरी शादी जल्दी तय कर दी गई। मैंने फूफा से कई बार कहा कि भाग चलते हैं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इससे पहले वो मेरी दो शादियां तुड़वा चुके थे। इस बार उन्होंने मुझसे वादा किया था कि प्रियांशु को रास्ते से हटाएंगे। पुलिस के अनुसार, जीवन प्रसाद हत्या से ठीक दो दिन पहले ही सवाई माधोपुर आया था ताकि शक से बचा जा सके। उसके खिलाफ सबूत मजबूत हैं और पूछताछ में और भी चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है। एसपी अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि बिहार पुलिस के विशेष इनपुट पर साइबर सेल प्रभारी अजीत मोगा और थानाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता की टीम ने यह सफलता पाई है। यह मामला न केवल एक प्रेम-त्रिकोण की भयावह परिणति को दिखाता है, बल्कि यह भी बताता है कि पारिवारिक रिश्तों में जब नैतिकता टूटती है, तो उसका अंत कितना खतरनाक हो सकता है। अब इस केस में आगे की पूछताछ और न्यायिक कार्रवाई के बाद ही पूरे घटनाक्रम की अंतिम परतें खुल पाएंगी।

# पीएनबी द्वारा किया गया एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

- तीन जिलों में 82 करोड़ का लीड सृजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा शुक्रवार को अपने तीनों जिलों औरंगाबाद, अरवल तथा रोहतास में परिचालित सभी शाखाओं में एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रधान कार्यालय से उप महाप्रबंधक देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी विशेष रुप से उपस्थित थे। बैंक द्वारा अन्य सभी शाखाओं के साथ-साथ डेहरी ऑन सोन शाखा, बिक्रमगंज शाखा तथा ओल्ड जीटी रोड शाखा में विशेष शिविर भी लगाए गए थे। सभी शिविरों में अच्छी संख्या में ग्राहकों की मौजूदगी रही। इस आउटरीच का उद्देश्य ग्राहकों को बैंक के विविध एमएसएमई ऋण उत्पादों की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें लाभान्वित कराना था। इस अवसर पर ग्राहकों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस आउटरीच में औरंगाबाद मंडल ने लगभग 82 करोड़ का लीड सृजित किया। इस अवसर पर औरंगाबाद मंडल के मंडल प्रमुख प्रवीण कुमार, उप मंडल प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार ब्रह्मचारी, पीएलपी प्रमुख आनद कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक रोहतास शैलेश कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक औरंगाबाद आनन्द वर्धन तथा अन्य गणमान्य एवं बैंक के स्टाफ-सदस्य मौजूद थे।

# सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में भूगोल विभाग के छात्रों को दी गई विदाई, प्राचार्य ने दी शुभकामनाएं

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शुक्रवार को सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय, औरंगाबाद के सेमिनार हॉल में भूगोल विभाग के स्नातकोत्तर सत्र 2022-24 के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सुधीर कुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी ने भूगोल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे हम सभी को गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह विदाई एक नई यात्रा की शुरुआत है और जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत, आत्मविश्वास और लगन जरूरी है। उन्होंने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि समाज और देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनें और अपने ज्ञान का सही दिशा में उपयोग करें।

इस अवसर पर भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विभीषण कुमार के साथ-साथ गया कॉलेज, गया की भूगोल विभागाध्यक्ष और इग्नू समन्वयक डॉ. विभा सिंह तथा प्रोफेसर आर. के. पी. यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को भविष्य में सतत परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का संचालन राजू कुमार ने किया, जिनके साथ जय विजय कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, पप्पू कुमार, सीमा कुमारी, डिम्पल कुमारी, ज्योति कुमारी, श्रेया कृति, अभिजीत कुमार और अनिरुद्ध सिंह ने मिलकर पूरे आयोजन को सफल और यादगार बनाया।

विदाई के इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने भावुक होकर अपने शिक्षकों और महाविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्रों ने कहा कि इस महाविद्यालय में बिताया गया समय और शिक्षकों का मार्गदर्शन उनके जीवन की पूंजी रहेगा, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। कार्यक्रम के समापन पर माहौल भावुक लेकिन प्रेरणादायक रहा।

# महिंद्रा की नई कार 3XO आरईभीएक्स को औरंगाबाद में महिंद्रा के अग्रगणी डीलर सनशाइन ऑटोज ने किया लॉन्च

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में XUV 3XO REVHX की भव्य लॉन्चिंग की गई। इस कार्यक्रम में पीएनबी और सनशाइन ऑटोमोबाइल्स के सहयोग से ग्राहकों के बीच नए सेगमेंट की इस शानदार कार को पेश किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डीजीएम हेड ऑफिस पीएनबी देवेंद्र त्रिपाठी और सर्किल हेड प्रवीण कुमार ने भाग लिया। उनके साथ एरिया सेल्स मैनेजर शशिकांत निरंजन और समृद्धया कर भी उपस्थित रहे। इस मौके पर पुराने और नए ग्राहकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। सनशाइन ऑटोमोबाइल्स के जीएम बलराम कुमार ने जानकारी दी कि इस मॉडल की शुरुआती कीमत 8.94 लाख से 12.99 लाख (एक्स शोरूम) रखी गई है। बुकिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और डिलीवरी भी तत्काल रूप से शुरू कर दी गई है।

XUV 3XO REVHX कार अपने सेगमेंट में खास बनती है, क्योंकि इसमें कई आधुनिक फीचर्स जोड़े गए हैं- स्काई रूफ, 16 इंच ब्लैक अलॉय व्हील, टच स्क्रीन म्यूजिक सिस्टम, लेदरेट सीट्स, बॉडी कलर ग्रिल्ड, एड्रेनॉक्स सिस्टम, एलेक्सा इंटीग्रेशन, 360 डिग्री कैमरा, बेस वेरिएंट से ही डुअल टोन लुक, सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग है। यह कार पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट में उपलब्ध होगी, साथ ही मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प भी दिए गए हैं। इस भव्य मौके पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर सुभेंदु शेखर सिंह, समाजसेवी अशोक सिंह, अश्विनी कुमार, सुशील कुमार सिंह, विश्वजीत कुमार, रंजय कुमार, साकेत कुमार, सोनू कुमार, प्रवीन कुमार, अभिषेक कुमार, आनंद कुमार सहित पूरा सनशाइन परिवार मौजूद रहा। इस शानदार लॉन्च के साथ ही औरंगाबाद में ग्राहकों में XUV 3XO REVHX को लेकर खासा उत्साह देखा गया। कंपनी को उम्मीद है कि इस मॉडल को जिले में बेहतर प्रतिसाद मिलेगा।

व्यवहार न्यायालय ने सुनाया फैसला

# दहेज हत्या मामले में पति को 15 साल का कठोर कारावास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय से शुक्रवार को सामने आया, जहां जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवम पंकज पांडेय ने बारूण थाना कांड संख्या 88/20 के तहत दहेज हत्या के आरोपी पति अमित राम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। इस मामले में भादंवि की धारा 304 (बी) के अंतर्गत दोषी पाए गए आरोपी को 15 वर्ष का कठोर कारावास तथा 10 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि यदि वह अर्थदंड नहीं देता है तो उसे एक वर्ष अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अपर लोक अभियोजक महेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी कि इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 9 गवाहों की गवाही कराई गई, जिसके आधार पर 4 जुलाई 2025 को आरोपी को दोषी ठहराया गया था।

इस संबंध में अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मृतका चांदनी कुमारी के पिता विश्वनाथ राम, निवासी रजवरीया खुर्द, नवीनगर, ने 4 जून 2020 को अपने दामाद अमित राम के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में हिंदू रीति-रिवाज से चांदनी की शादी अमित से हुई थी।

चांदनी उस समय गर्भवती थी और उसका एक दो साल का बेटा तथा एक साल की बेटी भी थी। प्राथमिकी में बताया गया कि आरोपी दामाद टीवी, मोटरसाइकिल और सोने की चेन की मांग को लेकर अपनी पत्नी चांदनी के साथ अक्सर मारपीट करता था। घटना की रात 3 जून 2020 को रात 11:40 बजे चांदनी के मायके में फोन कर बताया गया कि वह अब इस दुनिया में नहीं रही। जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि चांदनी खून से लथपथ अवस्था में घर में पड़ी हुई थी। स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर यह जानकारी मिली कि अमित राम ने टांगी से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई, मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट और पोस्टमार्टम कराया गया तथा उसी दिन दोपहर में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिछले 62 माह से जेल में बंद है।

# उर्वरक की कालाबाजारी पर कार्रवाई, लाइसेंस रद्द, तीन विक्रेताओं का निलंबन, गोदाम सील

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर प्रखंड में उर्वरक की कालाबाजारी को लेकर की गई है, जहां शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर शमशेरनगर के चार उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों की जांच की गई। जांच के दौरान जय माता दी खाद भंडार, शमशेरनगर में भारी अनियमितताएं पाए जाने के बाद उसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया, वहीं शमशेरनगर पैक्स, कुमार खाद भंडार और मिथिलेश खाद भंडार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

जांच के क्रम में जय माता दी खाद भंडार के गोदाम में अवैध उर्वरक भंडारण पाए जाने पर गोदाम को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अंचल अधिकारी दाउदनगर शैलेंद्र कुमार को दंडाधिकारी के रूप में नामित किया गया था, जिनकी देखरेख में गोदाम को सील किया गया।

इस मामले में जिला कृषि पदाधिकारी संदीप राज ने स्पष्ट किया कि उर्वरक की कालाबाजारी को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रत्येक दिन छापेमारी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की यह जिम्मेदारी है कि किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार और कृषि समन्वयक राजीव रंजन कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी विक्रेता कालाबाजारी में लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई किसानों के हित में की गई बड़ी पहल मानी जा रही है, जिससे बाजार में उर्वरक की उपलब्धता बनी रहे और बिचौलियों पर नकेल कसी जा सके।

# शाक्यद्विपीय परिवार महाकुंभ के लिए 24 अगस्त को पटना में रखी जाएगी आधारशिला

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के कर्मा रोड स्थित सौरभ मिश्रा के आवास पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पटना से चलकर आए ब्रजेश मिश्र उरवार ने किया एवं संचालन शिक्षक नेता अशोक पाण्डेय ने किया। इस बैठक का में शाक्यद्विपीय परिवार महाकुंभ को लेकर चर्चा हुई। चर्चा में बताया गया कि आगामी वर्ष 2026 में संभावित अप्रैल महीने में पटना के मिलर स्कूल के मैदान में शाक्यद्विपीय परिवार महाकुंभ का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन ने पूरे देश भर के ग्यारह हजार शाक्यद्विपीय परिवारों का महाजूटान होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक सौरभ मिश्रा के द्वारा यह बताया गया कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने एवं आधारशिला रखने के लिए 24 अगस्त 2025 को पटना में बाबू जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक अनुसंधान संस्थान, सरदार पटेल मार्ग, पटना में 'भात पर गोतिया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें करीबन राज्य से 1000 लोगों की आने की संभावना है। 'भात पर गोतिया' कार्यक्रम में शाक्यद्विपीय परिवार महाकुंभ के तारीख की घोषणा की जाएगी एवं जिम्मेदारियां का भी बंटवारा होगा। इस बैठक में कार्यक्रम के मुख्य कार्यक्रम संयोजक ब्रजेश मिश्र उरवार ने संपूर्ण बिहार एवं देश के सभी राज्यों के शाक्यद्विपीय परिवार को इस महाकुंभ में आने का निमंत्रण दिया है। वही इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक श्री प्रकाश मिश्रा द्वारा इस कार्यक्रम के पश्चात होने वाले सामाजिक लाभ की भी चर्चा की गई। कैसे अपने समाज का भला हो इस पर गहन चिंतन किया गया। अंत में सभी वक्ताओं ने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की बात कही जिससे समाज को मजबूती मिल सके।